# अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों कहकर मनाई गई शहादत दिवस

**शहादत को यादों में बसाने का लिए शहीद के पिता की तमन्ना है बने शहीद द्वार**

**शहीदों की शहादत पर लगेगें हर बरस मेले, वतन पे मिटने वालो की यही बांकी निंशा होगी**

● **राकेश रौशन**

'कर चले हम फिदा जानो तन साथियों, अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों' जैसे देशभक्ति गीतों की गूंज की धुन जैसे ही कानों में पड़ती है वैसे ही देशवासियों के दिलों पर देश को आजाद कराने में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद वीर सपूतों की यादें ताजा हो जाती है। स्वतंत्र भारत में भी आज देश के सपूत अपने देश की रक्षा के लिए अपनी कुर्वानी देने में पीछे नही हट रहे हैं बल्कि शहीदों के अरमानों एवं सपनों को पूरा करने के लिए अपनी जान को हथेली पर रखकर सरहद पर देश की रक्षा करते है। भारत वीरों एवं शहीदों का देश रहा है। वैसे ही शहीद की चर्चा हम कर रहे हैं जो सरहद पर दुश्मनों से जंग करते हुए अपनी प्राणों की आहुति दे दी परन्तु देश पर आंच नही आने दी।

नवादा जिले के मेसकौर प्रखंड अंतर्गत बैजनाथपुर गांव के वीर सपूत शहीद आशुतोष कुमार की 19 वीं शहादत्त दिवस पर उनके शहीद स्मारक पर पिता नरेंद्र कुमार सिंह ने जैसे हीं पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी, वहाँ मौजूद लोगों की आँखे नम हो गई । बतादें कि 29 अक्टूबर 2004 को जम्मू कश्मीर में आर्तकियों से मुठभेड़ के दौरान वीर आशुतोष शहीद हो गए थे। बैजनाथपुर गांव में स्थापित शहीद स्मारक पर उनके पिता नरेंद्र कुमार सिंह, चाचा बम बम सिंह ने जैसे ही पुष्प चढ़ा श्रद्धांजलि दी, वहां उपस्थित ग्रामीणों की आंखें बरसात के पानी की तरह डबडबा गई । शहीद आशुतोष कुमार की याद में 1 मिनट का मौन भी रखा गया । वहाँ मौजूद लोगों के द्वारा भारत माता की जय ,शहीद आशुतोष अमर रहे , जब तक सूरज चाँद रहेगा वीर आशुतोष तेरा नाम रहेगा, जैसे अनेकों नारे लगाए

गए । वहाँ उपस्थित विजय सिंह, नवीन कुमार, सिकंदर सिंह, बबलू सिंह,नवीन सिंह,राकेश रौशन, मल्लू सिंह, धर्मपाल, अमरेश, अंकित शिशुपाल धीरज, नंदकुमार, चंदन कुमार, कुंदन कुमार ,अरविंद कुमार सहित दर्जनों ग्रामीणों ने भी वीर सपूत को श्रद्धांजलि अर्पित किया।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान शहीद आशुतोष के पिता नरेंद्र कुमार ने बताया कि जम्मू कश्मीर के डोडा जिले के देनी जंगल में आतंकी रहने की सूचना मिलने के बाद सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा था। उसी जंगल में आतंकी छिपे हुए थे। इसी बीच एक पेड़ के पीछे आतंकी के छिपे होने की भनक हमारे वीर सपूत आशुतोष को मिल गई। फिर क्या था आशुतोष ने अपनी जान की परवाह ना करते हुए पेड़ के पीछे छिपे आतंकी पर ग्रेनेंट से हमला कर दिया । तभी दूसरे आतंकी ने भी ग्रेनेट से आशुतोष पर हमला कर दिया। जिसमें आशुतोष घायल हो गया । लेकिन घायल होने के बावजूद भी मां भारती के लाल आशुतोष ने अपनी AK- 47 राइफल से पेड़ के पीछे छिपे आतंकी एवं उसके दो साथियों के सीने को गोलियों से छलनी कर दिया । तभी बगल में छिपे एक आतंकी ने घायल आशुतोष पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। जिसमें आशुतोष कुमार शहीद हो गए । शहीदोपरान्त आशुतोष को सेना मेडल से अलंकृत किया गया। देश की आन बान शान के खातिर शहीद हुए वीर आशुतोष कुमार की शहादत पर परिवार सहित समस्त बैजनाथपूर ग्राम वासी एवं बारत पंचायत के लोग गौरवांवित महसूस करते है। ●

## शहीद के पिता को आज भी एक कसक दिल में हमेशा रहती है...

शहीद आशुतोष के पिता नरेंद्र कुमार ने रूआंसे भरे आँखों से लबरेज होते हुए कहा कि आज भी हमारे दिल में एक कसक बरकरार है, और वह है शहीद आशुतोष के याद में एक शहीद द्वार का निर्माण। उन्होंने कहा कि मैं अपने शहीद पुत्र के याद में एक शहीद द्वार बनवाने के लिए सांसद, विधायक से लेकर सभी जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारियों से आग्रहपूर्वक निवेदन किया। सभी लोगों ने आज तक आश्वासन के सिवा कुछ नहीं दिया। बस इसी बात की कसक मेरे दिल में हमेशा रहती है। जिस वक्त मेरा पुत्र शहीद हुआ, उस वक्त उपस्थित पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों ने तो ऐसे ऐसे बादे किए कि मानों अब भविष्य में आने वाले हरेक संकट को ये सभी लोग हर लेगें। उपस्थित लोगों ने एक से बढ़कर एक आश्वासन दिया। उक्त लोगों ने अपना-अपना मोबाइल नम्बर भी दिया। उस दौरान कुछ दिनों तक दुआ-सलाम का सिलसिला चलता रहा और आश्वासन पे आश्वासन मिलता रहा। उसके बाद जैसे-जैसे समय बीतता गया उक्त महानुभावों ने मुझे दरकिनार करते गए। अन्त में वह समय भी आया कि लोगों ने मुझसे नजर पङना पाप समझने लगे। तब कहीं जाकर मुझे समझ आया कि ये लोग घटना के वक्त केवल पब्लिसिटी हासिल करने के लिए उपस्थित होते हैं। वहाँ उपस्थित भीङ के सामने लम्बे-चौड़े वायदे कर के लोगों के बीच अपनी नेक छवि का पहचान बनाना जानते हैं। इन जैसे लोगों को ना तो देश से प्यार है और ना हीं देश के लिए कुर्बान हुए बेटो के प्रति सहानुभूति है। इन जैसे लोगों को अगर किसी चीज से प्यार है तो वह है उनकी अपनी कुर्सी। मेरे दिल में आज भी एक किरण मौजूद है, जो हमेशा कहती है कि एक न एक दिन कोई माय का लाल ऐसे आएगा जो मेरे अरमान को जरूर पुरा करेगा। देश के लिए कुर्बान हुए मेरे पुत्र के याद में शहीद द्वार जरूर बनाएगा।

# दानिश मसरूर समेत अन्य वैज्ञानिक हुए सम्मानित

● **मिथिलेश कुमार**

मधुमेह से होने वाली न्यूरोपैथी के नए जांच उपकरण के डिजाइन का पेटेंट भारत सरकार के संबंधित कार्यालय मगध विश्वविद्यालय के प्रो0 डॉ सिद्धनाथ प्रसाद यादव दीन, मोहम्मद दानिश मसरूर और डॉ मो0 राशिद नईम के साथ महाराष्ट्र के वैज्ञानिकों के साथ किया गया है। इस नए शोध में मोहम्मद दानिश मसरूर जो की मगध विश्वविद्यालय में शोधकर्ता हैं वह नरहट गांव के निवासी हैं। इस संबंध में नवादा के समाजसेवी नेता सैय्यद मसीह उद्दीन ने पूरी टीम को मगध विश्वविद्यालय पहुंच कर पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र से सम्मानित किया। आज के समय में मधुमेह तेजी से बढ़ती हुई बीमारी है। मधुमेह धीरे-धीरे जब शरीर के नसों को प्रभावित करने लगता है और शरीर के कई अंगों समेत मांसपेशियां प्रभावित होने लगते हैं तब इन लक्षणों को इसी रोग के लक्षण समझे जा सकते हैं । डायबीटिक न्यूरोपैथी का सबसे अधिक प्रभाव पैरों के तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है। इसके प्रभाव से पैरों में झुनझुनी, सनसनी और बेचौनी का अभ्यास होने लगता है। इसके बाद धीरे-धीरे हृदय, पाचन तंत्र और जनन से संबंधित समस्याएं बढ़ने लगते हैं। आज के जीवन शैली में रक्त शर्करा के साथ मधुमेह न्यूरोपैथी को रोकना संभव नहीं परंतु कम करने का प्रयास किया जा सकता है। इसके जांच के लिए उपकरण संबंधी कई उपकरण बाजार में उपलब्ध तो हैं परंतु काफी बड़े और मंहगे हैं। इस रोग से लड़ने के मार्ग में जांच उपकरण का सस्ता माध्यम अति आवश्यक प्रतीत होता है। डायबीटिक न्यूरोपैथी के जांच उपकरण का डिजाइन भारत सरकार के बौद्धिक संपदा कार्यालय द्वारा प्रमाणित कर दिया गया है। मोहम्मद दानिश बताते हैं कि यह उपकरण बहुत ही छोटा और उपयोग में आसान है आम जनता इसका उपयोग डायबीटिक न्यूरोपैथी के जांच के लिए आसानी से करने में सक्षम रहेंगे। ●

# हाई प्रोफाइल मामलों में आरोपित अशोक महतो रिहा

● **मिथिलेश कुमार**

बिहार के हाई प्रोफाइल मामलों में एक शेखपुरा विधानसभा के पूर्व सदस्य पूर्व विधायक रणधीर कुमार सोनी पर जानलेवा हमला एवं नवादा जेल ब्रेक कांड सहित कई बड़े मामलों में आरोपित अशोक महतो उर्फ साधु जी को रिहा कर दिया गया. नवादा जेलब्रेक कांड के सजायाफ्ता, कांग्रेस के पूर्व सांसद राजो सिंह की हत्या समेत अन्य कई बड़े कांडों के आरोपित रहे अशोक महतो को शेखपुरा के विधायक रहे रणधीर कुमार सोनी पर जानलेवा हमला करने के मामले में भी रिहा कर दिया गया. भागलपुर जेल में कैद अशोक महतो को शुक्रवार को रिहा किया गया. अशोक महतो को ले जाने उनके सैंकड़ों समर्थक पहुंचे थे. 100 से अधिक गाड़ियों का काफिला भागलपुर पहुंचा था.17 साल के बाद अशोक महतो जेल से बाहर आए हैं. जेल से बाहर निकलते ही उनके समर्थकों ने फूल मालाओं से उन्हें लाद दिया एवं जमकर नारेबाजी की गयी.

अशोक महतो को लेकर उनके समर्थक विक्रमशिला सेतु के रास्ते निकले. सड़क पर थोड़ी देर के लिए जाम लगा रहा। शेखपुरा विधानसभा के पूर्व सदस्य पूर्व विधायक रणधीर कुमार सोनी पर जानलेवा हमला करने के मामले में अशोक महतो को रिहा कर दिया गया. 22 अगस्त 2012 को जब तत्कालीन विधायक नगर क्षेत्र शेखपुरा से अपने गांव मुरारपुर जा रहे थे. उसी समय उनके गांव जाने के मार्ग में विधायक अगस्त 2012 को जब तत्कालीन विधायक नगर क्षेत्र शेखपुरा से अपने गांव मुरारपुर जा रहे थे. उसी समय उनके गांव जाने के मार्ग में विधायक पर हमला कर जान लेने का प्रयास किया गया था. इस मामले में नवादा जेलब्रेक कांड के सजायाफ्ता कुख्यात अशोक महतो सहित अन्य लोगों को अभियुक्त बनाया गया था. इस मामले के लंबी सुनवाई के दौरान अभियोजन द्वारा 10 गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया. जिसमें से अधिकांश गवाहों ने इस मामले में अभियोजन द्वारा पक्ष द्रोही घोषित किए गए. क्योंकि इस मामले के लंबी सुनवाई के दौरान अभियोजन द्वारा 10 गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया. जिसमें से अधिकांश गवाहों ने इस मामले में अभियोजन द्वारा पक्ष द्रोही घोषित किए गए. क्योंकि इन लोगों ने सूचक द्वारा पुलिस के समक्ष दर्ज कराई गई कांड का समर्थन नहीं किया था. हालांकि, इस मामले में पूर्व विधायक ने अपनी गवाही न्यायालय में दर्ज कराई थी. इस मामले को निर्णय गुरुवार को सुनाया गया. अशोक महतो को कड़ी सुरक्षा के बीच भागलपुर केंद्रीय कारा से सांसद और विधायक के मामलों की विशेष कोर्ट में सुनवाई के लिए न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था. फैसला सुनाने के बाद वापस अशोक महतो को भागलपुर जेल लाया गया था. इसके पूर्व कांग्रेस के दिग्गज राजो सिंह की हत्या, जिले के अरियरी के दो प्रखंड विकास पदाधिकारी के हत्या आदि के मामले में भी आरोपी कोर्ट से साक्ष्य की कमी के कारण अशोक महतो रिहा किया जा चुके हैं. भागलपुर जेल के बाहर ठीक वैसा ही नजारा दिखा जैसा कभी बाहुबली सांसद रहे मोहम्मद शहाबुद्दीन की रिहाई के बाद उन्हें साथ ले जाने सैंकड़ों गाड़ियों पर बड़ी संख्या में उनके समर्थक पहुंचे थे।भागलपुर से अपने घर बढ़ोना लौटने वाले रास्ते में उनके समर्थकों ने उन्हें फूल मालाओं से लाद दिया। वारिसलीगंज पँहुँचे अशोक महतो के काफिले में सैकड़ो वाहनों के साथ उनके समर्थकों में काफी उत्साह था।हालांकि बीते माह अशोक महतो के बड़े भाई की मौत के बाद उनके श्राद्ध में कोर्ट ने उन्हें पेरोल पर रिहा नही किया था। लेकिन अब न्यायालय ने उन्हें 17 बर्षो के बाद जेल से रिहा कर दिया है।

☞ **कब हुआ था जेल ब्रेक कांड** :- 23 दिसम्बर 2001 की सुबह 20-25 की संख्या में रहे हथियारबंद अपराधी टाटा 407 वाहन पर सवार होकर मंडल कारा नवादा के समीप पहुंचे थे। जहां जेल में बंद अशोक महतो तथा अक्षत सिंह को फल व मिठाई देने के बहाने जेल पर चढ़ाई कर दिया था। जेल में बंद अशोक महतो व अक्षत सिंह ने कक्षपाल शशि भूषण शर्मा की राइफल छीन कर उसे गोली मार दी थी। जिससे उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गयी थी। जबकि कक्षपाल ललन प्रसाद अपराधियों की गोली से जख्मी हो गये थे। इस दौरान जेल में बंद अशोक महतो, अक्षत सिंह, रुपेश कुमार, पिंटू महतो, ब्रजेश सिंह, डब्लू गुप्ता, रणजीत ठाकुर तथा दिलीप राम फरार हो गये थे। जेल से फरार हुए इन अपराधियों को पकड़ने के लिए पीछा कर रही पुलिस ने मुठभेड़ में अक्षत सिंह, ब्रजेश सिंह व रुपेश कुमार को मार गिराया था। जख्मी कक्षपाल ललन प्रसाद के बयान पर नगर थाना में कांड सं. 298/01 दर्ज किया गया था। अपर लोक अभियोजक राकेश कुमार द्वारा अदालत में पेश किये गये गवाहों के बयान के अवलोकन के बाद द्वितीय तदर्थ अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विक्रम सिंह ने पिंटू महतो को दोषी करार देते हुए भादवि की धारा 302/149 में आजीवन कारावास व 5 हजार रुपये अर्थदंड, धारा 307 के तहत 10 वर्ष, धारा 148 के तहत 3 वर्ष तथा धारा 120 बी के तहत 2 वर्ष की कारावास की सजा सुनायी थी।●

● **मिथिलेश कुमार**

वैदिक साहित्य में सूर्य सर्वाधिक प्रत्यक्ष देव हैं, अतः उनका प्राकृतिक व्यक्तित्व स्पष्ट निर्दिष्ट और तेजस्वी का है। सूर्य दीर्घदर्शी हैं, दिव्य प्रकाश हैं। अंधकार को दूर भगाने की शक्ति के कारण भूत चुड़ैल उनसे दूर भागते हैं। सूर्यदेव भौतिक सूर्य के प्रतिनिधि हैं तो सविता उनकी प्रेरक शक्ति हैं, सविता स्वर्णिम हैं, नेत्र, हाथ, जिह्वा और भुजाएँ सभी स्वर्णिम हैं। सविता भगवान सूर्य का ही एक नाम है। संस्कृत साहित्य एवं पुराणों में सूर्य का 109 नाम गिनाया गया है। यथा, आदित्य, सविता नाम से अधिक छठ के गीत गाये जाते हैं। सविता नाम सूर्य की एक विशेष अवस्था का नाम है, वह अवस्था प्रारंभिक या उदीयमान या उदयकालीन की है यह रूप मनोहर, आकर्षक एवं दर्शनीय होता है। इस उदयकालीन अवस्था में सविता सूर्य का रूप देखते ही बनता है, सविता की यह स्थिति लगभग

आधे घंटे तक रहती है। व्रतधारी सविता की अर्चना और वंदना करते हैं। वैदिक साहित्य के अनुसार सविता के इस मनभावन रूप के दर्शन स्वप्रकाश, रोग मुक्ति के साथ-साथ पुष्टि कारक और स्वास्थ्य वर्द्धक है। खगोलविदों के अनुसार सूर्य हमसे 15 करोड़ किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इसका व्यास 13 लाख 12 हजार किलोमीटर और इसका कुल भार पृथ्वी से 330000 गुणा है। यदि हमारे सौर मंडल के सभी ग्रहों को जोड़ दिया जाय तो भी सूर्य अधिक एक हजार गुणा अधिक रहेगा, सूर्य अनेक गैसों का भंडार है और उसकी आकृति एकदम गोल है। गैसों की परत लगभग 5 से 10 हजार मील तक मोटी है उसके नीचे की परत के बारे में अनुमान है कि काफी ठोस होगी, सूर्य गैसों का भंडार निरंतर जलता रहता है। सूर्य की ज्वाला की लपटें लाखों मील तक फैली रहती हैं। सूर्य प्रतिक्षण अपनी 56 करोड़ 40 लाख टन हाइड्रोजन को जलाकर 56 करोड़ टन हीलियम में परिवर्तित करता रहता है और शेष 40 लाख टन हाईड्रोजन नष्ट हो जाती है। अनुमानतः यह प्रक्रिया पिछले पाँच अरब वर्षों से चल रही है। वैज्ञानिकों के अनुसार हाईड्रोजन के नष्ट होने और अपनी शक्ति को वितरित करने की अगर गति अगले 950 अरब वर्षों तक और चलती रहे तो सूर्य अपनी शक्ति का एक प्रतिशत से भी कम भाग व्यय कर पायेगा। इस वितरण से सूर्य की प्रचंड उर्जा का सहज अनुमान लगाया जा सकता है अगर हमारी पृथ्वी कभी सूर्य की चपेट में आ जाय तो यह उसी प्रकार से जलकर नष्ट हो जायेगी, जैसे किसी धधकती हुई भट्ठी में घी की एक बूंद प्राचीन काल से मगधवासी सविता, छठी मैया के नाम से सुंदर शरीर की कामना के साथ चौत और कार्तिक महीने में सूर्य के 6 शक्ति जिसके कारण साल में 6 ऋतुएँ होती हैं, की पूजा घी, दीप और अन्न के प्रसाद, फल-फूल से भरी डाली भगवान को निर्वहित करते हैं। षष्ठी व्रत या छठ पर्व में किसी नदी, तालाब पर आराधना की जाती है। मगध के लोकपर्व का कालान्तर में विकास एवं विस्तार हुआ है। अब वाराणसी से अजगैवीनाथ मंदिर तक गंगा किनारे बिना किसी जाति भेद के और बिना किसी पुरोहित के भक्त सीधे भगवान सूर्य को प्रथम दिन अस्ताचल सूर्य और दूसरे दिन उगते सूर्य के सामने फल-फूल और प्रसाद की डाली निवेदित करते हैं। छठ मैया की आराधना में गाये गये लोकगीत में लोगों की कामना स्पष्ट रूप से सामने आती है, छठ व्रती के साथ औरतें इस प्रकार गाती हैं, 'रुनकी झुनकी बेटी माँगी, वेद पढ़न को दामाद, छठी मैया प्रातः दर्शन दे हो।'

प्रातः दर्शन देने की कामना के साथ ही बेटे के अलावा बेटी छठी मैया से व्रतधारी मांगते हैं। लोकभाषा के रुनकी झुनकी का अर्थ है कभी रूठने वाली और कभी मान जाने वाली बेटी चाहती हैं। लेकिन दामाद हर हालत में पढ़नेवाला ही माँगते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि बिहार, खासकर प्राचीन मगध के नारियों के मन में वेद और वैदिक साहित्य के प्रति गहरा अनुराग कायम है। मगध क्षेत्र के बड़गाँव, देव, उलार औंगारी, पंडारक और बोधगया में प्राचीन सूर्य मंदिर होने का पुरातात्विक साक्ष्य भी है। बड़गाँव प्राचीन नालंदा खंडहर के क्षेत्र के पास अवस्थित है। यहाँ एक प्राचीन सूर्य मंदिर और तालाब है, इस स्थल पर चौत और कार्तिक महीने में प्रत्येक वर्ष दो बार पाँच लाख से दस लाख की संख्या में भक्त पधारते हैं। कहा जाता है कि भगवान श्री कृष्ण के पुत्र शाम्ब ने कुल 6 सूर्य मंदिर का निर्माण

करवाया था, जिसमें मुल्तान का सूर्य मंदिर और एक बड़गाँव का सूर्य मंदिर महत्वपूर्ण है। शाम्ब के सम्बंध में भविष्य पुराण, श्रीमद्भागवत पुराण और ब्रह्माण्ड होने के बाद शाम्ब रचित शाम्ब पुराण में अंकित है।

भविष्य पुराण के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण की एक पत्नी जामवंती का पुत्र शाम्ब रूपवान था शाम्ब को अपने रूप पर गर्व हो गया था और इस दर्प में उसने भगवान नारद का उपहास कर दिया। इस कारण नारद जी कुपित हो गये और उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण से शाम्ब के सम्बंध में शिकायत की कि शाम्ब गोपियों के साथ जल बिहार करता है। नाराज नारद ने शाम्ब को गोपियों के साथ जल बिहार करते एक पर्वत के ऊपर से दिखाया। यह दृष्य देखकर भगवान श्रीकृष्ण ने शाम्ब को शाप दे दिया। शाप के कारण शाम्ब को कुष्ठ रोग हो गया और वे दुखी रहने लगे। एक दिन नारद जी से शाम्ब ने प्रार्थना की तब नारद जी ने खुश होकर शाम्ब को मैत्रयवन में बारह वर्षों तक सूर्य आराधना करने का निर्देश दिया। सूर्य की आराधना से शाम्ब रूपवान, गुणवान एवं सूर्य के उपासक हो गये। बिहार प्रदेश के. औरंगाबाद जिला मुख्यालय से 16 किलोमीटर पर देव नामक प्रसिद्ध हिन्दू तीर्थस्थल है। देव का प्रसिद्ध सूर्य मंदिर एवं पास का सूर्य कुण्ड आस्था का केन्द्र है। मान्यता है कि सातवीं शताब्दी में मगध हर्षवर्धन के अधीन हो गया, उसी काल खंड में इस मंदिर का निर्माण हुआ है। हर्षवर्धन के राज्यादेश में सूर्य, शिव और बुद्ध को समान स्तर का देवता मानकर मंदिर और मूर्ति बनाए गये थे। देव का सूर्य मंदिर स्थापत्य कला का एक विलक्षण नमूना है, बिना किसी जुड़ाई के मानों पत्थरों पर पत्थर सीधे उठाकर रख दिये हों। निर्माण से जुड़े कई विचार हैं लेकिन मान्यता है कि यह मंदिर देव के एक ब्रह्मर्षि राजा के द्वारा निर्मित है। कार्तिक महीने में चार दिनों के छठ मेला में लाखों की संख्या में भक्त पधारते हैं।

मगध सम्राट राजा जरासंघ भी वैदिक

धर्म मानते थे। महाभारत में लिखा है कि जिस दिन भगवान श्री कृष्ण मगध के राजनगर राजगृह भीम, अर्जुन के साथ पधारे राजा जरासंघ वैदिक रीति से प्रजा के सुख समृद्धि के लिए उपवास में थे। कहा जाता है कि राजा जरासंघ के किसी पूर्वज को कुष्ठ रोग हो गया था। इस रोग से मुक्ति का नियम शाकद्वीपीय ब्राह्मण मगध क्षेत्र में वैध के रूप में प्रतिष्ठित हुए और अपने प्रभाव से रोगियों, विशेषकर कुष्ठ रोगियों को सूर्योपासना और उन्मादक पदार्थों का वर्जन बताया। सूर्योपासना से कठिन से कठिन रोगों की मुक्ति होते देख अन्य नागरिकों के बीच यह पर्व महत्वपूर्ण हो गया। आज भी कुष्ठ रोग से मुक्ति एवं कंचन शरीर के लिए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है तथा उनकी महिमा में कंचन काया की मांग की जाती है। सूर्य की मूर्ति का पूजन और तदनुसार सूर्य मंदिरों के निर्माण की परंपरा शनैः शनैः आगे बढ़ी। कुषाण काल में सूर्य पूजा की परंपरा काफी अधिक विकसित हो चुकी थीं। गुप्त सम्राटों के शासन काल में यह परंपरा और आगे बढ़ी। स्कंदगुप्त (455-467 ई.) के शासन काल में बुलंदशहर में एक सूर्य मंदिर भी बनाया गया।

इसके अतिरिक्त गुप्त काल में मंदसौर (मालवा) ग्वालियर, इंदौर तथा आश्रमक (बुन्देलखण्ड) में सूर्य मंदिर भी बनाने का उल्लेख प्राचीन ग्रंथों में मिलता है। उस काल की बनी हुई कुछ मूर्तियाँ भी बंगाल में उपलब्ध हैं। जिनसे पता चलता है कि वहाँ भी कुछ सूर्य मंदिर रहे होंगे। 473 ई० में दशपुर/मालवा में रेशम बनाने वालों के एक संघ ने भी एक सूर्य मंदिर बनवाया था, जिसकी जानकारी दशपुर वर्तमान दशोर में लगे एक शिलालेख से मिलती है। हर्ष के शासनकाल में सूर्य पूजा की परम्परा अपने चरमोत्कर्ष पर थी। उस समय तीन दिन का एक अधिवेशन हुआ था, जिसमें प्रथम दिन महात्मा बुद्ध की मूर्ति प्रतिष्ठित की गयी, दूसरे दिन सूर्य की आराधना की गयी और अंतिम दिन शिव की पूजा की गयी। पुरातात्विक साक्ष्य के आधार पर गया से सात मील दूर पर प्राचीनतम सूर्य मूर्ति अंकित है। उक्त मंदिर एवं दीवार पर अंकित मानव आकृति से सूर्य देव को दो घोड़े के रथ पर सवार दर्शाया गया है। मगध के अन्य स्थानों से प्राप्त सूर्य देव की मूर्तियों में छह और सात घोड़े दर्शाये गये हैं। बोधगया मंदिर की यह मूर्ति आज भी द्रष्टव्य है और विचारणीय है कि शुंगकाल की मूर्ति में मात्र दो घोड़े क्यों ? सिरनामा में प्राप्त सूर्य देव की मूर्ति में मानव आकृति के सूर्यदेव की कलात्मक मूर्ति में छह घोड़े दर्शाये गये हैं। धार्मिक मान्यता है कि सूर्यदेव की छह पत्नियाँ हैं जो छह शक्तियों का संकेत करती हैं। इस कारण ही सूर्य पूजा को षष्ठी व्रत या छठ पूजा कहा जाता है। पुरातात्विक प्रमाण के अनुसार प्राचीनतम सिक्का आहर मुद्रा में सूर्य चक्रमंडल में छह धाराओं को दिखाया गया है। प्रायः प्राचीन सूर्यदेव की मूर्तियों में छह और सात घोड़े होते हैं जो सूर्य के सतरंग किरणों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसे वैज्ञानिकों ने स्वीकारा है। वर्ष में छह ऋतु सूर्य के कारण होते हैं, उसमें कार्तिक और चौत महीने में ऋतु बदलते ही विभिन्न रोगों और बीमारियों का प्रभाव बढ़ जाता

है। मानव सूर्य पूजा करते हैं कि सूर्यदेव मेरी रक्षा करें और शीतलता का त्याग नहीं करें, कार्तिक महीने में ठंड का प्रभाव बढ़ते देख सूर्यदेव ऊर्जा देते रहें। बिहार में खरीफ की खेतों के लिए यह महीना निर्णायक होता है वहीं रबी की खेती एवं साग सब्जी के लिए यह महीना महत्वपूर्ण माना जाता है।

सातवीं शताब्दी में जब हर्षवर्धन मगध के शासक हुए तो एक नया पूजा विधान कायम हुआ और प्रत्येक मंदिर में सूर्य, शिव और बुद्ध की मूर्ति स्थापित की गयी। देव बड़गाँव में प्राचीन सूर्य मंदिर का निर्माण पूर्ण कलात्मक है और कोणार्क के सूर्य मंदिर के स्थापत्य से मेल खाता है। वर्तमान सूर्य मंदिरों में कोणार्क (उड़ीसा) का सूर्य मंदिर अपना विशिष्ट स्थान रखता है। अन्य मंदिरों के समान यह मंदिर भी अनेक बार तोड़-फोड़ का शिकार हुआ है। इस मंदिर के वर्तमान स्वरूप का निर्माण सम्राट नरसिंह देव प्रथम (1238-1267 ई०) के शासनकाल में हुआ था। जगन्नाथपुरी से बीस मील उत्तर पूर्व समुद्र तट के समीप स्थित यह मंदिर कलिंग स्थापत्य शैली का बेजोड़ नमूना है। शाम्ब ने इस मंदिर में कोणादित्य के नाम से सूर्य प्रतिमा स्थापित की थी और इसी नाम कोणादित्य से यह मंदिर पुराणों में चर्चित रहा। सम्राट नरसिंहदेव ने इसे नया स्वरूप प्रदान किया। यह मंदिर भारत के प्राचीनतम सूर्य मंदिरों में एक माना गया है। मान्यता है कि इस मंदिर का शिल्पी दैविक शक्ति से युक्त था। मंदिर का निर्माण पूरा कराने के उपरांत वह निकट के समुद्र बंगाल की खाड़ी पर पैदल चलता हुआ आगे

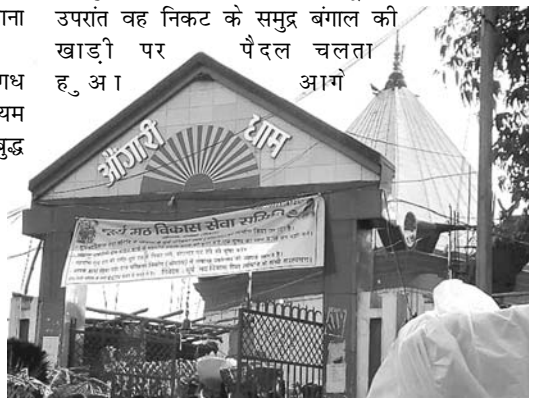


बढ़ गया और कुछ ही देर में आँखों से ओझल हो गया। कोणार्क का यह मंदिर 864 फुट लंबे तथा 540 फुट चौड़े आँगन में बना हुआ है। इस रथ में दस-दस फुट ऊँचे बारह पहिए हैं तथा सात घोड़े तेजी से खींचते हुए दिखलाए गये हैं।

छठ पर्व का प्रारम्भ पुरानी संयत से होता है। इस दिन पर्व करने वाले छठ पर्व का नियम पालन करने का व्रत लेते हैं। व्रतधारी पवित्र ढंग से स्नान करके पवित्र ढंग से भोजन बनाते हैं, जिसमें कद्दू की सब्जी होना जरूरी माना जाता है। इस कारण सस्ता त्रिकनेवाला कद्दू इस दिन महंगा हो जाता है। पुरानी संयत के अगले दिन नवहंडा होता है जिसमें नया बर्तन, नया चूल्हा और पर्व के निमित्त तैयार किया गया जलावन का उपयोग होता है। इस दिन राजगृह के पूरब और उत्तर के क्षेत्र में अरवा चावल का भात और पश्चिम दक्षिण क्षेत्र में रसिया से प्रसाद बनता है। पूरी निष्ठा और पवित्रता का पालन करते हुए सभी प्रसाद पाते हैं। शाम में यह आयोजन होता है। छठी मैया सविता के गीत से वातावरण शुद्ध हो जाता है। प्रथम आराधना (अराग) अस्ताचल सूर्यदेव की छठव्रती करते हैं। छठ के गीत गाते नदी, तालाब या जल उपलब्ध स्थान पर सपरिवार उपस्थित होकर फल-फूल, पकवान एवं दूध निवेदित करते हैं। सुबह उदीयमान सूर्य को अरग निवेदित के साथ चार दिवसीय छठव्रत समाप्त होता है।●

**(लेखक एवं साहित्यकार :- राम रतन सिंह रत्नाकर)**

# जिलाधिकारी की अध्यक्षता में विशाल जन समूह में हुआ जन संवाद कार्यक्रम

● **मिथिलेश कुमार**

काशीचक प्रखंड के बेलड़ पंचायत/गॉव में आयोजित जन संवाद में दीप प्रज्ज्वलित और बालिकाओं के द्वारा स्वागत गीत से हुआ कार्यक्रम का शुभारम्भ। स्थानीय जन प्रतिनिधियों के द्वारा बुके और सॉल देकर जिलाधिकारी, उप विकास आयुक्त के साथ उपस्थित अधिकारियों को सम्मानित किये। जिलाधिकारी नवादा ने आज काशीचक प्रखंड के दुर्गा स्थान बेलड़ में कहा कि विभागीय अधिकारी जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी से अवगत करायेंगे। अधिकारियों के द्वारा अद्यतन योजनओं की जानकारी दी जायेगी और योजनाओं को बेहतर ढ़ंग से क्रियान्वयन करने के संबंध में सुझाव भी दिया जायेगा।

जिलाधिकारी ने कहा कि विभागों में नई-नई योजनाएं आती है, वहीं योजनाओं के स्वरूप में भी परिवर्तन होता है। जन संवाद के माध्यम से आम जनों से मिलने का सुगम माध्यम है। जन संवाद कार्यक्रम के दौरान जिला प्रशासन द्वारा सभी विभागों का काउन्टर लगाया गया, जिसके माध्यम से सभी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई एवं लोगों से आवेदन प्राप्त किए गए। जन संवाद के तहत जिला स्तरीय पदाधिकारियों ने अपने विभाग के द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं के बारे में स्थानीय नागरिकों और जन प्रतिनिधियों को अवगत कराए। विकास एक सतत् प्रक्रिया है। नये-नये योजनाओं की जानकारी दी जायेगी। जिसका लाभ आप लोग सुगमता से ले सकेंगे। आपके द्वारा दिये गए आवेदनों का भी संग्रह किया जायेगा जिसको एक

पक्ष के अन्दर सामाधान किया जायेगा। श्री दीपक कुमार मिश्रा उप विकास आयुक्त नवादा ने कहा कि मतदाता सूची का पंजीकरण किया जा रहा है। इसके तहत मतदाता सूची में अपना और अपने परिवार के सदस्यों के नाम की जॉच अवश्य कर लें। 25 और 26 नवम्बर 2023 शनिवार और रविवार को विशेष अभियान चलाया जायेगा। जिसके तहत सभी बीएलओ अपने-अपने मतदान केन्द्रों पर उपस्थित रहेंगे और मतदाता सूची में नाम दर्ज करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करेंगे। वोटर हेल्प लाईन का नम्बर 1950 है। मतदाता सूची में नाम दर्ज करने के लिए दो स्टॉल लगा हुआ है, जहां से प्रपत्र '6' लेकर मतदाता सूची में नाम दर्ज किया जा सकता है। 09 दिसम्बर 2023 तक मिशन मोड में इसके लिए कार्य चल रहा है। इसके अलावे मनरेगा, मुख्यमंत्री आवास योजना, सीएम वास स्थल क्रय योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दिये। लोहिया स्वच्छ अभियान के तहत घर-घर से कूड़ा कचरा को उठाया जा रहा है। जिसमें प्रतिदिन एक-एक रूपये शुल्क देना होता है। इससे गॉव स्वच्छ और सुन्दर लगेगा। इसके अलावे प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना और जल जीवन हरियाली अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी दिए।

श्रीराम कुमार प्रसाद सिविल सर्जन ने आज डेंगू के कारण और निदान के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि घर के आस-पास स्वच्छ पानी को जमने नहीं दें और पूरे शरीर को ढ़कने वाले कपड़े पहने। डेंगू का लक्षण होने पर नि:शुल्क जॉच करायें और नि:शुल्क दवा भी सरकारी हॉस्पीटल से प्राप्त करें। उन्होंने टीकाकरण, आयुष्मान कार्ड और परिवार नियोजन के बारे में विस्तार से जानकारी दिये। श्री महेश चौधरी एसडीपीओ पकरीबरावां ने कहा कि अपनी समस्याओं को थाना में शिकायत के लिए आवेदन दें। कार्रवाई जरूर होगी और आवेदन का पावती भी नि:शुल्क मिलेगा। पुलिस के 112 नम्बर पर डायल कर आवश्यक सहायता ली जा सकती है। सात से आठ मिनट में गाड़ी आपके पास पहुंच जायेगी और समस्याओं का सामाधान होगा। लोगों में भ्रांति है कि महिला से संबंधित समस्याओं की सुनवाई केवल महिला थाना नवादा में होती है। लेकिन ऐसी बात नहीं है। इसके लिए सभी थाना में महिला हेल्प डेस्क बनाया गया है। समस्याओं का समाधान के लिए ऑनलाईन आवेदन भी किये जा सकते हैं। डीएसपी श्रीमती प्रिया ने साईबर क्राईम से बचने के लिए जन संवाद में उपस्थित नागरिकों, जनप्रतिनिधियों आदि को महत्वपूर्ण जानकारी दिये। उन्होंने कहा कि आधार नम्बर किसी के साथ शेयर नहीं करें। आधार नम्बर को बायोमेट्रिक लॉक किया जा सकता है। अपना एटीएम का पीन कोड किसी को शेयर नहीं करें। किसी के बहकावे में या

लोभ में नहीं फंसे। डरना नहीं है, बुद्धि और विवेक से काम लें। ऑनलाईन अपना जानकारी किसी को शेयर नहीं करें। जिला पशुपालन पदाधिकारी श्री दीपक कुमार ने भेंड़, बकरीपालन, मुर्गी, पशुपालन के संबंध में विस्तार से जानकारी दिये। उन्होंने पशुओं के बीमा के बारे में भी बताया। सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा अर्पणा झा ने कहा कि छ: प्रकार का पेंशन संचालित है जो तीन केन्द्र सरकार का है और तीन राज्य सरकार का है। पेंशन से संबंधित योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दीये। उन्होंने कहा कि लागातार पेंशन प्राप्त करने के लिए साल में एक बार अपना जीवन प्रमाणीकरण अवष्य करायें। यह कार्य ब्लॉक में नि:शुल्क किया जाता है। आधार कार्ड और वोटर कार्ड में उम्र में अंतर नहीं होना चाहिए। श्रीराम कुमार प्रसाद सिविल सर्जन नवादा, जिला पशुपालन पदाधिकारी श्री दीपक कुमार, श्री सुधीर तिवारी जिला उद्यान पदाधिकारी आदि ने अपने अपने विभागों से संबंधित जानकारी लोगों के बीच दी। सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग के कलाकारों के द्वारा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को गीत-संगीत और नाटक के माध्यम से मरूई पंचायत सरकार भवन में प्रदर्षन किया गया। स्थानीय लोगों ने बड़े ध्यान से योजनाओं को सुना, समझा और लाभ प्राप्त करने की ओर अग्रसर हुए। जिला सूचना जन सम्पर्क पदाधिकारी के द्वारा विभिन्न योजनाओं को स्टैटिंग फ्रेम के माध्यम से काफी आकर्षक ढ़ंग से प्रदर्शित किया गया। जिलाधिकारी के द्वारा नवादा जिला पर तैयार किया गया डोकुमेंट्री फिल्म का भी दोनों जन संवाद कार्यक्रम में उसका विडिया दिखाया गया। मतदाता सूची में नाम दर्ज करने का भी निर्वाचन आयोग का ऑडियो सुनाया गया। जीविका दीदीओं ने आज अपने कार्य कलाप के बारे में सुनाया गया। वारिसलीगंज के ठेरा में आयोजित पंचायत सरकार भवन में मुखिया गौतम सिंह की अध्यक्षता में जन संवाद कार्यक्रम में जीविका दीदीयों को 12 लाख 87 हजार रूपये का चेक उप विकास आयुक्त और अन्य पदाधिकारियों के द्वारा प्रदान किया गया। उप विकास आयुक्त ने कहा कि मतदता सूची का संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम चल रहा है जो 09 दिसम्बर तक चलेगा। 01 जनवरी 2024 को 18 साल पूर्ण करने वाले युवा और युवती अपना नाम मतदाता सूची में अवष्य जोड़वा लें।

जन संवाद कार्यक्रम में मंच का संचालन काशीचक प्रखंड के बेलड़ और वारिसलीगंज प्रखंड के ठेरा गॉव में आयोजित अनुमंडल पदाधिकारी अखिलेश कुमार ने किया। आज जन संवाद कार्यक्रम में जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी सत्येन्द्र प्रसाद, कार्यपालक अभियंता विद्युत, पीएचईडी, श्री मनोज गिरि डीपीएम जीविका एवं संबंधित प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी के साथ-साथ स्थानीय नागरिक, जन प्रतिनिधि एवं मीडिया के प्रतिनिधि आदि सम्मिलित थे।●

# हाइवे बना मुसिबत, एमपी-एमएलए के पास भी हल नहीं

● धर्मेन्द्र सिंह

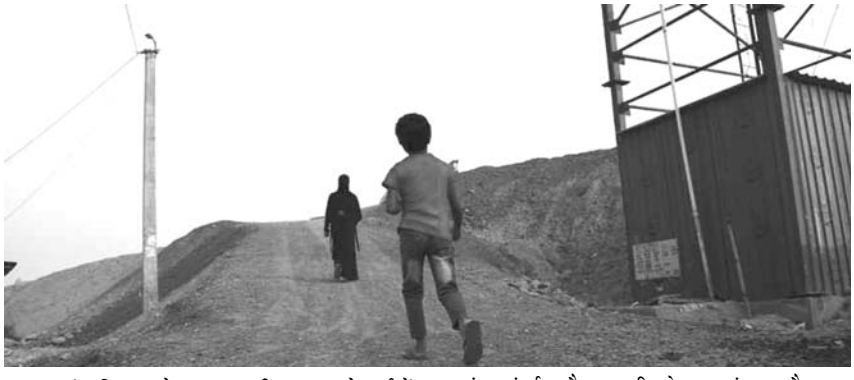

किशनगंज के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत पौआखाली नगर पंचायत के मीरभिट्टा गांव के वार्ड संख्या 1 और 2 का रास्ता फ्लाईओवर बनने से बंद हो गया है। गांव के लोगों को हाईवे पर चढ़ने के लिए ढलान वाले रास्ते का इस्तेमाल करना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि इतने ऊंचे रास्ते से चढ़ने और उतरने में काफी दिक्कतें पेश आती हैं जिसके लिए सर्विस रोड की आवश्यकता है। 9 जनवरी 2022 को बिहार के किशनगंज और अररिया जिले को जोड़ने वाले राष्ट्रीय मार्ग पर एक्सप्रेस वे का निर्माण कार्य शुरू हुआ था। इस निर्माण से किशनगंज जिले के कई गांव के लोग असंतुष्ट हैं। ग्रामीणों की शिकायत है कि एक्सप्रेस वे के निर्माण से उनके आने जाने का रास्ता प्रभावित हुआ है और कुछ जगहों पर दुकानें फ्लाई ओवर के बनने से छुप गई हैं जिसके लिए वे अंडरपास और सर्विस रोड जैसी सुविधा की मांग कर रहे हैं। मीरभिट्टा गांव निवासी जाबिर आलम ने कहा कि यह एक घनी आबादी वाला इलाका है। इस रास्ते से आने जाने में लगातार हादसे का डर रहता है। जब हाईवे बन कर तैयार हो जाएगा तो दुर्घटना के खतरे और बढ़ जाएंगे। पौआखाली नगर पंचायत वार्ड संख्या 2 के वार्ड पार्षद प्रतिनिधि अबुजर गफ्फारी ने बताया कि इस मामले में उन्होंने कुछ दिनों पहले किशनगंज जिला पदाधिकारी तुषार सिंगला से बात की थी। जिला पदाधिकारी ने उन्हें आश्वासन दिया कि वह भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण यानी NHAI के अधिकारी से बात करेंगे। अबुजर ने आगे बताया कि हाईवे के निर्माण के समय गांव वालों से कहा गया था कि वो जैसी चाहेंगे वैसी सड़क बनाकर दे दी जाएगी, लेकिन अब एनएचएआई वाले अपनी बात से पीछे हट गए हैं और अलग से सड़क बनाने के लिए गांव वालों से जमीन की मांग कर रहे हैं। वार्ड संख्या 3 निवासी नूर आलम हाइवे की दूसरी तरफ रहते हैं। उन्होंने बताया कि उस पार भी ग्रामीण इसी परेशानी से दो चार हैं। सर्विस रोड की मांग को लेकर ग्रामीणों ने प्रदर्शन भी किया, लेकिन अब तक आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला। वहीं, पौआखाली नगर पंचायत के उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि अबू नसर आलम ने कहा कि इस समस्या को लेकर जिला पदाधिकारी, विधायक और सांसद को लिखित आवेदन दिया गया था, जिसके बाद जिला पदाधिकारी पिछले दिनों उनके इलाके में आकर मामले का जायजा लिया था। एक्सप्रेस-वे के निर्माण से किशनगंज के कोचाधामन प्रखंड स्थित चोपड़ा बखाड़ी बाजार के दर्जनों दुकानदार प्रभावित हैं। हाईवे ऊंचा होने के कारण मुख्य सड़क के मुकाबले बाजार काफी नीचे हो गया है जिससे कई दुकानें छिप गयी हैं। स्थानीय लोग अंडरपास की मांग कर रहे हैं जिसके लिए उन्होंने पिछले दिनों प्रदर्शन भी किया था। इसके बाद किशनगंज सांसद डॉक्टर मोहम्मद जावेद ने समस्या का निवारण करने का आश्वासन दिया था। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि फ्लाईओवर बनने से दुकानें मुख्य सड़क से अलग हो गई हैं जिससे आमदनी में भारी गिरावट आई है और साथ साथ एक ओर से दूसरी और जाने में बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अरुण कुमार बोसाक चौक पर मिठाई और चाय की दुकान चलाते हैं। हाईवे के निर्माण से उनकी दुकानदारी में कमी आई है। अरुण ने कहा कि अंडरपास की मांग को लेकर लोगों ने काफी आवाज उठाई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। अरुण की तरह कई दुकानदार इसी समस्या से जूझ रहे हैं। चाय नाश्ते की दुकान चला रहे सदानंद मंडल दिन का एक बड़ा हिस्सा ग्राहकों की प्रतीक्षा में गुजरता हैं। उन्होंने कहा कि सड़क से काफी नीचे हो जाने के कारण दुकान पर अब कोई नहीं आता। धुल मिट्टी बढ़ने से दुकान पर खाने की चीजों की बिक्री बहुत कम हो गई है। चोपड़ा बखाड़ी चौक से उत्तर की ओर एक किलोमटेर की दूरी पर चोपड़ा बखाड़ी उत्क्रमित मध्य विद्यालय है। स्थानीय शकील अहमद ने बताया कि फ्लाईओवर बनने से चौक से दक्षिण ओर के बच्चे स्कूल आने से डरते हैं। इन दोनों बस्तियों में यही एकमात्र स्कूल है। अगर यहां अंडरपास नहीं बना तो दर्जनों बच्चे शिक्षा से वंचित रह जाएंगे। स्थानीय दुकानदार राजा कहते हैं कि करीब 50 से 60 बच्चे ऐसे हैं जो स्कूल नहीं जा पा रहे हैं जब हाईवे पूरी तरह से संचालित हो जाएगा तो स्कूल जाने वाले बच्चों में और कमी आएगी। प्रशासन और जन प्रतिनिधि को लिखित शिकायत भी दी गई लेकिन अब तक कोई कदम नहीं उठाया गया। किशनगंज के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत पौआखाली के डाकबंगला चौक पर भी फलाईओवर बनने से दुकानदारों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। असगर अली ने बताया कि वह इस बाजार में पिछले 15 सालों से पोल्ट्री की छोटी सी दुकान चला रहे हैं। कुछ महीनों पहले उनकी दुकान को हटाकर पीछे किया गया। अब वह किसी की निजी जमीन पर दुकान लगाते हैं जिसके लिए वह 500 रुपये महीना देते हैं। पौआखाली नगर पंचायत के उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि अबू नसर आलम ने बताया कि अंडरपास, बाजार जाने वाली सड़क में न देकर आगे दिया गया है जिस कारण लोगों को इस पार से उस पार जाने के लिए आगे से घूम कर जाना होगा और बाजार के दुकानदारों की बिक्री पर भी इसका बुरा असर पड़ेगा। निर्माण करने वाली कंपनी से जन प्रतिनिधि तक सबको कहा गया, लेकिन इसपर कोई सुनवाई नहीं हुई। किशनगंज-अररिया मुख्य मार्ग पर एक्सप्रेस वे के निर्माण को लेकर ग्रामीणों की समस्या पर हमने एनएचआईए अधिकारी से बात की। उन्होंने कहा कि पौआखाली नगर पंचायत के वार्ड संख्या 1 और 2 में सर्विस रोड की जो मांग है उसके लिए अतिक्रमण हटाने के लिए कहा गया है। इसके लिए जी.आर के प्रोजेक्ट मैनेजर से बात हुई है। जैसे ही अतिक्रमित जगह खाली की जाएगी, तो काम शुरू कर दिया जाएगा। पौआखालीखडाकबंगला चौक पर अंडरपास की मांग पर उन्होंने कहा कि अंडरपास के लिए काफी खर्च आता है, इसलिए मंत्रालय जिस जगह पर अंडरपास बनाने का आदेश देता है उसे बदला नहीं जा सकता। इसके लिए उन्होंने किशनगंज सांसद से कहा था कि वह अपनी ओर से सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय को चिट्ठी लिखें। वहीं, कोचाधामन के चोपड़ा बखाड़ी-माराडांगा चौक पर अंडरपास न होने पर उन्होंने कहा कि उसके पास या थोड़ी दूरी पर एक अंडरपास जरूर दिया गया होगा जिसे सर्विस रोड से जोड़ा जाएगा। हालांकि हमें चोपड़ा बखाड़ी-माराडांगा चौक के करीब कोई अंडरपास बनता नहीं दिखा।●

# जरूरतमंदो को ससमय रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित कराने को रक्तदान जरूरी : डॉ. देवेन्द्र

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिले के सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में रेडक्रॉस सोसाइटी एवं जिला कांग्रेस कार्यालय के द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर संयुक्त रूप से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें कांग्रेस कार्यकर्ताओं के द्वारा रक्तदान किया गया। रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव डा० देवेन्द्र कुमार ने उक्त कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जिलाधिकारी तुषार सिंगला के दिशा-निर्देश के आलोक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। जिसमे सर्वप्रथम स्वयं रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव डा० देवेन्द्र कुमार एवं किशनगंज ग्रामीण के प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक अजय साहा के द्वारा रक्तदान किया गया। रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव डा० देवेन्द्र कुमार ने बताया की स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कांग्रेस कार्यकर्ताओ के द्वारा एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। गौरतलब है कि इन दिनों स्वैच्छिक रूप से रक्तदान करने वालों की संख्या में कमी आयी है। इससे ब्लडबैंक में विभिन्न समूहों के रक्त की उपलब्धता भी प्रभावित हुई है। वहीं रक्तदान शिविर का मुख्य उद्देश्य सुरक्षित रक्त उत्पादों की आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढ़ाना और रक्तदाताओं के सुरक्षित

जीवनरक्षक रक्त के दान करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करते हुए आभार व्यक्त करना है। वर्ष 2023 के माह जनवरी से अब तक कुल 3747 लोगों ने ब्लड बैंक में रक्तदान किया है।वहीं वर्ष 2023 के जनवरी से मई तक कुल 165 थैलेसीमिया रोगियों को मुफ्त रक्त उपलब्ध करवायी गयी है। पुरुष हर तीन महीने और महिला हर चार महीने के अंतराल पर दोबारा रक्तदान कर सकती हैं। उन्होंने बताया कि रक्तदान करने से शरीर पर कोई प्रतिकूल असर नहीं पड़ता है। बल्कि फायदा ही होता है। एक यूनिट रक्तदान में 350 मिलीग्राम रक्त लिया जाता है। रक्तदान के बाद हुई खून की कमी 21 दिनों में पूरी हो जाती है। एक यूनिट खून से एक यूनिट प्लाज्मा, एक यूनिट प्लेटलेट्स, एक यूनिट आरबीसी और एक यूनिट क्रायो मिलता है। इनसे अलग-अलग चार लोगों का जीवन बचाया जा सकता है।18 वर्ष से ऊपर के पुरुष हर तीन महीने और महिला हर चार महीने के अंतराल पर दोबारा रक्तदान कर सकती हैं। रक्तदान के लिए शरीर का न्यूनतम वजन 45 किलो होना चाहिए। रक्तदान पूर्व की जांच से शरीर की स्थिति का पता चलता है। रक्तदान करने से कैंसर का खतरा कम, हार्ट को हेल्दी रखता है, वजन कंट्रोल, रेड सेल्स प्रोडक्शन एवं सेहत अच्छी रहती है। सदर अस्पताल परिसर में संचालित ब्लड बैंक का संचालन आम जिलावासियों के लिये लाभकारी साबित हो रहा है। दुर्घटना के गंभीर मामले, जटिल प्रसव, ऑपरेशन सहित अन्य मामलों में समय पर रक्त उपलब्ध होने से मरीजों की जान बचाना संभव हो सका है। खासकर थैलेसीमिया के मरीज जिनके शरीर में खून नहीं बनते, उनके लिये जिले में ब्लड बैंक की स्थापना एक वरदान साबित हुई है। नोडल पदाधिकारी सह सदर अस्पताल उपाधीक्षक डा० अनवर आलम ने बताया कि जिले में फिलहाल थैलेसीमिया पीड़ित रोगियों की संख्या 56 है। इसमें कई मरीज ऐसे हैं जिन्हें महीने में दो से तीन बार ब्लड चढ़ाना होता। इन्ही में से एक है 11 वर्षीय आलिया सदा जो कि किशनगंज प्रखंड के देसिया टोली निवासी है जो पिछले 2 वर्ष से थैलेसीमिया रोग से पीड़ित है। अब उन्हें प्रति एक माह में अपने लिए रक्त की आवश्यकता होती। पिछले सप्ताह भी रक्त चढ़ा है। इसके लिए उन्होंने अस्पताल प्रशासन के साथ रक्तदाताओं का भी धन्यवाद कहा है। वे बताती हैं कि सदर अस्पताल में संचालित ब्लड बैंक मुझ जैसे थैलेसीमिया रोगियों के परिजनों के लिये सुविधाजनक साबित हो रहा है। उन्हें रक्त के लिये कहीं अन्यत्र भटकना नहीं पड़ता। ब्लड बैंक के माध्यम से प्राथमिकता के आधार पर रोगियों को निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराया जाता है। मैं सभी रक्तदाताओ को दिल से धन्वायद देती हूँ।●

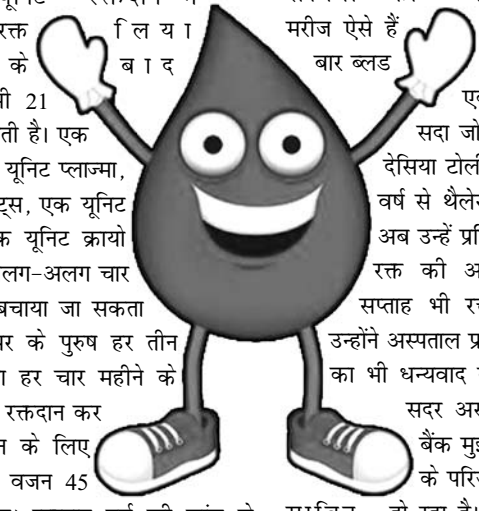

**-: रक्तदाता इन बातों का रखें ख्याल :-**

☞ 18 साल से 65 साल के लोग रक्तदान कर सकते हैं।

☞ 45 किलोग्राम वजन के लोग 350 मिलीलीटर एवं 55 किलोग्राम से ऊपर वजन के लोग 450 मिलीलीटर खून दान कर सकते हैं।

☞ 12.50 ग्राम हीमोग्लोबिन या इससे अधिक होने पर ही रक्तदान संभव है।

☞ एड्स, उच्च रक्तचाप, अत्यधिक मधुमेह एवं थेलेसीमिया जैसे अन्य गंभीर रोगों से ग्रसित लोग रक्तदान नहीं कर सकते हैं।

☞ रक्तदाता का वजन 45 किलोग्राम से कम ना हो।

☞ खून देने से 24 घंटे पहले से ही शराब, धूम्रपान और तम्बाकू का सेवन ना करें।

# प्रमंडलीय आयुक्त ने मतदाता जागरूकता रथ को किया रवाना

● धर्मेन्द्र सिंह

निर्वाचक सूची प्रेक्षक-सह-प्रमंडलीय आयुक्त, पूर्णिया प्रमंडल, पूर्णिया के द्वारा गुरुवार को समाहरणालय स्थित जिलाधिकारी कार्यालय कक्ष में भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली द्वारा अर्हता तिथि 01.01.2024 के आधार पर फोटो निर्वाचक सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 के आलोक में समीक्षात्मक बैठक सभी इआरओ के साथ किया गया। प्रमंडलीय आयुक्त, मनोज कुमार के द्वारा बैठक में उपस्थित सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को कई महत्त्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए गए। सभी मतदान केंद्र स्तरीय पदाधिकारियों सहित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के स्तर से सभी मतदाताओं की उम्र की जांच करने के साथ-साथ उनका आधार कार्ड से संबंधित जानकारी को मतदाता सूची से सत्यापित करने का भी निर्देश दिया गया। वह मतदाताओं के नाम को विलोपित कराने का कार्य बहुत ही सावधानी से कराएं। विलोपित करने के क्रम में संबंधित मतदाताओं का मृत्यु प्रमाण पत्र की जांच एवं मतदाताओं का भौतिक सत्यापन अवश्य करना सुनिश्चित करें। हर हाल में सुनिश्चित करें कि मृत मतदाता का नाम सूची में न रहे। प्रमंडलीय आयुक्त मनोज कुमार ने मतदाता जागरूकता रथ को समाहरणालय से हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। यह रथ सभी प्रखंडों में भ्रमण कर मतदाताओं में जागरूकता लाएगी। नए मतदाताओं को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। मौके पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी तुषार सिंगला, सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों मौजूद थे। तत्पश्चात बैठक कर आयुक्त ने कहा कि किसी भी योग्य मतदाता का नाम छूटना नहीं चाहिए, सभी बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन जरूर कराएं ताकि त्रुटि रहित मतदाता सूची जारी की जा सके। स्वीप कार्यक्रम को लगातार जारी रखने का निर्देश दिए गए। 10 नवंबर को जागरूकता रैली निकाली जाएगी, ताकि मतदाता सूची पुनरीक्षण को गति प्रदान हो सके। आयुक्त ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया पर सतत् प्रशिक्षण एवं प्रचार-प्रसार कराना आवश्यक है।स्वीप के माध्यम से युवा मतदाताओं को पंजीकरण कराने के लिए कॉलेज स्तर पर कैम्पस एम्बेसडर की नियुक्ति और क्लब का गठन कर युवा मतदाताओं की भागीदारी बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि स्वीप का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची में पंजीकरण बढ़ाकर मतदान प्रक्रिया में भागीदारी सुनिश्चित कराना, नैतिक एवं गुणवत्तापूर्ण मतदाता सहभागिता सुनिश्चित कराना। युवा मतदाता विशेषकर 18-19 वर्ष को सुनिश्चित कराना है। निर्वाचन प्रक्रिया को व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए होर्डिंग, बैनर, पोस्टर, प्रचार रथ, नुक्कड़ नाटक आदि किये जायेंगे। गौरतलब हो कि व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए समाहरणालय परिसर में सेल्फी प्वाइंट का निर्माण किया गया है। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी तुषार सिंगला, उप विकास आयुक्त स्पर्श गुप्ता, अपर समाहर्त्ता अनुज कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी लतीफुर रहमान, डीसीएलआर शिव शंकर पासवान, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रवीण जहां उपस्थित रहे। ●

# युवक की हत्या मामले में तीन गिरफ्तार

22 अक्टूबर को कोचाधामन थाना क्षेत्र के भगाल पंचायत में युवक बरसातु कर्मकार की हत्या मामले का उदभेदन एसपी डा० इनाम उल हक मेगनु द्वारा गठित टीम ने कर लिया है। पुलिस ने घटना में शामिल एक महिला सहित तीन आरोपियों को शनिवार को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में चांदनी बेगम पति इशाक आलम, फरजाना परवीन व मुदस्सिर आलम कोचाधामन के भगाल का रहने वाला है। किशनगंज पुलिस के द्वारा मंगलवार की शाम प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी गई। जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि 22 अक्टूबर को भगाल के बरसातु कर्मकार का शव बांस झाड़ में मिला था। मामले में मृतक के पिता गुलाब चन्द्र कर्मकार के बयान पर कोचाधामन थाने में मामला दर्ज किया गया था। अनुसंधान के क्रम में पता चला कि दो वर्ष पूर्व से ही गांव की एक शादी शुदा महिला के साथ प्रेम-प्रसंग की बात सामने आयी। इस बात को लेकर डेढ़ माह पूर्व चांदनी बेगम के पति इशाक आलम ने बरसातु कर्मकार की हत्या की योजना बनायी थी। 21 अक्टूबर को इशाक आलम ने हत्या की योजना बनायी। योजना के अनुसार चांदनी बेगम बरसातु कर्मकार को फोन कर बांस झाड़ी में मिलने को बुलाया और अन्य एक युवक के साथ मिलकर गला दबाकर हत्या कर दी। आरिज एहकाम, थानाध्यक्ष कोचाधामन, अवर निरीक्षक अंजनी कुमार, प्रशिक्षु अवर निरीक्षक दीपु कुमार, सिपाही अनील कुमार, मोहन कुमार, प्रियंका कुमारी, निरंजय कुमार सरस्वती कुमार, रविरंजन कुमार, चांदनी कुमारी, अमृता कुमारी तकनीकी शाखा के मनीष कुमार, इरफान हुसैन शामिल थे। **रिपोर्ट :- धर्मेन्द्र सिंह**

# वेतन भुगतान को लेकर दिलीप जायसवाल ने सरकार को घेरा

● धर्मेन्द्र सिंह

विधान पार्षद सह सचेतक विरोधी दल डा. दिलीप कुमार जायसवाल ने विधान परिषद में ध्यान आकर्षण प्रस्ताव पेश कर सरकार से त्रिस्तरीय पंचायती राज जनप्रतिनिधियों के बकाया वेतन भत्ता भुगतान और उसमे बढ़ोतरी की मांग की है। डा. जायसवाल ने कहा की राज्य में विगत दो वर्षों से पंचायती राज व्यवस्था के सभी कार्य लगभग ठप पड़े हुए हैं। आए दिन राज्य भर के वार्ड सदस्य, उप मुखिया, मुखिया, पंचायत समिति एवं जिला परिषद् के सदस्यगण जिला मुख्यालय एवं राजधानी पटना के सड़कों पर आंदोलन करने के लिए मजबूर हैं पिछले वित्तीय वर्ष 2022-23 का पंचायती राज के जनप्रतिनिधियों का अभी तक का मानदेय भत्ता की राशि जनप्रतिनिधियों के खाते में नहीं गई है और मंहगाई बढ़ने के बावजूद भी करीब-करीब दस वर्षों से पंचायती राज के प्रतिनिधियों का मानदेय भत्ता में सरकार द्वारा कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। उन्होंने आगे पूछा की ऐसा प्रतीत होता है कि पंचायती राज प्रतिनिधियों के प्रति सरकार उपेक्षापूर्ण नीति अपना रही है। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के सर्वथा प्रतिकूल है। डा. जयसवाल ने आंदोलित जनप्रतिनिधियों की मांग के अनुरूप मानदेय भत्ता में वृद्धि किए जाने तथा बकाया राशि का शीघ्र भुगतान की व्यवस्था किए जाने की मांग की है। जिसके जवाब में विभागीय मंत्री द्वारा यह बताया गया की राज्य के कुल 2,46,868 जनप्रतिनिधियों में से 2,31,993 जनप्रतिनिधियों को दिसम्बर 2022 से मार्च 2023 तथा 2,19,013 जनप्रतिनिधियों के बैंक खाते में अप्रैल से जुलाई 2023 तक का नियत (मासिक)

भत्ता का भुगतान किया जा चुका है। शेष को भुगतान किया जा रहा है। साथ ही विभागीय पत्रांक 7194 दिनांक 28.06.2023 द्वारा सभी जिलों को दिसम्बर 2022 से पूर्व का बकाया नियत (मासिक) भत्ता का भुगतान केन्द्रीकृत रूप से PFMS के माध्यम ही करने हेतु Payment generate किये जाने का निर्देश दिया गया है। अबतक कुल 13,186 जनप्रतिनिधियों के बैंक खातों में पूर्व बकाया नियत (मासिक) भत्ता का भुगतान किया गया। उन्होंने आगे बताया की वर्तमान में विभागीय संकल्प संख्या 2517 दिनांक 05.05.2015 के आलोक में त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं एवं ग्राम कचहरी के निर्वाचित प्रतिनिधियों को नियत (मासिक) भत्ता का भुगतान किया जाता है। नियत (मासिक) भत्ता बढ़ाये जाने से संबंधी कोई प्रस्ताव सरकार के समक्ष विचाराधीन नहीं है।●

## राज्यहित के विषय पर चर्चा की मांग

विधान पार्षद (एमएलसी) सह मुख्य सचेतक प्रतिपक्ष डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कार्य स्थगन प्रस्ताव लाकर राज्य हित के विषय पर चर्चा की मांग की। उन्होंने बिहार विधान परिषद के सभापति को बिहार विधान परिषद की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमावली के नियम 103 के अंतर्गत विचार -विमर्श हेतु कार्य स्थगन की प्रस्ताव भेजा और कहा गया कि 08 नवम्बर 2023 बुधवार को कार्य में अंकित सूचि को स्थगित कराते हुए एक प्रमुख विषय पर ध्यानाकृष्ट किया और विचार-विमर्श के लिए निवेदन किया है। जिसमें प्रमुख विषय में विधान पार्षद डा. जायसवाल ने कहा है कि राज्य में जनता के मतों से चुनकर आए पंचायती राज के जनप्रतिनिधियों के अधिकार में सरकार द्वारा कटौती किया जा रहा है। जिसके कारण पंचायत के वार्ड में कोई भी विकास कार्य नहीं हो पा रहें हैं। वार्ड मेम्बर को कोई भी राशि का आवंटन वार्ड विकास क्रियान्वयन के लिए नहीं किया जा रहा है। जबकि 2017 के सात निश्चय पार्ट-1 में वार्ड मेम्बर को विकाश कार्य हेतु राशि आवंटित किया जाता रहा था। जिसके कारण आज 90 फीसदी जल-नल योजना ठप्प पड़ी है। पी.एच.ई.डी. एवं विभाग के बीच मामला अटका पड़ा है। अनुरक्षक एवं मेंटेनेंस की राशि भी नहीं मिल रहा है। ठीक इसी तरह जिला परिषद, पंचायत के समिति, मुखिया के अधिकार एवं विकाश योजना के क्रियान्वयन में अफसरशाही चरम पर है। पंचायती राज व्यवस्था में जनप्रतिनिधि अपने आप को जनता के बीच असहाय महसूस कर रहें हैं। विधान पार्षद डा. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि विधान परिषद के अंकित कार्य सूची को स्थागित कराते हुए। राज्य हित के उक्त मुख्य विषय पर चर्चा की मांग करता हूं।

# पुल निर्माण की स्वीकृति में अनियमितता

● धर्मेन्द्र सिंह

इन दिनों काम और निर्माण के नाम पर भारी अनियमितता व गड़बड़ी का मामला प्रकाश में आया है। गौरतलब है कि ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल टू के पुल निर्माण के लिए की गई स्वीकृति में भारी अनियमितता और गड़बड़ी का मामला प्रकाश में आया है। मंगलवार को किशनगंज कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सह 20 सूत्री समिति के उपाध्यक्ष सह प्रदेश महासचिव असगर अली उर्फ पीटर ने जिलाधिकारी तुषार सिंगला के समक्ष अपने ही महागठबंधन के शासनकाल में हो रही गड़बड़ी की लिखित शिकायत करते हुए उचित कार्रवाई की मांग किए है। वहीं डीएम ने भी जांच के बाद कार्रवाई करने की बात कही है।●

## खेल प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने दिखाया अपना दमखम

# तीन दिवसीय दक्ष वार्षिक खेल प्रतियोगिता का हुआ भव्य समापन

● धर्मेन्द्र सिंह

वार्षिक खेल कार्यक्रम अंतर्गत तीन दिवसीय जिला स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता 2022-23 का रविवार को खेल भवन, इंडोर स्टेडियम और शहीद अशफाक उल्लाह खां स्टेडियम में प्रतियोगिता आयोजन उपरांत भव्य समापन हुआ। डीएम तुषार सिंगला के निर्देशानुसार जिला स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता में 11 खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें अंडर-14, 17, एवं 19 आयु वर्ग के अलग-अलग बालक और बालिकाओं ने भाग लिया। गौर करे कि कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार एवं बिहार राज्य खेल प्राधिकरण तथा जिला प्रशासन किशनगंज के संयुक्त तत्वावधान में वार्षिक खेल कार्यक्रम अंतर्गत जिला स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता का समापन दिवस में क्रिकेट, बैडमिंटन और शतरंज विधा में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।अंतिम दिन की प्रतियोगिता का शुभारंभ खगड़ा स्टेडियम में बिहार गीत के साथ किया गया। इस अवसर पर उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा, रंजीत कुमार ने कहा

**क्रिकेट प्रतियोगिता में विजेता**

| | | |
|---|---|---|
| अंडर 19 विजेता | : | +2 रसल हाई स्कूल (कप्तान-अनअम हुसैन अंसारी) |
| अंडर 17 विजेता | : | किशनगंज प्रखण्ड की संयुक्त टीम किशनगंज, (कप्तान-इनाम जमील) |

**बैटमिंटन प्रतियोगिता में विजेता**

**बालक**

| | | |
|---|---|---|
| अंडर 14 | : | प्रथम-प्रशांत कुमार यादव |
| अंडर 17 | : | प्रथम-जीशान अहमद |
| अंडर 19 | : | प्रथम-धीरज शाह |

**बालिका**

| | | |
|---|---|---|
| अंडर 14 | : | प्रथम-प्रियंका कुमारी |
| अंडर 17 | : | प्रथम-साक्षी सिन्हा |
| अंडर 19 | : | प्रथम-नरगिस |

**शतरंज प्रतियोगिता में विजेता**

**बालक**

| | | |
|---|---|---|
| अंडर 14 | : | प्रथम-रित्विक मजूमदार |
| अंडर 17 | : | प्रथम-मो० अमानुल्लाह |
| अंडर 19 | : | प्रथम-दिव्यांशु कुमार सिंह |

**बालिका**

| | | |
|---|---|---|
| अंडर 14 | : | प्रथम-पलचीन जैन |
| अंडर 17 | : | प्रथम-तरासा कुमारी |
| अंडर 19 | : | प्रथम-ज्योति कुमारी |

कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है और शरीर को स्वस्थ तथा मजबूत बनाने के लिए खेल अनिवार्य है। अच्छा स्वास्थ्य एवं अच्छी समझ जीवन के दो सर्वोत्तम वरदान हैं। इन दोनों की प्राप्ति के लिए जीवन में खिलाड़ी की भावना से खेल खेलना आवश्यक है। खेलने से शरीर को बल, मांस-पेशियों को उभार, भूख की तीव्रता आलस्यहीनता तथा मलादि का शुद्धता प्राप्त होती है। आज हर व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य की चिंता है। वह चाहता है कि स्वस्थ रहकर जीवन बिताएं। स्वस्थ रहने के लिए व्यायाम, योग संतुलित पोषक-आहार आदि तो महत्वपूर्ण घटक हैं ही इसके अलावा खेल बहुत महत्वपूर्ण है। प्राचीन समय से ही खेलों का जीवन जीने का

आधार माना गया है, इससे हमारे शरीर का विकास तो होता ही है। भारत में सरकार खेल में ख्याति प्राप्त खिलाड़ियों को अनेक पुरस्कारों से सम्मानित करती है। अर्जुन एवं द्रोणाचार्य जैसे पुरस्कार इसी श्रेणी में आते हैं, महिलाओं ने भी इस दिशा में नाम रोशन किया है। खेलों को भारतीय संस्कृति एवं एकता का प्रतीक भी कहा जाता है। इस प्रकार खेल हमारे मार्ग की प्रगति को सुनिश्चित कर एक सफल जीवन बनाने में सहायक है। आजकल स्कूलों, कॉलेजों में खेलों पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। रंजीत कुमार ने केडीसीए और जिला शतरंज संघ को खेल आयोजन में सराहनीय योगदान के लिये धन्यवाद व्यक्त दिया। अंतिम दिन क्रिकेट खेल में ग्राउंड में खिलाड़ियों के शानदार मैच देखने को मिला। क्रिकेट में अच्छी बैटिंग देखा गया। अंतत: फाइनल में बहादुरगंज और किशनगंज के बीच हुए मुकाबले में किशनगंज ने जीत हासिल किया। हालाकि रसल उच्च विद्यालय बहादुरगंज ने भी उम्दा प्रदर्शन किया। वहीं बैडमिंटन और शतरंज खेल विधा में बच्चों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। कई ने गोल्ड मैडल हासिल किया। प्रतियोगिता समाप्ति के तुरंत बाद सभी विजेता और उपविजेता प्रतिभागितो/टीमों को प्रमाण पत्र, ट्रॉफी और मैडल देकर सम्मानित किया। साथ ही, उनके उज्ज्वल भविष्य के लिये शुभकामनाएं दिया गया। राज्य

स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता के लिए अभी से जुट जाने की अपील की गई। वार्षिक खेल प्रतियोगिता का समापन के मौके पर बीडीओ किशनगंज नीरज रंजन उपस्थित रहे और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। खेल भवन में शतरंज प्रतियोगिता आयोजन में जिला शतरंज संघ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इंडोर स्टेडियम में आयोजित बैडमिंटन प्रतियोगिता में वरीय उप समाहर्त्ता रंजीत कुमार और बीडीओ किशनगंज नीरज रंजन ने संयुक्त रूप से पुरस्कार वितरित किया। तीसरे और अंतिम दिन के कार्यक्रम में उपस्थित बच्चे काफी प्रसन्न थे। उनको हाथो हाथ मेडल, ट्रॉफी, प्रमाण पत्र मिल रहा था। कार्यक्रम में केडीसीए के बीर रंजन, राज कुमार डोगरा, गणेश साह, जिला शतरंज संघ के सचिव शंकर नारायण दत्ता, कमल कर्मकार, शारीरिक शिक्षक जमील अख्तर, शिवली घोष, वंदन कुमार, फिजिकल शिक्षक मनीष कुमार और सभी प्रखंड के प्रतिभागी शिक्षक, अभिभावक, दर्शक मौजूद थे।●

# जन संवाद कार्यक्रम में पूर्व विधायक ने की शिरकत

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिले के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत बन्दरझूला पंचायत के भट्टा चौक हाट में जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मौलाना जियाउर रहमान कास्मी ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जदयू जिलाध्यक्ष सह पूर्व विधायक कोचाधामन मुजाहिद आलम, राजद प्रखंड अध्यक्ष सह मुखिया इकरामुल हक, जदयू प्रखंड अध्यक्ष सह मुखिया प्रतिनिधि नजरूल हक पंचायत समिति सदस्य सीमाज, जदयू जिला उपाध्यक्ष डा. नौशाद आलम, अबु तालिब नेनस, जदयू अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ प्रखंड अध्यक्ष जितेंद्र कुमार, सरपंच तैयब आलम, शमशाद आलम युवा जदयू प्रखंड अध्यक्ष, मास्टर अब्दुल मलिक, पूर्व समिति सदस्य असीरो, मिस्टर राही, हाशिम आलम, असलम, हबेबुल, मेमबर शाहनवाज, पूर्व सरपंच मेराज, मास्टर सलाहुद्दीन सहित सैंकड़ों लोग उपस्थित थे। मंच संचालन सलाहुद्दीन ने किया। जदयू जिलाध्यक्ष सह पूर्व विधायक कोचाधामन मुजाहिद आलम ने

अपने संबोधन में बिहार में महागठबंधन सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। पूर्व विधायक मुजाहिद आलम ने कहा कि बिहार पूरे देश में एक ऐसा प्रदेश है जहां 02 नवम्बर 2023 को 120336 शिक्षको की एक साथ नियुक्ति पत्र देने वाला देश का एक मात्र राज्य है। फिर दिसम्बर में 70000 शिक्षकों की बहाली प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। बिहार में दस लाख नौकरी और दस लाख रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। जिस पर सरकार तेजी से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रयास से बिहार देश का तेज गति से तरक्की करने वाला राज्य बन गया है। नीतीश कुमार ने सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली पर अभूतपूर्व कार्य किया है। राजद प्रखंड अध्यक्ष सह मुखिया इकरामुल हक ने अपने संबोधन में पूर्व विधायक कोचाधामन मुजाहिद आलम को 2024 लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार बनाने की पूरजोर मांग की है। वहीं जदयू प्रखंड अध्यक्ष सह मुखिया नजरूल हक ने अपने संबोधन में कहा कि पूरे लोकसभा के लोगों की मांग है कि मुजाहिद आलम को लोकसभा चुनाव का उम्मीदवार बनाया जाए।●

# नहीं रूक रहा ओवरलोड ट्रक कंटेनर-डंफर का परिचालन

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिला के ठाकुरगंज बहादुरगंज रूट पर ओवरलोड वाहनों का परिचालन बे-रोक टोक जारी है। 31 अक्टूबर को भी ओवरलोड वाहनों का जखीरा एक बार फिर सुखानी थाना क्षेत्र के साबोडांगी में देखने को मिला। परिवहन नियमों को ताक पर रखकर उक्त रूट से होकर ओवरलोड वाहनों का परिचालन रोजाना किया जा रहा है। गौरतलब हो कि ओवरलोड पर कार्रवाई के बाद फाइन भरने के बाद भी ओवरलोड वाहनों का परिचालन थम नहीं रहा इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि ओवरलोड वाहनों का परिचालन कर मोटी कमाई किया जा रहा है ओवरलोड वाहन संचालकों द्वारा। जिसमे इंट्री माफिया द्वारा चार चांद लगाया जा रहा है। परिवहन विभाग को ओवरलोड वाहनों के परिचालन पर कार्रवाई करनी चाहिए ताकि राजस्व का नुकसान न हो। पर इंट्री माफियाओं द्वारा अंगुठा दिखाया जा रहा है। ठाकुरगंज बहादुरगंज एनएच पर ओवरलोड वाहनों के परिचालन से सरकारी खजाने में लाखों करोड़ों की क्षति हो रही है। स्थानीय कुछ लोगों ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर कहा कि परिवहन विभाग द्वारा ठोस कार्रवाई की आवश्यकता है। तभी जाकर ओवरलोड वाहनों के परिचालन में कमी आयेगी।●

## निजी अस्पताल में नवजात की मौत

किशनगंज फरिंगोला के पास निजी अस्पताल में एक नवजात की मौत मामले में निजी अस्पताल के चिकित्सक के विरुद्ध मामला दर्ज करवाया गया है। मामला चिकित्सक डा. निरंजन शरण के विरुद्ध दर्ज करवाया गया है। मामला मरीज के परिजन सिटी तेघरिया निवासी खलीलुर्रहमान के बयान पर दर्ज करवाया गया है। मामला दर्ज किए जाने के बाद पुलिस कांड के अनुसंधान में जुट गई है। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार मरीज नाविस्ता रहमत को फरिंगोला स्थित निजी अस्पताल में एडमिट करवाया गया था। एक स्वस्थ नवजात बच्चे का जन्म हुआ। जन्म के उपरांत डाक्टर ने कहा कि नवजात बच्चा को सांस लेने में दिक्कत आ रही है इसलिए बच्चे को एनआईसीयू में भर्ती करना होगा। टेस्ट में सब कुछ नॉर्मल बताया गया। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार बच्चे को दूसरे जगह बेहतर इलाज करवाने ले जाना चाहते थे लेकिन डाक्टर द्वारा उन्ही के नर्सिंग होम में बेहतर इलाज के लिए भरोसा दिलाया जाता रहा। लेकिन दो दिनों बाद बच्चे की मौत हो गई। यहां गौर करे की बुधवार को उक्त अस्पताल में एक नवजात की मौत हो गई थी। बच्चे की मौत के बाद परिजनों ने निजी अस्पताल के चिकित्सक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा भी किया था। **रिपोर्ट :-धर्मेन्द्र सिंह**

## अवैध नर्सिंग होम के विरूद्ध जांच शुरू

टेढ़ागाछ प्रखंड क्षेत्र में इन दिनों अवैध तरीके से नर्सिंग होम एवं पैथोलॉजी का संचालन धड़ल्ले से जारी है। वहीं इन नर्सिंग होम सहित कई पैथोलॉजी संचालकों द्वारा नियमों को ताक पर रखकर लोगों का इलाज किया जा रहा है। जिसके कारण आए दिन लोगों कि मौत कि घटना भी घटित हो रही है। हालांकि अवैध नर्सिंग होम सहित पैथोलॉजी के विरुद्ध समय समय पर अधिकारियों के द्वारा कार्यवाही की जाती है, परंतु कोई ठोस कार्रवाई प्रशासन की ओर से नहीं होने के कारण आये दिन प्रखंड क्षेत्र सहित पूरे जिले में इन अवैध नर्सिंग होम एवं पैथोलॉजी के कारण आमजन अपनी जान गंवाने पर विवश है। आमजनों की स्वास्थ्य सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए प्रखण्ड भर में संचालित अवैध नर्सिंग होम एवं पैथोलॉजी के विरुद्ध कार्रवाई के लिए जिलाधिकारी तुषार सिंगला के निर्देश पर एक जांच टीम का गठन कर अवैध नर्सिंग होम एवं पैथोलॉजी के विरुद्ध कार्रवाई प्रारम्भ कर दी गयी है। रविवार को टेढ़ागाछ प्रखंड विकास पदाधिकारी गनौर पासवान व सीओ अजय चौधरी एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा. प्रमोद कुमार के द्वारा दर्जनों जगहों पर संचालित नर्सिंग होम, पैथोलॉजी, क्लिनिक एवं एक्सरे सेंटरों की जांच की गई। जिसमें अधिकांश जगहों पर सेंटर बंद पाया गया। इस दौरान संध्या नर्सिंग होम, जीवन दीप नर्सिंग होम, जकिया क्लिनिक, राजधानी एक्सरे एवं पैथोलॉजी, मां अल्ट्रासाउंड, नेशनल एक्सरे, पैथो एंड अल्ट्रासाउंड एवं डेंटल केयर आदि की जांच की गई। इनमें से किसी के पास वैध कागजात नहीं मिला है। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा. प्रमोद कुमार ने बताया सभी नर्सिंग होम, पैथोलॉजी, एक्सरे सेंटर अवैध रूप से संचालित हो रहा है। किसी के पास रजिस्ट्रेशन नंबर नहीं है। इस दौरान बीडीओ गन्नौर पासवान, सीओ अजय चौधरी एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मी व पुलिस मौजूद थे। उन्होंने बताया कि संबंधित जांच रिपोर्ट जिलाधिकारी एवं स्वास्थ्य विभाग के वरीय अधिकारियों को सौंपी जायगी। इधर जांच टीम को देखते ही पुरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया एवं अवैध तरीके से संचालित किये जा रहे नर्सिंग होम एवं पैथोलॉजी सेंटर बंद कर संचालक मौके से फरार हो गए। जांच के बाद डीएम को रिपोर्ट सौंपा जाएगा। जिसके बाद कार्रवाई की जाएगी।●

# नशामुक्त बिहार मिनी मैराथन का आयोजन

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज मद्य निषेध, उत्पाद एवम निबंधन विभाग, बिहार तथा कला, संस्कृति एवम युवा विभाग, बिहार के निर्देशालोक में जिलाधिकारी तुषार सिंगला की अध्यक्षता में नशामुक्त बिहार मिनी मैराथन के आयोजन हेतु बैठक आहूत की गई। बैठक में प्राप्त निर्देश के आलोक में नशामुक्त बिहार मिनी मैराथन की तैयारियां की जा रही हैं। तैयारियों के संबंध में अधीक्षक मद्य निषेध, आदित्य कुमार द्वारा बताया गया कि जिलाधिकारी के निर्देशानुसार 23 नवंबर को प्रात: 07 बजे जिला मुख्यालय स्थित अशफाक उल्लाह खां स्टेडियम, खगड़ा में नशा मुक्त बिहार मिनी मैराथन हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। मद्य निषेध विभाग के द्वारा नशा मुक्ति हेतु प्रचार-प्रसार की कड़ी में इस मिनी मैराथन के माध्यम से लोगों में संदेश दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, बिहार सरकार तथा कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार के तत्वावधान में जिला में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में जिला के निवासी भाग ले सकते हैं। इस संबंध में 22 नवंबर को 03 बजे तक खेल भवन स्थित शारीरिक शिक्षा (खेल) कार्यालय, जिला शिक्षा पदाधिकारी के कार्यालय, मद्य निषेध (उत्पाद) कार्यालय में आवेदन आमंत्रित किए गए है। मैराथन दौड़ का आयोजन पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों का एक साथ किया जाएगा। 14 वर्ष और उससे अधिक उम्र के पुरुष एवं महिला दोनों आयुवर्गों के लोग 05 कि.मी. तक दौड़ आयोजित की जाएगी। प्रतिभागियों को अपने परिचय पत्र, जिसमें जन्म तिथि अंकित हो, दौड़ के समय साथ लाना

अनिवार्य होगा। यह दौड़ 23 नवंबर को 7 बजे पूर्वाह्न में प्रारंभ की जाएगी एवं पुरुष तथा महिला वर्ग में अलग-अलग कोटि अनुसार आयोजित की जाएगी। खगड़ा स्टेडियम के मुख्य द्वार से दौड़ प्रारंभ होगा, निर्धारित रूट पर मैराथन दौड़ कराते हुए पुन: बदले हुए मार्ग से समाप्ति खगड़ा स्टेडियम में की जाएगी। 5 किलोमीटर दौड़ का मैराथन रूट जारी करते हुए बताया गया कि 5 किलोमीटर दौड़ का स्टार्ट प्वाइंट स्टेडियम गेट होगा। स्टेडियम मुख्य द्वार से प्रारंभ होकर दौड़ कालू चौक की तरफ के मार्ग पर प्रस्थान करेगी, सर्किट हाउस होते हुए खगड़ा मेला गेट के रास्ते ऊपर सर्विस रोड के लिए मंदिर के तरफ प्रस्थान करेगी, फिर दाहिने होकर व्यवहार न्यायालय सड़क से होते हुए डुमरिया मोड़ पर इंडोर स्टेडियम के मार्ग पर प्रस्थान होगा। डुमरिया पुल के मार्ग से डे मार्केट पहुंचेंगी, तत्पश्चात मुड़कर डे मार्केट तिराहा से धोबी घाट (गाड़ीवान मोहल्ला) मार्ग पर होते हुए गाड़ीवान चौक पर बाएं मुड़कर रूईधासा मैदान, कारगिल पार्क के बगल रास्ते से सब्जी मंडी (डे मार्केट) पर दाहिने ब्रिज पर होते हुए बस स्टैंड के पास एनएच (हाईवे) क्रॉस करेगी। सर्विस रोड पर आकर व्यवहार न्यायालय के पास से खगड़ा पुल के रास्ते साई सेंटर मार्ग पर प्रस्थान करेगी। फिनिश प्वाइंट स्टेडियम गेट पर विजेताओं का स्वागत किया जाएगा। सभी प्रतिभागियों को पैर में जूता पहनकर ही दौड़ना होगा। निबंधन अनिवार्य होगा। इच्छुक प्रतिभागियों द्वारा ऑनलाईन एवं ऑफलाईन दोनों मोड में निबंधन किया जा सकता है। ई-मेल आईडी phyedukne@gmail.com पर ऑनलाईन मोड में तथा खेल भवन स्थित जिला खेल कार्यालय व मद्य निषेध कार्यालय (उत्पाद भवन) या शिक्षा कार्यालय में ऑफलाईन मोड में निबंधन किया जा सकता है। प्रतिभागियों को इस आशय का स्व-घोषणा पत्र समर्पित करना होगा कि वे ''नशामुक्त बिहार दौड़'' में स्वेच्छा से भाग ले रहे हैं, उन्हें किसी भी प्रकार की बीमारी नहीं है तथा वे पूर्णत: स्वस्थ हैं। जिले में प्रथम स्थान से लेकर तृतीय स्थान तक आने वाले प्रतिभागी को पुरस्कार स्वरूप नगद राशि दी जाएगी। प्रथम स्थान पाने वाले को 5 हजार रुपये, द्वितीय को तीन हजार रुपए तथा तृतीय स्थान पाने वाले को दो हजार नगद इनाम दी जाएगी। साथ ही प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान आने वाले प्रतिभागी को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा। भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को टी शर्ट प्रदान किया जाएगा। आम जनता को नशामुक्ति के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से इस दौड़ का आयोजन किया जा रहा है।●

# किशनगंज को आयरन मुक्त पानी देंगे : सन्नी आर्या

● धर्मेन्द्र सिंह

आर्य कंस्ट्रक्शन के मालिक सन्नी आर्य ने 04 नवंबर को बताया कि वह 15 वर्षों से कंस्ट्रक्शन के कार्यों में है और अब किशनगंज को बहुत बड़ा सौगात देने जा रहे हैं जो किशनगंज को आयरन मुक्त पानी देंगे। आयरन पानी से निजात जल्द ही मिलेगा, साथ ही बड़े पैमाने पर बेरोजगारों को रोजगार उन्मुख किया जाएगा। उनके कंस्ट्रक्शन कंपनी में बहुत सारे लोगों को रोजगार मिले हैं, जब कि सन्नी आर्य से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि किशनगंज को कितना रोजगार मिलेगा समय आने पर लोगों को सब कुछ पता चल जाएगा। मिनरल वाटर किशनगंज से ही ऑल इंडिया आपूर्ति की जाएगी। जिससे किशनगंज के सैकड़ो लोगों को रोजगार मिलेगा। सन्नी आर्य ने बताया कि 20 जनवरी 2024 के पूर्व मेरा उक्त प्रोडक्ट इंडियन मार्केट में लॉन्च कर दिया जाएगा।●

# बुखार आने पर लापरवाही नहीं बरतें : सिविल सर्जन

● धर्मेन्द्र सिंह

बदलते मौसम के साथ ही बच्चों में भी मियादी बुखार की समस्या उत्पन्न होने की संभावना है। टाइफाइड या मियादी बुखार इकठ्ठे हुए दूषित जल और उससे पनपे साल्मोनेला टाइफी नामक जीवाणु से फैलता है। मियादी बुखार किसी भी उम्र के व्यक्तियों में हो सकता है, लेकिन छोटे-छोटे बच्चों और उम्रदराज व्यक्तियों के लिए इस तरह की बीमारी हानिकारक साबित हो सकती है। क्योंकि उनलोगों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बड़ों के मुकाबले कम होती है। किसी भी तरह की बीमारियों के लक्षणों के प्रति सजग होते हुए समय से उस बीमारी की पहचान कर तत्काल उपचार करा कर बचा जा सकता है। सिविल सर्जन डा. कौशल किशोर ने बताया कोरोना संक्रमण के जैसा ही एक संक्रामक बीमारी है। जिसको हमलोग मियादी बुखार के नाम से जानते हैं। जो गंदे खाने पीने की वस्तुओं के उपयोग से फैलता है। अगर किसी को लगातार तेज बुखार (103-04 डिग्री) आना, कमजोरी महसूस होना, पेट या सिर में दर्द, भूख नहीं लगना या कम लगना, त्वचा पर चकते या गुलाबी धब्बे बनना जैसे लक्षण दिखे तो यह मियादी बुखार हो सकता है। अगर इस तरह के लक्षण हैं तो बुखार एक सप्ताह या इससे अधिक समय के लिए रह सकता है। सबसे ज्यादा ध्यान देने की जरूरत इस बात की है कि मियादी बुखार से ग्रसित मरीज कभी-कभी बेहोश भी हो सकता है। इस बुखार में जरा सी भी लापरवाही हुई तो भयंकर रूप हो सकता है। बच्चों के लिए यह ज्यादा नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए किसी भी तरह के रोग को गंभीरता के साथ लेने की जरूरत होती है। बगैर समय बर्बाद किए चिकित्सकीय परामर्श और समुचित उपचार जरूर कराएं। सिविल सर्जन डा. कौशल किशोर ने बताया बच्चों या बुजुर्गो में मियादी बुखार आने का सबसे ज्यादा जिम्मेदार साल्मोनेला टाइफी नामक जीवाणु हैं। दूषित जल या उसके उपयोग से बने हुए भोज्य पदार्थ या खुलेआम तौर पर खाने या पीने जैसी वस्तुओं से ही पनपती है तथा इससे संक्रमित व्यक्ति के द्वारा उपयोग में आए वस्तुओं का किसी अन्य स्वस्थ व्यक्ति द्वारा उपयोग करने पर उसे भी संक्रमित कर देता। इसलिए इस संक्रमण से बचने के लिए अपने आस-पास की सफाई का खास ख्याल रखें। दूषित जल का जमाव नहीं होने दें। खाने पीने का सामान हमेशा ढक कर रखें। बिना ढका या दूषित भोजन ना करें और मियादी बुखार से संक्रमित होने से अपने बच्चों को बचाएं। सिविल सर्जन डा. किशोर ने बताया कोरोना संक्रमण के बाद यह बात स्पष्ट हो गया है कि हर किसी का शरीर निरोग और स्वस्थ रहे। इसके लिए सबसे जरूरी आहार की गुणवत्ता का सबसे ज्यादा योगदान रहा है। आहार की विविधता उसमें पोषक तत्वों और एंटी-आक्सीडेंट की मात्रा को बढ़ाता है।

साथ ही रोग से लड़ने की क्षमता भी देता है। इसलिए अपने नौनिहालों के भोजन में हरी सब्जिया, मौसमी फल, दूध और दूध से बने डेयरी, अंडा, मांस, मछली, अंकुरित अनाज को प्रमुखता के साथ शामिल करें। मियादी बुखार में शरीर में पानी की मात्रा में कमी हो जाती जो जानलेवा साबित हो सकती है। इसलिए पर्याप्त मात्रा में शुद्ध पेयजल और दूसरे प्राकृतिक पेय पदार्थों जैसे: नारियल पानी, नींबू पानी के सेवन और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए विटामिन-सी युक्त खट्टे फल नींबू व संतरा का सेवन अनिवार्य रूप से करें।●

# भाई दूज पर बहनों को उपहार में दिया गया फलदार पौधा

● धर्मेन्द्र सिंह

भाई दूज पर्व के शुभ अवसर पर अखिल विश्व गायत्री परिवार प्रशाखा एस.के. मेंशन गायत्री परिवार शिवगंज धाम बालूबाडी के सक्रिय सदस्य सह पर्यावरण प्रेमी अधिवक्ता कमलेश कुमार के द्वारा बहनों को पौधा उपहार स्वरूप भेट कर पर्यावरण संरक्षण का एक अनोखा संदेश दिया है। अधिवक्ता कमलेश ने गुरुवार को बताया की इस महान पर्व में लोग अकसर बहनों को सोना चांदी कपड़ा आदि देते हैं। पर हमने अपनी बहनों को पौधा उपहार स्वरूप भेट दिया क्योंकि एक पौधा से लाखो फायदा होता हैं। उन्होने कहा की अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक पंडित श्री राम शर्मा आचार्य कहते है

की एक पौधा बराबर 10 पुत्र समान होता हैं। मेरा लक्ष्य ही है पंडित श्री राम शर्मा आचार्य जी द्वारा संचालित युग निर्माण योजना पर सभी मानव जीवन कल्याण हेतू कार्य करना। इस पुनीत अवसर पर उन्होंने सभी देशवासियों से पर्यावरण संरक्षण हेतू अपील किया है।●

# पूर्व विधायक के प्रयास से मरहूम साह आलम का शव पहुंचा सऊदी

● धर्मेन्द्र सिंह

कोचाधामन के लोकप्रिय पूर्व विधायक सह जदयू जिलाध्यक्ष मुजाहिद आलम के पहल और अथक प्रयास से मरहूम साह आलम का डेड बॉडी घर पहुंचा। गौर करे कि कोचाधामन प्रखंड अंतर्गत नजरपुर पंचायत के रसूलगंज निवासी साह आलम जिनका 31 अक्टूबर 2023 को सउदी अरब के जद्दाह में सड़क दुघर्टना में इंतकाल हो गया था। वो वहां पर एन.ए.डी. ई.सी. (नेशनल एग्रीकल्चर डेवलपमेंट कंपनी) में काम करते थे। इंतकाल होने के 17वें दिन यानी 16 नवंबर 2023 के आधी रात को जब मरहूम साह आलम का डेड बॉडी रसूलगंज पहुंचा तो परिजनों के चीख पुकार से पूरा माहौल गमगीन हो गया। पूर्व विधायक मुजाहिद आलम घटना के दिन ही सूचना पर देर रात्रि मृतक के घर पहुंच कर परिजनों से मिलकर सांत्वना दिए और परिजनों की इच्छा अनुसार शव को घर लाने में हर संभव मदद का भरोसा

दिलाया। साह आलम की 19 माह पहले ही शादी हुई थी और 09 माह की एक बेटी भी है। साह आलम घटना से 25 दिन पहले ही घर से जद्दाह रवाना हुआ था। दो दिनों के अंदर साह आलम की पत्नी के तरफ से पावर ऑफ अटॉर्नी एवं एफिडेविट जिसमें मो. मुकर्रम जो साह आलम के साले हैं को जद्दाह में सारे कागजी प्रक्रिया पूरा करने एवं मरहूम साह आलम के शव को रिसीव करने के लिए ऑथोरिसेड किया गया था को जद्दाह भेजा गया। वहां पर डा. शाहनवाज मोअज्जम, मो. अखतर खाता टोली, मो. अजमल पुंडाले बायसी, मृतक के भाई सहरेजा सैय्यद एवं अन्य साथियों का पूरा सहयोग रहा। असलम अलीग भी लगातार डा. शाहनवाज मोअज्जम के कंटेक्ट में थे। कोलकाता एयरपोर्ट पर साह आलम के साढ़ू शम्स आजाद ने कॉफिन (शव) को रिसीव किया। कोलकाता से घर तक शव को लाने के लिए जदयू जिलाध्यक्ष सह पूर्व विधायक कोचाधामन मुजाहिद आलम एवं मौधो मुखिया प्रतिनिधि कारी मशकूर अहमद ने एम्बुलेंस उपलब्ध कराया।●

# महाकाल मंदिर में हुई भगवान चित्रगुप्त की पूजा

● धर्मेन्द्र सिंह

14 नवंबर को महाकाल मंदिर में भगवान चित्रगुप्त की पूजा की गई। चित्रगुप्त हिंदुओं के प्रमुख देवता माने जाते हैं। महाकाल मंदिर के पुरोहित गुरु साकेत ने बताया कि चित्रगुप्त जी का जन्म ब्रह्मा जी के चित्त से हुआ था। इनका कार्य प्राणियों के कर्मों का हिसाब किताब रखना है। गुरु साकेत ने बताया पंचांग के अनुसार, हर साल कार्तिक महीने में शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भाई दूज के साथ भगवान चित्रगुप्त की पूजा-आराधना भी की जाती है। धार्मिक मान्यता है कि यमराज के सहयोगी चित्रगुप्त संसार में मनुष्यों के कर्मों का लेखा-जोखा रखते हैं। इस दिन चित्रगुप्त जी के साथ कलम और दवात की भी पूजा का विधान है। कहा जाता है कि ऐसा करने पर जातक को मृत्यु के पश्चात विष्णु लोक की प्राप्ति होती है उसके सारे पाप नष्ट हो जाते हैं और उसे नरक के कष्ट नहीं झेलने पड़ते हैं। महाकाल मंदिर के पुरोहित गुरु साकेत ने बताया कि इस साल चित्रगुप्त की पूजा 14 नवंबर 2023 दिन मंगलवार को पड़ रही है। पंचांग के अनुसार, साल 2023 में चित्रगुप्त पूजा की शुरुआत 14 नवंबर को दोपहर 2 बजकर 35 मिनट से हो रही है और 15 नवंबर को दोपहर 1 बजकर 45 मिनट पर समाप्त होगी। गुरु साकेत ने बताया कि पंचांग के अनुसार, 14 नवंबर को सुबह 10 बजकर 48 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 13 मिनट पूजा का पहला मुहूर्त बन रहा है। दूसरा सुबह 11 बजकर 50 अगला मिनट से 12 बजकर 36 मिनट तक पूजा का अभिजीत मुद्द लेख बन रहा है और शाम को 5 बजे से 6 बजकर 36 मिनट तक, पूजा का अमृत काल मुहूर्त बन रहा है। इस दिन दोपहर के समय 3 बजकर 03 मिनट से 4 बजकर 29 मिनट तक राहुकाल का समय है। इस दौरान शुभ कार्यों को वर्जित किया गया है। गुरू साकेत ने बताया कि चित्रगुप्त पूजा के लिए लकड़ी की एक चौकी पर लाल या पीले रंग का कपड़ा बिछाएं। अब इस पर चित्रगुप्त जी की प्रतिमा स्थापित करें। चित्रगुप्त भगवान को फल, फूल, धूप, दीप और नैवेद्य अर्पित करें। इसके बाद उनकी विधि-विधान से पूजा-अर्चना करें। पूजा के दौरान चित्रगुप्त जी की प्रतिमा के सामने कलम रखें। एक सफेद कागज पर हल्दी लगाएं और उस पर श्श्री गणेशाय नमः लिखें। कागज के नीचे अपना नाम, पता और डेट लिख दें। अपने खर्चों का विवरण लिखें। इसके बाद कागज पर 11 बार ऊँ चित्रगुप्ताय नमः मंत्र लिखें। पूजा के बाद कलम उठाकर अपने पास रख लें और इसका इस्तेमाल करें।●

# बीपीएससी से चयनित विद्यालय अध्यापकों को प्रदान किया गया नियुक्ति पत्र

● डी.एन. शुक्ला

उच्च माध्यमिक विद्यालय (कक्षा 11-12), माध्यमिक विद्यालय (कक्षा 9-10) एवं प्राथमिक विद्यालय (कक्षा 1-5) के 4767 विद्यालय अध्यापकों का नियुक्ति वितरण समारोह स्थानीय बड़ा रमना खेल मैदान में सम्पन्न हुआ। माननीय प्रभारी मंत्री, बेतिया-सह-माननीय मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, बिहार, ललित कुमार यादव, जिला पदाधिकारी, पश्चिम चम्पारण, बेतिया, दिनेश कुमार राय के द्वारा बीपीएससी के माध्यम से उर्तीण विद्यालय अध्यापकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर माननीय प्रभारी मंत्री ने कहा कि आज इस ऐतिहासिक दिन पूरे बिहार में 1,20,336 (एक लाख बीस हजार तीन सौ छत्तीस) बी०पी०एस०सी० के माध्यम से उत्तीर्ण विद्यालय अध्यापकों को नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है। इसमें अकेले पश्चिम चम्पारण में कुल 4.767 (चार हजार सात सौ सडसठ) अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह राज्य सरकार के द्वारा 10 लाख रोजगार प्रदान करने का जो वादा किया गया था, उसी कड़ी में उठाया गया कदम है। बी०पी०एस०सी० द्वारा जिस त्वरित गति से परीक्षाफल सफलतापूर्वक प्रकाशित किया गया उसकी मैं प्रशंसा करता

हूँ। परीक्षाफल प्रकाशित होने के रिकॉर्ड समय में आज सभी अभ्यार्थियों की ज्वाइनिंग शिक्षा विभाग द्वारा सफलतापूर्वक करायी गयी है, इसके लिए शिक्षा विभाग एवं सम्पूर्ण जिला प्रशासन बधाई के पात्र हैं।पश्चिम चम्पारण में वर्तमान नियुक्ति में कुल चयनित 4,767 अभ्यर्थियों में से अभी तक कुल 4,475 अभ्यर्थी (लगभग 94 प्रतिशत) अपना काउंसलिंग करा चुके हैं। उसमें कुल 2,250 पुरूष तथा 2,226 महिला अभ्यर्थी हैं। इसमें सबसे अधिक शिक्षक वर्ग 1-5 के कुल 3,285 हैं। इस कोटि के शिक्षकों में महिलाओं का अनुपात 1,872 (57 प्रतिशत) है, जबकि पुरुष 1.393 (43 प्रतिशत) ही है। इस प्रकार महिलाएँ इस कोटि में पुरूषों से आगे निकल गयी है। इसी प्रकार वर्ग 9-10 कोटि के कुल 680 चयनित अभ्यर्थियों में 437 पुरुष एवं 243 महिला हैं। जबकि वर्ग 11-12 कोटि के कुल 531 चयनित अभ्यर्थियों में 420 पुरूष एवं 111 महिला को आज नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन योग्य चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति के उपरान्त हमारे राज्य के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। यही नहीं राज्य सरकार इस नियुक्ति की अगली कड़ी में द्वितीय चरण की नियुक्ति भी करने जा रही है। जिसमें पश्चिम चम्पारण जिले में वर्ग 6-8 के लिए कुल 998 शिक्षक वर्ग 9-10 के लिए 1,447 शिक्षक तथा वर्ग 11-12 के लिए कुल 2.134 शिक्षकों की रिक्ति शिक्षा विभाग को भेजी गयी है। इस प्रकार प्रथम चरण में जहाँ प्राथमिक विद्यालयों के पर्याप्त शिक्षक इस जिले को मिल चुके हैं, जबकि द्वितीय चरण में उच्च माध्यमिक विद्यालयों की सीटें भर पाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इस नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में उपस्थित सभी सफल अभ्यर्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ तथा आशा करता हूँ कि आप अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए बिहार राज्य के शिक्षा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास में भागीदार बनेंगे। ●

# बीपीएससी परीक्षा में पश्चिमी चंपारण की बेटियों ने लहराया परचम

● डी.एन. शुक्ला

पश्चिम चंपारण की चार बेटियों ने बिहार लोक सेवा आयोग 67वीं परीक्षा पास कर पश्चिमी चंपारण का मान बढ़ाया है। BPSC का परिणाम आने के बाद परिवार और इलाके में खुशी का माहौल है। लौरिया प्रखंड के सुअरछाप निवासी विद्याकांत पांडेय की पुत्री मंगला पांडेय को 16 वी रैंक मिला है। मंगला पाण्डेय का चयन एसडीएम पद पर हुआ। मंगला कुमारी शुरू से ही मेधावी छात्रा रही है।मंगला कुमारी के पिता विद्याकांत पांडे ने बताया कि आज हमारी बेटी ने हम सभी का मान सम्मान को बढ़ाया है. मंगला ने बीपीएससी की 67 वीं परीक्षा में 16 वीं रैंक लाकर अपनी प्रतिभा को साबित कर दिखाया. मंगला कुमारी के पिता एक किसान हैं जबकि माता गृहणी. सुअरछाप गांव की बिटिया अपने गांव के साथ साथ पूरे नरकटियागंज अनुमंडल को गौरवान्वित किया है. मंगला के पिता ने बेटी के चयन होने पर खुशी का इजहार करते हुए कहा कि उनकी पुत्री बचपन से ही मेहनती थी. वो आठवीं तक की पढाई गांव में की है और मैट्रिक परीक्षा नरकटियागंज के मातीसरा स्कूल से पास की है।जबकि इंटर तारकेश्वर प्रसाद वर्मा महाविद्यालय नरकटियागंज से कि और बीटेक प्रयागराज से कि उसके बाद सेल्फ स्टडी के द्वारा तैयारी कि मंगला की मां पूनम पांडे ने बताया कि मेरी बेटी अपनी तैयारी घर पर ही रहकर की, सिर्फ साक्षात्कार की तैयारी के लिए दिल्ली भेजा गया थी।मंगला चार बहनों और एक भाई में अपने माता पिता की दूसरी संतान है। इधर मंगला ने बताया कि मेरी सफलता का सारा श्रेय मेरी मां पूनम पांडे, पिता विधाकान्त पांडेय का है. वहीं बगहा के पटखोली निवासी वेदप्रकाश पाठक की पुत्री तथा स्वतंत्रता सेनानी की पोती रिचा प्रियदर्शिनी 393वां रैंक लाकर बनीं BDO, वही रिचा प्रियदर्शिनी कहा- सेल्फ स्टडी से मिली सफलता। BPSC 67वीं रिजल्ट 2023: स्वतंत्रता सेनानी की पोती रिचा प्रियदर्शिनी बनीं BDO ने कहा कि सेल्फ स्टडी से ही मिली सफलता। वही रिचा प्रियदर्शनी की पढ़ाई मैट्रिक से लेकर आईएससी तक बगहा तक की फिर उसके बाद समस्तीपुर पूसा कृषि विश्वविद्यालय से बीएससी एग्रीकल्चर करने के बाद बीपीएससी का तैयारी करना शुरू कर दी। रिचा का सपना शुरू से ही था। IAS बनने का था। रिचा प्रियदर्शनी एक साधारण सा किसान परिवार से आती हैं। मैनाटाड़ गांव निवासी सह शिक्षक अनिल गिरी की पुत्री रिया कुमारी को 515वां रैंक प्राप्त हुआ। रिया का चयन अनुमंडल कल्याण पदाधिकारी के पद चयन हुआ है। वहीं रामनगर के दिनेश तिवारी की पुत्री प्रियांशी प्रिया को 730 वां रैंक प्राप्त हुआ है।जैसे ही बीपीएससी का रिजल्ट आउट हुआ और लोगों को पता चला तो बधाई देने वालों का तांता लग गया। शिक्षक अनिल गिरी के बेटी का अनुमंडल कल्याण पदाधिकारी के चयन होने की सूचना पर शिक्षक समुदाय में भी खुशी छा गया है। रिया कुमारी मैट्रिक की परीक्षा सरदार मंगल सिंह प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय मैनाटांड़ से वर्ष 2013 में प्रथम श्रेणी में की थी। उस समय भी प्रखंड में सबसे ज्यादा नंबर लाकर प्रखंड का मान रिया ने बढ़ाया था। उसके बाद एमजेके कॉलेज बेतिया से इंटर मैथ से और फिजिक्स सब्जेक्ट से ऑनर्स की परीक्षा प्रथम श्रेणी से पास की। हाल ही में बिहार लोक सेवा आयोग से शिक्षक पद पर भी रिया कुमारी का चयन हुआ था और अब अनुमंडल कल्याण पदाधिकारी बनने से मैनाटांड़ में खुशी का माहौल है। रिया कुमारी ने अपने उपलब्धि का श्रेय अपने पिता सह शिक्षक अनिल गिरी और माता को दिया।●

# बिहार में अफसरशाही हावी : नितिन भारती

ज्ञान,कर्म,तपस्या,बलिदान,कई धर्मो के संगम एवं लोकतंत्र की जननी बिहार सदियों से संघर्ष करता आ रहा हैं और इस संघर्ष करने वाली धरती पर अनेकों ने अपनी कर्मठता,दक्षता,योग्यता एवं अनुभव के दम पर बिहार का नाम विश्व के मानस पटल पर सुनहरे शब्दो मे अंकित किया हैं। चाहे बात प्राचीन काल की हो या मध्य- आधुनिक। हम सम्राट अशोक की मजबूत विकसित शासन प्रणाली की बात करें या शेरशाह के अल्पकाल शासन के विराट सोच की,आजादी के पूर्व गाँधी जी के चम्पारण सत्याग्रह से महात्मा बनने की या आजादी के बाद की जेपी के सम्पूर्ण क्रांति की। कुछ तो बात हैं बिहार की उर्वरा में जिन्होंने यहाँ पसीने से खुद को भिगोया उसे बिहार ने सोने जैसी चमक से पूरे दुनिया में निखार दिया। आज हम बिहार के गौरवशाली अतीत की बखान नहीं बल्कि अल्प समय से बिहार में संघर्ष करने वाली एक युवा नेता की चर्चा करेंगे जो न सिर्फ बिहार के विकास के लिए पारदर्शी रोड मैप तैयार कर रहे हैं बल्कि वह डंके की चोट पर स्वीकार भी कर रहे रहे है कि बिहार की वर्तमान सरकार की राजनीति की वजह से यहाँ की जनता और नौकरशाही दोनों परेशान हैं और बच्चे के भविष्य के ऊपर काले बादल मँडरा रहे हैं। जी हाँ हम बात कर रहे हैं दिनकर की भूमि से आने वाले बेगूसराय के प्रोफेसर फैमिली से ख्याति प्राप्त नितिन भारती की। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के उप सचिव को त्याग कर राष्ट्रीय लोक जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता की जिम्मेदारी सम्भाल रहे **नितिन भारती** से हमारे विशेष प्रतिनिधि **श्रीधर पाण्डेय** ने खास मुलाकात की, जिसके संपादित कुछ अंश:-

**☆ बिहार के युवा नौकरी के लिए प्रयासरत रहते है और आप एक अच्छी खासी नौकरी छोड़ दी, वजह क्या रहीं?**

देखिए श्रीधर जी, बिहार सरकार में 2012 में मैं योजना विभाग में आया और कोसी परियोजना में क्षमता विशेषज्ञ के रूप में जॉइन किया। उसके बाद बिहार सरकार में कई बिहार प्रशासनिक सेवा के खाली पद पर मुझे कार्य करने का मौका मिला। तत्कालीन आईएएस ऑफिसर जिनके नेतृत्व में मैं जॉइन किया था वो सरकार से परमिशन लेकर जहां भी जाते ओएसडी के रूप में मुझे कार्य करने का मौका मिलता। 2015 से मैं बिहार सरकार के अंदर काम शुरू हो गई, भवन निर्माण विभाग, खाद्य विभाग, बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के उपसचिव हर जगह अलग अलग अनुभव रहा। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति में बच्चे के लिए कार्य कर रहा था, वहाँ मैट्रिक, इंटरमीडिएट बच्चे को सर्टिफिकेट सम्बन्धी समस्याएं रहती थी। लेकिन मेरा मानना है कि आप कोई भी जॉब कर रहे हों जब खुद सही नहीं लगे तो कुछ चीजों से समझौता नहीं करनी चाहिए। कोई संस्था जिसके लिए कार्य कर रहीं है उसका उद्देश्य पूर्ण नहीं होगा तो या तो वहाँ से हट जाए या उसी रूप में स्वीकार कर ले। मैंने अपने स्तर से प्रयास किया लेकिन सरकार को जरूरत नहीं है, प्रमाण के साथ भी गया ताकि कुछ सुधार सम्भव हो लेकिन ऐसा नहीं हुआ तो मैं गलतियों को स्वीकार कर नहीं सकता इसलिए नौकरी ही छोड़ दी। बिहार के युवाओं को नौकरियों में आना चाहिए और आज आ भी रहे है लेकिन उनके पास ऑप्शन नहीं तो गलत स्वीकार करना भी होगा।

**☆ क्या आप मानते है यहाँ के अधिकारियों के ऊपर राजनीतिक दबाव है?**

यह स्वाभाविक है आप ऑफ दी रिकार्ड बात करेंगे तो विश्वास नहीं होगा कि यह सचिव,प्रधान सचिव, अपर मुख्य सचिव के लोगों पर किस तरह का दबाव हैं। ये लोग खुलकर बात नहीं करेंगे। ये बहुत स्पष्ट है कि सरकार कैसे चल रहीं है ये विजिबल है, जन प्रतिनिधि की स्थिति भी किसी से छुपी नहीं है। जो सरकारी दल है उनके नेताओ से भी आप बात करेंगे तो उनका भी दर्द जरूर छलकेगा । लोग कहना नहीं चाहते है, अपनी बात रखना नहीं चाहते है, व्यवस्था इस तरह की हो गई है।

**☆ एक तरफ जन प्रतिनिधियों की न सुनना और दूसरी तरफ अधिकारियों पर राजनीतिक दबाव यह कैसे सम्भव है?**

बिहार मे अफसर शाही हावी है, लेकिन हर अफसरों के लिए नहीं है। कुछ चंद ही अफसरों का वर्चस्व है, जिनके वर्चस्व अफसरों के साथ साथ जनप्रतिनिधियों के ऊपर भी है और वह सत्ता के इर्द-गिर्द 8 से 10 अफसरों का हुजूम है, वही सरकार चला रहीं है। कई विपक्षी नेताओ की भी बात सुनी होगी, कई लोग शिकायत करते है, कई वीडियो भी वायरल हुए है। सरकार में जो दल शामिल है उनके मंत्रियों की क्या स्थिति है। अभी आप स्वयं देख लीजिए शिक्षा विभाग का क्या हाल है। जन प्रतिनिधि का जो इज्जत होता है उसको भी मेंटेन नहीं किया जा रहा है। एक बात मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूँ कहीं न कहीं राजनीतिक दृष्टि से लोग राजनीति में शामिल होते है और राजनीति में होते कहीं न कहीं उनके कार्य शैली में भी दोष मानी जा रहीं है, लोगों ने अपना महत्व खोया है। इस समय ऐसे नेतृत्व की जरुरत हैं जो बैलेंस कर सके। आज का नेतृत्व अफसरों की तरफ झुका हुआ है,आज हरेक अफसर स्वतंत्र रूप से कार्य नहीं कर सकते, लेकिन कुछ चंद अफसरों की चलती है। पब्लिक प्रतिनिधि

योजनाओं को बनाते है और अधिकारी उनके योजनाओं का क्रियान्वयन कराते है लेकिन अब अफसरों के आधार पर योजनाएं बन रहीं है ।अगर ऐसी योजनाएं बन रहीं है तो इसका असर नल जल योजनाएं जैसी ही होगी जहां उपर से नीचे तक व्यवस्था मिली हुई है कोई देखने वाला तक नहीं है। ये योजना कौन बना रहा हैं?2006 से अबतक जितनी शिक्षक बहाली हुई है, इसे प्रयोगशाला के रूप में बना दिया गया हैं, पंचायत प्रतिनिधि शिक्षको का चयन करने लगे थे, जहां शिक्षा की क्वालिटी की बात हो रहीं है वहीँ शिक्षा विभाग प्राइवेट कोचिंग पर उतर आया है क्या ये गौरव की बात हैं। हमारी शैक्षणिक संस्थाएं इस स्तर पर नहीं है जहां पढ़कर प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल किया जा सके। केवल परीक्षा समय पर ले लेना ही उद्देश्य नहीं होना चाहिए। सरकार जनता चुनते है और उनकी उद्देश्य और समस्याओं की प्राथमिकता विधान मण्डल में रखना चाहिए नहीं की बाहर से मसौदा तैयार कर संख्या बल के हिसाब से उसे पास करा लेना चाहिए। सदन में कितना विचार विमर्श हो रहा है, यह विचार विमर्श की जगह हो हंगामे की जगह बन रहा है।

**★ आपने राष्ट्रीय लोक जनता दल को ही क्यों चुना?**

मैं पार्टी से पहले एक व्यक्ति को चुना वह है उपेन्द्र कुशवाहा जी। पूरे राजनीतिक कैरियर को देखे तो एक बेदाग छवि चारो सदन का अनुभव है जो चंद नेताओ के पास हैं। इन दिनों राजनीति में सूचिता का आभाव हैं, भाषा शैली बिगड़ती जा रहीं है, ऐसे मे मेरे नेता के प्रति जो समझ है वो अपनी बात सटीक और सरल शब्दों मे करते है, व्यक्तिगत कटाक्ष से बचते है अगर कटाक्ष करना भी होता है तो वह तथ्यात्मक विषयों पर बोलते है और इसका मूल कारण यह है कि उनका शिक्षक के रूप में पूर्ण योगदान रहा जो आज नेता के रूप में परिलक्षित हो रहा है। यह एक बड़ा खिंचाव हैं। राजनीतिक दृष्टिकोण से आप देखेंगे तो आमतौर पर लोग पद की लालसा के लिए राजनीतिक निर्णय लेते है लेकिन मैं जब उपेन्द्र कुशवाहा की राजनीतिक कैरियर देखता हूँ तो किसी मूल्य, किसी सिद्धांत, किसी योजना को आधार लेकर इन्होंने निर्णय लिया है। स्वाभाविक है आप राजनीतिक जीवन में है तो पक्ष विपक्ष होगा ही लेकिन इन्होंने जब भी राजनीतिक निर्णय लिया है तो उससे पहले उन्होंने अपने कोई न कोई महत्वपूर्ण पद का त्याग जरूर किया है। चाहे वह राज्य सभा का हो या मंत्रालय का या विधान पारिषद के त्याग की बात। आज जो स्थिति है उसमें ऐसे नेताओ की स्वाभाविक रूप से थोड़ी कमी है और इसमे मुझे उम्मीद दिखी इसलिए निर्णय लिया।

**★ उपेन्द्र कुशवाहा की राजनीतिक अस्थिरता की वजह से लोगों में अपना विश्वास कैसे बना पाएंगे?**

कुशवाहा जी के निर्णय की बात करें तो नीतीश कुमार की पार्टी में जदयू का विलय हुआ था। बिहार की राजनीति में 1990 के दशक में कई बड़े नेताओं ने भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष किया और उनके दम पर 1996 में एक गठबंधन हुआ जिसमें कई आज लोग दिवंगत हो चुके है। वर्तमान राजनीति परिपेक्ष्य पर नजर डालें तो भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष करते हुए पुनः उस संघर्ष की स्थिति ऐसी बनी की 2020 विधान सभा चुनाव में नीतीश जी की व्यक्तिगत पार्टी का संख्या बल कम होने लगा, इसका कारण उपेन्द्र कुशवाहा की पार्टी रालोसपा के मिले मत, चिराग जी के मिले मत भी था ।फिर एक आम राय बनी इन दोनों की mutual understand बनी है। हालांकि नीतीश कुमार जी का लगातार विरोध होता रहा है, विरोधाभास पैदा करने वाले भी राजद के, इसलिए उपेन्द्र कुशवाहा जी को पार्टी सहित शामिल होने की बात आई और हो गए। बड़े आश्चर्य की बात है फिर राष्ट्रीय जनता दल के साथ गठबंधन का हो जाना, जिसके खिलाफ चुनाव में 15 साल बनाम 15 साल के नारा देकर गए उसी के साथ मिलकर सरकार बनाना, बात केवल यही तक सीमित नहीं रही, जब एक सार्वजनिक कार्यक्रम में अपने दल के बाहर के व्यक्ति को अपना उत्तराधिकारी बनाने की बात कहना, जब कि कोई चुनाव भी नहीं है और न कुछ ऐसी परिस्थितियां। मैं एक वाजिब सवाल रखना चाहूँगा, मुझे आश्चर्य होता है कि इतने वरिष्ठ नेता, जेपी के आंदोलन से उपजे नेता, इन दोनों ही नेताओ में अपने उत्तराधिकारी के रूप में एक ही चेहरा सामने आया। एक परिवार तो दूसरे ने उस परिवार में खुद को समर्पित कर दिया, मुझे लगता है जिस नेता के पीछे बड़ी फौज खड़ी रहती है, आम आदमी से नेता बनाती है वो कार्यकर्ता है और कार्यकर्ताओं को उचित समान नहीं मिलता है। बात सिर्फ उपेन्द्र कुशवाहा की नहीं है, उनकी जगह पार्टी के कोई दूसरे नेताओ को चुन लिया जाता तो शायद उपेन्द्र कुशवाहा को ये निर्णय नहीं लेना पड़ता। कोई भी पार्टी व्यक्तिगत नहीं समूह का होता है और बिना कोई विचार विमर्श के बहुत सारे अनुभवी और नेतृत्व क्षमता वाले व्यक्ति को दरकिनार कर सार्वजनिक मंच से राजनीतिक उत्तराधिकारी किसी अन्य दल के व्यक्ति की घोषणा करना सिर्फ व्यक्तिगत निर्णय था जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए। एक व्यक्ति ने 10 साल से मेहनत कर अपनी पार्टी चलाई हो, अपना सर्वस्व जदयू में सम्मिलित कर दिया हो उसका असर गंभीर होता है। उपेन्द्र कुशवाहा जी व्यक्ति के रूप में मजबूत है क्योंकि फिर बाहर निकलकर नई पार्टी का गठन करने का निर्णय लिया। हर जिले में प्रकोष्ठ, कार्यकर्ता, प्रदेश कार्यकारिणी, जिलाध्यक्ष का संगठन खड़ा कर लिया है। संगठन खड़ा करने की वजह उपेन्द्र कुशवाहा के प्रति लोगों का विश्वास है।

**★ प्रदेश प्रवक्ता की बड़ी जवाबदेही मिली है, क्या कहना चाहेंगे आप?**

आज के समय मे शब्दों का चयन के प्रति राजनीतिक दलों को सचेत होने की आवश्यकता है और मैं उस परंपरा में विश्वास रखता हूँ कि आप अपने अच्छे शब्दों से भी बहुत सारी महत्वपूर्ण बाते रख सकते है। मुझे लगता है आपके जितने भी सवालों का जबाव मैं देने की कोशिश की उसमें कोई अपशब्द नहीं होंगे और यही विधा भी होनी चाहिए। आपको लाखों करोडों लोग देख, सुन पढ़ रहे है, कोई भी ऐसे शब्दों का चयन नहीं करे जिससे कि बाद मे आपको सामने माइक हटाना पड़े, दूसरा बोले तो गुस्सा और झल्लाहट होने लगे। इसलिए सोच समझकर अपनी बात रखने चाहिए। मेरी पार्टी ने कुछ सोचकर ही मुझे यह जिम्मेदारी दी है जब मैं बोलूँ तो मेरी पार्टी की भावना,नीतियां विचार विमर्श के उपरांत अच्छा तरीके से लोगों के बीच जाए।

**★ आप युवा है और राजनीति में युवाओं को सक्रिय करने का प्रयास कैसे करेंगे?**

राजनीति में युवा आज केंद्र में है। जिस तरह देश मे युवाओं की संख्या है आज का युवा निर्णायक रूप में है। मुझे लगता है इसमें राजनीतिक दलों में नए विचार का सृजन युवाओं के लिए प्रकोष्ठ उसे राजनीतिक रूप से सक्रिय कर रहे है युवा मेहनत के दम पर राजनीति में अपनी पहचान स्थापित कर रहे हैं, हर दल को ऐसे युवाओं की जरूरत है मेरा ही उदाहरण ले लीजिए कोई राजनीतिक बैकग्राउंड नहीं, उसी तरह हर दल महसूस कर रहे है कि निर्णय की प्रक्रिया में हमे अनुभव के साथ जोश की भी आवश्यकता है। मैं मजबूती से विश्वास करता हूँ कि हर राजनीतिक दल को जाति से उपर उठकर मानवता के साथ राज्य और राष्ट्र के विकास पर ध्यान देना चाहिए खासकर बिहार मे जातीय भेदभाव पाटने की जरूरत है क्योंकि ये नरसंहार का राज्य रहा है इसे कुरेदने की जरुरत नहीं होनी चाहिए। यह प्रदेश हर जाति धर्म का रहा है और आने वाले समय मे यहां के युवा वर्ग बिहार को ऊँचाइयों पर पहुंचाने में अपनी महती भूमिका निभाएंगे।

# खाना बनाने को लेकर उपजे विवाद में पति ने किया आत्म हत्या

## पति के आत्महत्या मामलें में पत्नी, उसके दो भाई, ग्रामीण डाक्टर समेत पाँच लोगों पर केस दर्ज

● गुड्डू कुमार सिंह

तरारी प्रखण्ड के शंकरडीह पंचायत के इटिम्हा गॉव में बिति रात खाना बनाने को लेकर उपजे विवाद में पति मिथुन गिरी पत्नी ,नेहा कुमारी आपस में मारपीट करने के बाद अलग अलग कमरे में सोने चले गये। काफी रात बीतने के दौरान पत्नी द्वारा पति के कमरे में देखने गई तो पति द्वारा अन्दर से दरवाजा बंद पाया जिसके बाद छोटी बहन के सहयोग सें दरवाजे से अन्दर ताक झाक करने लगी तो पति को फदें से लटकते देख किसी तरह दरवाजा तोड़ पति को निचे उतार गाँव के ही ग्रामीण डाक्टर बब्लू को बुला घर ले आई, जहाँ बब्लू ने उसे मृत बता ,पुलिस को नही बताने की बात बताई, जिसके बाद पत्नी नेहा कुमारी व तेरह वर्षीय साली ज्योति कुमारी दौनो मिलकर शव को ऑगन में ही दफना दिया। मृतक मिथुन गिरी के ससुराल के सभी सदस्य ससुर कन्हैया गिरी के कैसंर की शिकयत पर किसी निजी असपताल में डाक्टरो द्वारा पैर काटने के बाद सभी परिजन आरा डाक्टर के यहाँ भर्ती ससुर कन्हैया गिरी के साथ अस्पताल में है। जिसकी गुप्त सूचना किसी ग्रामीण द्वारा तरारी थाना की पुलिस को दि गई। जिसके उपरान्त तरारी थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार भास्कर तुरन्त इटिम्हा गॉव पहुँच मामले की छानबीन शुरू कर दी, जहाँ युवक मिथुन गिरी का शव ऑगन में ही दफनाया पाया गया। जिसके बाद तरारी थाना की पुलिस द्वारा शव को निकाला गया। इसके बाद मृत्क के

परिजन को इसकी सूचना दि गई। मृतक के परिजन के पहुचने के बाद शव को अन्त्यपरिक्षण हेतु आरा भेज दिया गया।मृत्क मिथुन गिरी एक बच्ची पायल को माँ नेहा से अप्रैल 2023 में ही कोर्ट मैरेज किया था। मृतक के पत्नी नेहा के अनुसार शादी के बाद सें हैदराबाद में प्राईवेट कम्पनी में काम करता था। इससे पूर्व भी हैदराबाद में आत्म हत्या करने का प्रयास कर चुका है। मृत्क मिथुन गिरी के पिता कमलेश गिरी का कहना की मिथुन गिरी की पत्नी ही काफी बदमाश है उसी ने उसे साजीश के तहत मार दिया और फंदे पर लटका दिया है। वहीं घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है और मामले की छानबीन में जुट गई है। घटना के बाद मृतक युवक के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। घटना स्थल से तरारी थाना की पुलिस मृत्क की पत्नी नेहा व साली ज्योति व बेटी पायल को अपने साथ थाने ले आई है। अगीआँव बजार थाना क्षेत्र के तार गाँव निवासी 24 वर्षीय मिथुन गिरी अपने ससुराल तरारी प्रखंड के तरारी थाना क्षेत्र अंतर्गत ही शंकरडीह पंचायत के इटिम्हा गॉव पाँच दिन पूर्व ही गया था। दोनों पति-पत्नी के बीच खाना बनाने को लेकर विवाद हुआ और जमकर कहासुनी व मारपीट हुई। इस दौरान गुस्साए पति मिथुन गिरी गुस्से में एक कमरे में जाकर अन्दर से बंद कर फांसी लगा ली

**तरारी प्रखण्ड के शंकरडीह पंचायत के इटिम्हा गॉव में इटिम्हा गॉव निवासी कन्हैया गिरी की पुत्री निलम गिरी के पति द्वारा आत्महत्या करने के मामले में पुलिस ने मृतक मिथुन गिरी के पिता कमलेश गिरी उर्फ भिखारी गिरी की शिकायत पर मृतक मिथुन गिरी की पत्नी निलम गिरी सहित पाँच लोगों पर हत्या करने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि सोमवार की रात तरारी प्रखण्ड के शंकरडीह पंचायत के इटिम्हा गॉवं में खाना बनाने को लेकर पति, पत्नी के बीच उपजे बिवाद में मारपीट के बाद पति मिथुन गिरी द्वारा घर के एक कमरे में फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली थी। मंगलवार को मृतक मिथुन गिरी का पोस्टमार्टम कर गमगीन माहौल में उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। पुलिस ने इस मामले में मृतक मिथुन गिरी के पिता कमलेश गिरी उर्फ भिखारी की शिकायत पर पत्नी निलम गिरी साला दिपक गिरी ,सूरज गिरी व ग्रामीण डाक्टर बब्लू राम समेत पाँच के खिलाफ हत्या करने का मामला दर्ज कराई गई है। इस मामले में तरारी थाना की पुलिस अपने स्तर जाँच कर रही है।**

**पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद सुलझेगी गुत्थी**

मृतक के परिजन की ओर से आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। यह आत्महत्या है या हत्या पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। अनुसंधान जारी है।

**प्रदीप कुमार भास्कर**
**तरारी थानाध्यक्ष**

जिसके काफी देर बाद का पत्नी-पत्नी को देखने गई तो पति मिथुन गिरी को फंदे से लटके दिखे। किसी तरह निचे उतार गाँव के ही ग्रामीण डाक्टर कन्हैया के कहने पर पुलिस को सूचना देने के बजाए, आँगन में ही दफना दिया। इस मामले में पुलिस ने कन्हैया को भी पुछताछ के लिए थाने ले आई। इस मामलें कन्हैया का कहना है कि मै उसके घर गया ही नही हूँ ।ये लोग झूठ बोल रहे है।

☞ **युवक के पिता का आरोप- मिथुन गिरी की पत्नी के गलत आचरण की थी जानकारी, इसीलिए होता था विवाद** :- मृतक युवक मिथुन के परिजन जब घटनास्थल पर पहुंचे तो परिजनों ने मृतक युवक की पत्नी पर हत्या कर फांसी पर लटका दिए जाने का आरोप लगाया। परिजनों ने आरोप लगाया कि मृतक युवक की पत्नी नेहा के गलत आचरण की जानकारी मिथुन को हो गई थी। जिसको लेकर अक्सर दोनों पति-पत्नी में लड़ाई झगड़ा होता रहता था। यही सब कारण के वजह से मेरे बेटे मिथुन की उसकी पत्नी ने ही हत्या कर दी है। मृतक युवक के परिजनों ने जांच कर इस और उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

☞ **पत्नी बोली-सोने जाने के क्रम में देखने गई तो पता चला लगा ली फांसी** :- मृतक की पत्नी नेहा कुमारी का कहना है कि पति मिथुन के साथ खाना बनाने को लेकर कहासुनी के बाद मारपीट की गई थी इसके बाद वो एक कमरे में जाकर सो गये । कब फांसी पर लटके पता नहीं चल सका। सोने जाने के दौरान उनके कमरे की तरफ जाकर देखने के क्रम में पता चला कि उन्होंने फांसी लगा ली। हालांकि मृतक युवक के परिजनों की ओर से मामले को लेकर तरारी थाना में अभी कोई भी आवेदन नहीं दिया गया है। तरारी थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार भास्कर ने पुलिस बल के साथ इटिम्हा गॉव पहुँच शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। हत्या है या आत्महत्या पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही कहा जा सकता हैं।●

# लाठी से पीटकर बुजुर्ग की हत्या

● गुड्डू कुमार सिंह

पीरो प्रखंड अंतर्गत हसनबाजार ओपी क्षेत्र के जमुनीपुर गांव में कथित तौर पर घर के आगे बने पुराने सीढ़ी को प्लास्टर कराने को ले हुए विवाद में कृष्णा चौधरी ( 62 वर्ष) नामक एक बुजुर्ग की लाठी डंडे और रॉड से पीटकर हत्या कर दी गई। इस घटना में मृतक के सगे भाई समेत चार अन्य लोग जख्मी भी हुए हैं जिनका इलाज आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। मृतक कृष्णा चौधरी हसन बाजार ओपी अंतर्गत जमुनीपुर गांव निवासी स्व. गुलाबचंद चौधरी के पुत्र थे। वह पेशे से किसान थे। वहीं घायलों में मृतक के छोटे भाई राम प्रवेश सिंह, चचेरे भाई अयोध्या चौधरी और दो चचेरे भतीजे शशि सुमन कुमार और रवि कुमार शामिल हैं। मृतक के भाई राम प्रवेश सिंह ने बताया कि मेरे घर का सीढ़ी पहले से बना हुआ है। उसी पुराने सीढ़ी का प्लास्टर कराया जा रहा था। तभी गांव कुछ लोग की देर शाम हमारे दरवाजे पर आए और कहने लगे कि तुम अपने पुराने सीढ़ी को प्लास्टर मत करवाओ और इसे तुड़वा दो। क्योंकि सीढ़ी के कारण गाड़ी लाने और ले जाने में दिक्कत हो रही है। इसपर रामप्रवेश सिंह ने कहा कि आसपास के कई घरों में सीढ़ी बना हुआ है।जब सभी लोग अपना सीढ़ी तोड़वा देंगे तो मैं भी तोड़ दूंगा। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच गाली-गलौज भी हुई थी। लेकिन उस समय बात खत्म हो गई थी। शनिवार की सुबह जब रामप्रवेश सिंह मिस्त्री बुलाकर अपने सीढ़ी का प्लास्टर करवा रहे थे तभी उक्त लोग वहां आए और विवाद होने लगा। इसी क्रम में उक्त लोगों द्वारा राम प्रवेश सिंह की लाठी-डंडों से पिटाई की जाने लगी।राम प्रवेश सिंह को पीटता देखा जब उनके चचेरे भाई अयोध्या चौधरी और दो चचेरे भतीजे शशि सुमन कुमार तथा रवि कुमार वहां आए तो दबंगों ने उनकी भी पिटाई कर दी। इसी दौरान खेत से लौटकर आये कृष्णा चौधरी वहां पहुंचे और अपने भाई और परिजनों को पीटता देख बचाने के लिए आ गए। लेकिन दबंगिन ने उनपर भी लाठी, डंडे और रॉड से हमला कर दिया और उन्हें मारपीट कर बुरी तरह जख्मी कर दिया और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद सभी जख्मियों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल ले जाया गया जहां कृष्णा चौधरी की गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें पटना रेफर कर दिया। लेकिन पटना ले जाने के क्रम में रास्ते मे ही कृष्णा चौधरी की मौत हो गई। जबकि अन्य जख्मियों का इलाज आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। मामले की सूचना मिलते ही हसनबाजार ओपी प्रभारी संतोष कुमार रजक आरा सदर अस्पताल पहुंचे और मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम करवाया।

☞ **मामले में चार लोग पुलिस हिरासत में** :- मृतक के भाई राम प्रवेश सिंह ने पुलिस को दिए गए बयान में गांव के ही कुछ लोगों पर मारपीट और हत्या का आरोप लगाया है। इस मामले में पुलिस ने त्वरित करवाई करते हुए चार लोगों को हिरासत में ले लिया गया। पीरो डीएसपी राहुल सिंह ने बताया की सीढ़ी बनाने को लेकर विवाद हुआ था। मारपीट में एक व्यक्ति की मौत हो गई है जबकि चार लोग जख्मी है। पुलिस त्वरित कार्रवाई करते हुए चार को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है।●

# आम ग्रामीणों के अरमान रहे अधूरे जिला पदाधिकारी से नहीं कह सके अपनी शिकायत

● गुड्डू कुमार सिंह

बिहार सरकार के निर्देश पर सूबे के सभी प्रखंडों में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जन संवाद कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन प्रभारी डीएम सह डीडीसी विक्रम विरकर, एडीएम मनोज कुमार झा एसडीओ श्रेया कश्यप ,एसडीपीओ राहुल सिंह व पंचायत के मुखिया शिव शंकर सिंह ने किया। जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान मुखिया शिवशंकर सिंह ने सभी पदाधिकारियों को अंग बस्त्र व पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में जिला विकास आयुक्त सह प्रभारी जिला पदाधिकारी विक्रम विरकर एडीएम मनोज कुमार झा कृषी पदाधिकारी राणा राजू रंजन सिंह, एसडीओ श्रेया कश्यप, डीसपी राहुल सिंह, सीओ निभा कुमारी, बीपीआरओ शशि कुमार बीसींओं सह एमओ राहुल सिंह चिकित्सा पदाधिकारी डा० अभयकान्त चौधरी थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार भास्कर के अलावा जिलास्तरीय सभी पदाधिकारी मौजूद रहे। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानीय पंचायत के मुखिया शिवशंकर सिंह ने की वही मंच संचालन स्वछता समन्वयक कृष्णा सिंह ने की। इस कार्यक्रम में सभी पंचायत प्रतिनिधि के अलावा काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। जनसंवाद कार्यक्रम में सबसे पहले विभिन्न विभाग के प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी अपने अपने विभाग द्वारा पंचायतों में संचालित योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। साथ ही समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया गया। जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान मुखिया शिवशंकर सिंह व जिला पार्षद सदस्य गिरिशनन्दन सिंह उर्फ राकेश सिंह ने कुरमुरी, डुमरियाँ, धर्मदास डिहरी व बकसंडा व देव से डटहुरी तक संडक जीर्णोदार कराने की मॉग की। जन संवाद कार्यक्रम में मुख्य रूप से पीएम आवास योजना,जल नल योजना, मनरेगा, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, राशन कार्ड, कल्याण, संखिकी, श्रम प्रवर्तन, छात्रवृति, आंगनबाड़ी, राजस्व विभाग व अन्य विभाग के पदाधिकारी अपने अपने विभाग द्वारा पंचायतों में चलाई जा रही सभी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी। ग्रामीणों के अरमान रह गए अधूरे, नहीं पहुँच सके जिला के पदाधिकारीयो के समीप

अपनी शिकायत लेकर । प्रभारी डीएम सह डीडीसी ने बताया कि यह जनसंवाद कार्यक्रम पदाधिकारी, जन प्रतिनिधि और जनता के बीच सेतु का काम कर रही है। इस कार्यक्रम के माध्यम से जनता और पदाधिकारी सीधे एक दूसरे से रुबरू होने का मौका मिला है। जिससे ग्रामीणों को कई अन्य महत्वपूर्ण योजना की जानकारी मिल रही है। साथ ही पदाधिकारी भी ग्रामीण की समस्या से ऑन द स्पॉट अवगत हो रहे हैं। ताकि समस्या का त्वरित समाधान किया जा सके। साथ ही उन्होने छठ बाद पीरो सेदंहा तरारी पथ के साथ साथ कुरमुरी, डुमरियां, धर्मदास डिहरी, बकसांडा व देव से इटहुरी संडक में कार्य शुरु होने के बात कही, साथ ही उन्होने ऐ भी कहा कि तरारी प्रखण्ड में जितनी अबादी नही, उससे अधिक शौचालय के लिए आवेदन आए, अगर शौचालय नही बनाये है तो बना लिजिए, अन्यथा पैसा वसूली भी कि जायेगी, पैसा नही लौटने के स्थिति में जेल भी जाना पडेगा। साथ ही उन्होने उच्च शिक्षा के लिए इन्टरमिडएट के बाद बालिकाओ को सालाना 01% के ब्याज व बालकों को 04% ब्याज दर शिक्षा लोन का प्रावधान है जिसके तहत 70 हजार छात्र, छात्राओं को ये ऋण दिया जा सकता है लेकिन र्दुभाग्य से एक भी छात्र छात्राए तरारी प्रखण्ड के नही है। साथ ही बिहार सरकार की सबसे बडी महत्वकांक्षी योजना के तहत भोजपुर जिला में रिकार्ड 24 हजार महादलित टोलो के बच्चो का जन्म प्रमाण निर्गत किया गया है।

जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान 07 लाख 72 हजार रूपये की लागत से निर्मित अपशिष्ट प्रसंकरण युनिट का विधिवत उद्घाटन डीडीसी विक्रम वीरकर, एडीएम मनोज कुमार झा, पंचायती राज पदाधिकारी जयंत जायसवाल, एसड़ीओ, श्रेया कश्यप, एसड़ीपीओ राहुल सिंह ने सयुक्त रूप से फिता काटकर किया ।साथ ही वृक्षारोपण भी किया गया। मौके पर जीलापार्षद सदस्य जीतेन्द्र प्रताप सिंह, जीला पार्षद सदस्य गिरिश नन्दन सिंह उर्फ राकेश सिंह, देव मुखिया प्रतिनिधी अनील गुप्ता, राजद प्रखण्ड अध्यक्ष लालबाबू सिंह, प्रखण्ड उपाध्यक्ष कवि नन्द जी पासवान, समाजसेवी रॉकी सिंह मुन्ना प्रसाद समेत हजारो महिला पुरूष मौजूद रहे।●

## प्रो. डॉ. जगदानन्द पाण्डेय जी की 34वीं पुण्यतिथि पर पहुंचे विधायक

# महाविद्यालय के कर्मियों के लंबित वेतन का हुआ भुगतान

● गुड्डू कुमार सिंह

जन सहकारी महाविद्यालय, बराप (गडहनी) भोजपुर के संस्थापक प्रो० डा० जगदानन्नद पाण्डेय जी की 34वीं पुण्य तिथि के अवसर पर महाविद्यालय के जनप्रतिनिधि - सह- अध्यक्ष अगिआंव के माननीय विधायक श्री मनोज मंजील एवं विश्वविद्यालय प्रतिनिधि सह - सचिव डा. राजू मोची तथा प्रभारी प्राचार्य डा० संजय कुमार राय एवं प्राचार्य-सह- सचिव डा. अरविन्द कुमार पंकज द्वारा संस्थापक महोदय के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजली अर्पित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित छात्र-छात्राओं, शिक्षक/शिक्षकेतर कर्मचारिय एवं अभिभावक द्वारा भी पुष्पांजली अर्पित किया गया। उसके बाद माननीय अध्यक्ष महोदय मनोज मंजिल द्वारा महाविद्यालय के मृतक कर्मी स्व.अश्विनी कुमार पंडित, (प्रधान लिपिक) एवं स्व. विरेन्द्र सिंह (आदेशपाल) के आश्रितों को उनके बकाया राशि का भुगतान चेक के माध्यम से किया गया। वाई-फाई एवं बायोमैट्रिक मशीन का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि यह अगिआंव विधानसभा का इकलौता कॉलेज है, इस कॉलेज को हमे और बेहतर बनाना है । 26 माह से शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों का वेतन लंबित था जिसका भुगतान करा दिया गया है। इस अवसर पर माले नेता राम छपित राम, आरवाईए के युवा नेता अप्पू कुमार यादव, शिक्षाविद डा० मिथलेश कुमार पाण्डेय, प्रो.सज्जाद हैदर,प्रो. शमीम अहमद,दिनेश तिवारी, मृत्युंजय सिंह, सुरेश सिंह, ब्रजेश तिवारी, सचिन पाण्डेय, कौशलेश कुमार, विष्णु शंकर त्रिपाठी, दयाशंकर सिंह सहित महाविद्यालय के कर्मी एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। ●

पंजाब नैशनल बैंक
punjab national bank
चारपोखरी (भोजपुर) बिहार
CHARPOKHARI, (Bhojpur) BIHAR - 802203
RTGS/NEFT IFS Code : PUNB0140300
सभी शाखाओं पर देय PAYABLE AT ALL BRANCHES
3 1 1 0 2 0 2 3
D D M M Y Y Y Y
PAY सोना मुनी देवी
या धारक को OR BEARER
रूपये RUPEES दो लाख छ्यानवे हजार एक सौ रु० मात्र
अदा करें ₹ 296100:00
खाता सं० A/c. No. 1403002100000960
चालू खाता CURRENT A/c
1403002100000960 Raju Mochi
GZO
विश्वविद्यालय प्रतिनिधि -सह- सचिव
जन सहकारी डिग्री कॉलेज
बराप (गड़हनी), भोजपुर
JAN SAHKARI DEGREE COLLEGE
प्रभारी प्राचार्य
जन सहकारी डिग्री महाविद्यालय
बराप (गडहनी) भोजपुर
"074209" 802024601:

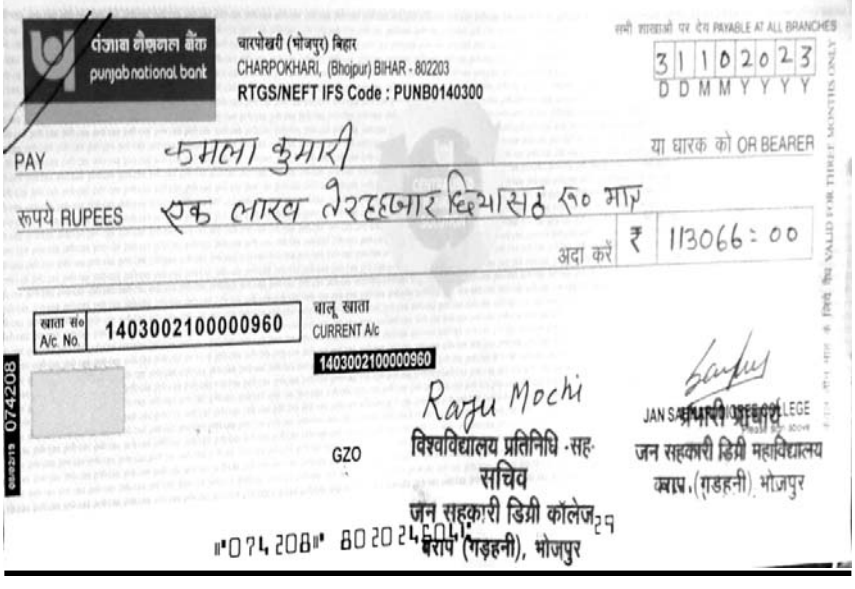
पंजाब नैशनल बैंक
punjab national bank
चारपोखरी (भोजपुर) बिहार
CHARPOKHARI, (Bhojpur) BIHAR - 802203
RTGS/NEFT IFS Code : PUNB0140300
सभी शाखाओं पर देय PAYABLE AT ALL BRANCHES
3 1 1 0 2 0 2 3
D D M M Y Y Y Y
PAY कमला कुमारी
या धारक को OR BEARER
रूपये RUPEES एक लाख तेरहहजार छियासठ रु० मात्र
अदा करें ₹ 113066:00
खाता सं० A/c. No. 1403002100000960
चालू खाता CURRENT A/c
1403002100000960 Raju Mochi
GZO
विश्वविद्यालय प्रतिनिधि -सह- सचिव
जन सहकारी डिग्री कॉलेज
बराप (गड़हनी), भोजपुर
JAN SAHKARI DEGREE COLLEGE
प्रभारी प्राचार्य
जन सहकारी डिग्री महाविद्यालय
बराप (गडहनी) भोजपुर
"074208" 802024601:
074208

# विकास कार्यों में बाधा के खिलाफ धरना पर बैठी मुख्य पार्षद

● गुड्डू कुमार सिंह

पीरो नगर परिषद द्वारा प्रस्तावित विकास कार्यों में कतिपय लोगों द्वारा उत्पन्न की जा रही बाधा को लेकर मुख्य पार्षद किरण उपाध्याय अपने समर्थक वार्ड पार्षदों के साथ शुक्रवार को दो दिवसीय घरना पर बैठ गई । धरना में उनके समर्थक सैकडों महिलाएं भी शामिल हुई। धरना स्थल पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए मुख्य पार्षद ने कहा कि नगर परिषद द्वारा मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट के रूप में प्रस्तावित सम्राट अशोक भवन के निर्माण, सार्वजनिक शौचालय के आधुनिकीकरण, नगर की साफ-सफाई, ट्रैफिक जाम की स्थिति से निपटने के लिए किए जा रहे प्रयास सहित ऐसे जनहित के कार्यों में कतिपय लोगों द्वारा जानबूझ कर व्यवधान पैदा किया जा रहा। उन्होंने कहा कि ऐसा करने वाले लोग राजनीतिक प्रतिद्वंदिता में पिछडने के बाद जानबूझकर षड्यंत्र कर रहे हैं। कुछ लोगों द्वारा मेरे समर्थक वार्ड पार्षदों को डराने धमकाने का भी प्रयास किया जा रहा है। मुख्य पार्षद द्वारा यह आशंका जाहिर की गई कि व्यवधान पैदा करने वाले लोग उनके, उनके पति या उनके सहयोगियों की हत्या भी करवा सकते हैं। ऐसे में इस विषम स्थिति से निपटने के लिए निरोधात्मक कार्रवाई आवश्यक है। अन्यथा स्थानीय लोगों ने जिस उम्मीद व विश्वास के साथ उन्हें पीरो नगर की जिम्मेवारी सौंपी है वे उम्मीदें पूरी नहीं हो पाएगीं और अराजक तत्व अपना मंशा पूरा करने में कामयाब हो जाएगें। मुख्य पार्षद ने शासन प्रशासन से ऐसे अराजक तत्वों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई की मांग की । उन्होंने चेताया कि यदि उन्हें उचित सहयोग नहीं मिला तो वै अपने समर्थकों के साथ आमरण अनशन पर बैठने के लिए बाध्य होगीं। इस दौरान प्रशासन की ओर से धरना पर पहुंचे प्रखंड विकास पदाधिकारी को मुख्य पार्षद द्वारा 12 सूत्री मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा गया । धरना में कई वार्ड पार्षद भी मौजूद थे।●

# भाजपा हटाओ-प्रदेश बचाओ का लिया गया संकल्प

● गुड्डू कुमार सिंह

तरारी प्रखंड मुख्यालय में अवस्थित सामाजिक बदलाव के महानायक कॉ रामनरेश राम के स्मारक पर माल्यार्पण कर 13 वां स्मृति दिवस मनाया गया. इस दौरान उनकी याद में दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि दिया गया । प्रखंड के सैकड़ों लोगों ने उनके तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किए. इस मौके पर भाजपा हटाओ-देश बचाओ का संकल्प लिया गया। इसके उपरांत भाकपा (माले) प्रखंड कार्यालय पर कार्यकर्त्ता कन्वेंशन का आयोजन हुआ। कार्यकर्त्ता कन्वेंशन में पार्टी को विस्तार और मजबूत करने के लिए गांव-गांव में सदस्यता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। सदस्यता अभियान के बाद पंचायतों में कमिटी का गठन किया जाएगा, इसके लिए प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में 15 नवंबर से 25 नवंबर तक पंचायत सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। कार्यकर्त्ता कन्वेंशन को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि मोदी सरकार देश में संविधान और लोकतंत्र को खत्म कर तानाशाही थोपना चाहती है। सभी संवैधानिक संस्थाओं को पालतू तोते की तरह अपने हिसाब से इस्तेमाल कर रही है। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया पर नकेल कस रही है, जनपक्षर मीडिया के खिलाफ यूएपीए का इस्तेमाल हो रहा है। विरोध की सभी आवाजों को दबाने पर आतुर है। देश के वंचित तबकों के हिस्सेदारी को छीन रही है। इसीलिए जातिय जनगणना से भाग रही है। केंद्र सरकार बिना देरी के राष्ट्रीय स्तर पर जातिय जनगणना कराए.आगामी लोकसभा चुनाव में मोदी सरकार को केंद्र की सत्ता से उखाड़ फेंकने का आह्वान किया गया। स्मृति दिवस के मौके पर आयोजित कार्यकर्त्ता कन्वेंशन में भाकपा (माले) प्रखंड सचिव रमेश जी,जिला कमिटी सदस्य कामता प्रसाद सिंह, युवा नेता सुधीर यादव,प्रखंड कमिटी सदस्य कृष्णा प्रसाद गुप्ता, रामदयाल पंडित, मोहर्रम अंसारी, सुदामा पासवान,विजेंद्र सिंह,रामबचन राम, सुरेंद्र राम, दिनेश राम, पारसनाथ राम, मुकेश सिंह, विजय राम, राजेश कुमार, नीतीश पासवान, अर्जुन कुमार समेत सैंकड़ों लोगों ने भाग लिया।●

# अपने ही नियम की धज्जियाँ उड़ाती अंचलाधिकारी बिहिया

● बिन्ध्याचल सिंह

प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय में राजस्व अधिकारी के रूप मे आम जनता की सेवा करने में निशा यादव अपने कर्तब्यनिष्ठता रूपी घर प्रत्येक प्रखण्डवासीयो के दिल में बना चुकी थी । जिससे आम जनता जिन्हे वर्षो से अपनी जमीन की समस्या से जुझ रहे थे, राहत की सांस ली। परन्तु समय बीतता गया और राजस्व अधिकारी सह अंचलाधिकारी बिहिया की कर्तब्यनिष्ठता में भ्रष्टाचार की हवा लगने लगी, उक्त बात की जानकारी शिवपुर पंचायत के वार्ड नंम्बर -08 के ग्रामिणो ने केवल सच प्रतिनिधि को दी। जबकि घाघा पंचायत के अम्या गॉव के आम जनता की बातो का निष्कर्ष निकाला जाय तो आप बेसक कह सकते है कि आदरणीय निशा यादव पूर्णत: गैर जिम्मेवारी से पूर्णत: जिम्मेवारी में आने को बिनोभा भावे ने हनुमान कुद कहा है उसी प्रकार निशा यादव पूर्णत: ईमानदारी से पूर्णत: भ्रष्टाचारी हो चुकी है । जिसका प्रमाण विगत छ: माह के किये गये दाखिल खारिज के कार्यो से प्राप्त कर सकते है। इसी क्रम में केवल मौजा- जादोपुर खाता- 112 के विभित्र खेसरा के बातो को सिलसेवार जानकारी उपलब्ध करा रहे है। जो इस प्रकार है । खाता- 112, खेसरा - 185 जो सुरेश यादव के नाम दाखिल खारिज किया गया है, वह खेसरा हिरालाल सिंह के दखल कब्जा में विगत पचास साल से चला आ रहा है। खेसरा - 783 जो सोनाझारी देवी व राजनरायण के नाम दाखिल खारिज किया गया है, वह स्वर्गीय नमी साह के पुत्रो का दखल कब्जा है, खेसरा -787 जो तेतरा देवी व संजय सिंह व सुरेन्द्र सिंह के नाम दाखिल खारिज किया गया है जो हिरा लाल के दखल कब्जा में है जहाँ खबर

लिखे जाने तक हिरालाल सिंह का टैक्टर की टाली रखी हुई है। खेसरा-791 जो स्वर्गीय पलिता यादव के वंशजो का दखल कब्ज है जिसका दाखिल खारिज सूर्यकान्ती देवी व आरती देवी के नाम दाखिल खारिज किया गया है। जो जॉच का विषय है। उपरोक्त जानकारी के आलोक में जब दखल कब्ज किसी और का और दाखिल खारिज किसी और के नाम तो खेसरा 785 का दाखिल खारिज क्यो नही? प्रिय पाठकगण आपलोगो को जानकर आश्चर्य होगा कि कुल दाखिल खारिज के आवेदन का रिर्पोट राजस्व हल्का कर्मचारी के द्वारा केवल एक चौथाई ही उपलब्ध कराई जाती है जो पूर्णत: कर्तब्यनिष्ठता है जबकि एक चौथाई दलालो के दबाव में रिर्पोट बनाते है, बाकि आधा रिर्पोट अंचलाधिकारी के आदेश के आलोक में रिर्पोट बनाते है, जो जॉच का विषय है। जानकारो के अनुसार अंचल कार्यालय, बिहिया में विगत 10 वर्षो का इतिहास रहा है कि दाखिल खारिज के आवेदन को निष्पादन करने में न्युनतम - 2000 /- से 80000/-रू0 ली जा रही है। जो बिहिया प्रखण्ड के पंचायत शिवपुर, तियर व कमरियॉव से सम्बन्धित है । उपरोक्त सभी खबर केता व समाजसेवी के जानकारी के आलोक में सूचीबद्ध की गई है। जो जॉच का विषय है।●

# शराब की बाढ़ में एनडीआरएफ की टीम साबित हुई बक्सर पुलिस

● बिन्ध्याचल सिंह

वर्ष 2013 से बक्सर पुलिस का इतिहास रहा है कि हत्यारोपी और विभित्र कांडो में फरार अभियुक्तो को पकड़ने में बक्सर पुलिस सफल होती रहती है, जिसको नकारा नही जा सकता है । बक्सर जिला में थानाध्यक्ष के रूप में सेवा दे रहे कुछ तेज तर्रार पुलिस पदाधिकारीयो की कार्यकाल की समीक्षा की जाय तो बक्सर पुलिस की सफलता में विभित्र थाना की पुलिस की योगदान सराहनीय है। जिसमें वर्तमान थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मालाकार, डुमरॉव, नगर थानाध्यक्ष मुकेश कुमार,बक्सर ब्रहम्मपुर थानाध्यक्ष रंजीत कुमार इत्यादि । जिले के केवल कृष्णब्रहम्म थाना की बात की जाय तो बिहार का कोई भी तेज तर्रार पदाधिकारी अगर कृष्णब्रहम्म थाना की कमान सम्भालता है तो टुंडीगंज में बिगत वर्षो से बिक रही हीरोईन नशा पर काबु नही पाया जा सकता है। प्रिय पाठकगण आप लोगो को जानकारी के लिये बता दूँ कि वर्तमान में शराब की हब बन चुका कृष्णाब्रहम्म थाना अन्तर्गत नोनिया डेरा, ब्रहम्मपुर थाना अन्तर्गत मंदिर परिसर, ब्रहम्मपुर व रघुनाथपुर बाजार, सोनवर्षा ओपी अन्तर्गत सोनवर्षा बाजार अव्वल है। जिला के सीमा से सटे थानो की हक्कीकत यह है कि माह अक्टुबर- 2023 में दो कंटेनर से लगभग 13500 लीटर शराब अपने खुफिया तंत्र के सहयोग से पकड चुकी है। जिसका बाजार मुल्य लगभग ढाई करोड रूपया लगाई जा रही है। पकडी गई शराब का विनिष्टीकरण 19 अक्टुबर 2023 को जिला प्रशासन की देखरेख में बाजार समिति में कर दी गई। जो बिहार के अन्य जिला प्रशासन के लिये अनुकरणीय है।●

# ललित नारायण मिश्रा आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन संस्थान के नवनिर्मित शैक्षणिक भवन का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

● **त्रिलोकी नाथ प्रसाद**

मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने 11 नवम्बर को ललित नारायण मिश्रा आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन संस्थान के नवनिर्मित शैक्षणिक भवन, मुख्य भवन के सौंदर्यीकरण एवं जीर्णोद्धार कार्य का शिलापट्ट अनावरण कर एवं फीता काटकर उद्घाटन किया तथा नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डंग एवं टेक्निकल बिल्डिंग के विभिन्न कक्षों, कार्यालयों का भी निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने ललित नारायण मिश्रा आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन संस्थान की छात्राओं द्वारा तैयार की गयी रंगोली का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ललित नारायण मिश्रा आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन संस्थान के परिसर में स्थापित स्व० ललित नारायण मिश्रा जी की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर वित्त, वाणिज्य कर सह संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, षिक्षा मंत्री श्री चन्द्रशेखर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री के0के0 पाठक, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ0 एस0 सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, पटना प्रमण्डल के आयुक्त श्री कुमार रवि, बिहार राज्य शैक्षणिक आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री बी0 कार्तिकेय धनजी, पटना के जिलाधिकारी श्री चन्द्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक श्री राजीव मिश्रा एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। ●

# जल-जीवन-हरियाली अभियान को सबसे पहले स्वयं से शुरु करें : निदेशक

● अमित कुमार

जल-जीवन-हरियाली अभियान की शुरूआत सबसे पहले स्वयं से शुरू करें, ताकि जनमानस में सरकार के कार्यक्रम/योजनाएँ जो जनता के लिए ही हैं, उसके प्रति अधिकाधिक स्वीकार्यता बढ़े। सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग द्वारा सूचना भवन स्थित 'संवाद' सभाकक्ष में बीते 7 नवम्बर को आयोजित जल-जीवन-हरियाली दिवस संबंधी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए निदेशक, श्री अमित कुमार ने उपर्युक्त बातें कहीं। उन्होंने अपने संबोधन में जोर देकर कहा कि यह आयोजन महज विचार व्यक्त करने तक सीमित न रहकर निरंतर इस दिशा में कार्य करने हेतु आगे बढ़ने का फोरम बने तभी इसकी सार्थकता सिद्ध होती है। निदेशक ने जल-जीवन-हरियाली अभियान से जुड़े 11 घटकों की क्रमबद्ध चर्चा करते हुए इसकी गंभीरता तथा उपयोगिता पर व्यापक प्रकाश डाला।

कार्यक्रम को मिशन उप निदेशक श्री अजित कुमार ने भी संबोधित करते हुए इस अभियान के विभिन्न घटकों पर कार्यों के परिणामस्वरूप प्राप्त उपलब्धियों पर चर्चा की।

सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के संयुक्त सचिव श्री सत्येन्द्र कुमार सिंह ने सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग द्वारा इलेक्ट्रोनिक एवं सोशल मीडिया के जरिए सरकार के कार्यों के प्रचार-प्रसार पर प्रकाश डाला। कृषि विभाग के उप निदेशक श्री शशि शेखर मंडल ने पृथ्वी पर उपलब्ध जल से जुड़े कई अहम् तथ्यों पर प्रकाश डालते हुए इसके संरक्षण के उपायों पर जोर दिया, भवन निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता श्री विनोद चौधरी ने विभाग द्वारा कई निर्माण कार्यों, उपलब्धियों सहित रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की उपयोगिता को रौशन किया। साथ ही श्री चौधरी ने बिहार सरकार के इस अभियान की चर्चा युनाइटेड नेशंस महासभा में किए जाने की जानकारी देते हुए बिहार के प्रति गौरव-बोध भी कराया। सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के उप निदेशक श्री लाल बाबू सिंह ने पृथ्वी के गर्म होने से उत्पन्न प्रभावों का जिक्र करते हुए भावी पीढ़ी के अस्तित्व पर संकट की चिंता व्यक्त करते हुए जन-जन से आग्रह किया कि पर्यावरण संरक्षण को अपनी प्राथमिकताओं में डालें। सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के पी0आर0 एक्सपर्ट श्री आनंद कौशल ने विभाग द्वारा किए जा रहे तमाम प्रचार-घटकों के संदर्भ में जानकारियाँ दी।

उक्त कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए उप सचिव श्री शिवशंकर लाल श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण एवं विषय उपस्थापन किया। उन्होंने जल-जीवन-हरियाली अभियान के संदर्भ में महत्वपूर्ण जानकारियाँ देते हुए बताया कि प्रत्येक माह का प्रथम मंगलवार इसके लिए समर्पित है तथा इस अभियान से जुड़े विभागों में से किसी एक विभाग द्वारा ऐसा आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में आज सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग इस उत्तरदायित्व को निभा रहा है। कार्यक्रम का संचालन उप निदेशक श्री सुनील कुमार पाठक ने किया और जल-जीवन-हरियाली अभियान में शामिल सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग की महनीय भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में उप निदेशक डॉ0 नीना झा ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सर्वप्रथम माननीय मुख्यमंत्री के जल-जीवन-हरियाली अभियान की सोच तथा संकल्प के प्रति आभार व्यक्त किया तथा बाद में कार्यक्रम में सहभागी प्रतिभागी तमाम पदाधिकारी/कर्मियों के सौजन्य से एक सफल आयोजन हेतु सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया।

उक्त कार्यक्रम के प्रारंभ में पारम्परिक रीति का पालन करते हुए दीप प्रज्वलन सहित सभी को पौधा भी भेंट किया गया। कार्यक्रम में सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के सभी वरीय पदाधिकारी (संयुक्त सचिव श्री संजय कृष्ण, संयुक्त सचिव श्री मृणायक दास, संयुक्त निदेशक श्रीमती माला कुमारी, संयुक्त निदेशक श्री रवि भूषण सहाय आदि) सहित अन्यान्य पदाधिकारी तथा कर्मी के अतिरिक्त उक्त अभियान के विभिन्न 15 घटक विभागों के नोडल पदाधिकारी तथा प्रतिनिधि भी मौजूद थे।●

# राजभवन में उत्तराखंड दिवस का आयोजन

● **अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद**

महामहिम राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने बीते 9 नवम्बर को राजभवन, बिहार के दरबार हॉल में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के तहत आयोजित उत्तराखंड के स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी भारतवासी राष्ट्रीय एकता के सूत्र से बँधे हुए हैं, हम सब एक हैं। इस भाव को उजागर करने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' जैसे कार्यक्रमों के आयोजन से हमारी राष्ट्रीय एकता की भावना का प्रकटीकरण होता है। राज्यपाल ने कहा कि भारत जब-जब एक होता है तब-तब श्रेष्ठ होता है। एकत्व का भाव मजबूत रहने पर ही हम श्रेष्ठ रहेंगे। हमारे देश की गुलामी का कारण एकता का अभाव ही रहा है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक एकता हमारे मन के भीतर होती है। हम सब भारतमाता की संतान हैं और हमें एकत्व के भाव को जागृत करने की आवश्यकता है।

राज्यपाल कहा कि भारत के सभी राज्यों में अन्य प्रदेशों के लोग रहते हैं और धीरे-धीरे वहाँ की संस्कृति के साथ तादात्म्य स्थापित कर लेते हैं। उन्होंने बिहार में रह रहे उत्तराखंड के लोगों को आपस में मिलने-जुलने पर जोर देते हुए कहा कि इससे एकत्व का भाव बढ़ता है और धीरे-धीरे इसका विस्तार होता जाता है। अन्य राज्यों के लोगों को भी ऐसा करना चाहिए। हमें दूसरे राज्यों की भाषायें भी सीखनी चाहिए। इससे एकत्व का सूत्र उजागर होता हैं। राज्यपाल ने इस अवसर पर भारतमाता के चित्र पर माल्यार्पण किया।

कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण, राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री रॉबर्ट एलङ्क चोंग्थू, बिहार में पदस्थापित उत्तराखंड के पदाधिकारीगण एवं उनके परिजन, बिहार में पढ़ाई कर रहे उत्तराखंड की छात्र-छात्राएँ तथा राज्यपाल सचिवालय के पदाधिकारीगण एवं कर्मीगण उपस्थित थे।●

# अंतर्राष्ट्रीय पावापुरी महोत्सव-2023 का शुभारंभ

● ललन कुमार

बीते 11 नवम्बर को मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर के 2549वें निर्वाण दिवस के अवसर पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय पावापुरी महोत्सव- 2023 का पवित्र कलश स्थापित कर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में जन समुदाय द्वारा मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र एवं पुष्प-गुच्छ भेंटकर अभिनंदन किया गया। मुख्यमंत्री ने अगले वर्ष होनेवाले भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव के 2550वें प्रतीक चिह्न का रिमोट के माध्यम से अनावरण किया। दो दिवसीय पावापुरी महोत्सव समारोह में शामिल होने से पहले मुख्यमंत्री ने श्री दिगंबर जैन कोठी स्थित दिगंबर जैन मंदिर में पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। दिगंबर जैन मंदिर के प्रांगण में मुख्यमंत्री ने फीता काटकर नवनिर्मित प्याऊ का शुभारंभ किया और वहां ध्वजारोहण भी किया। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री श्री श्वेतांबर जैन मंदिर एवं जल मंदिर, पावापुरी में पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने समारोह स्थल के समीप जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का मुआयना किया। इस अवसर पर वित्त, वाणिज्यकर एवं संसदीय कार्य मंत्री सह नालंदा जिले के प्रभारी मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण विकास मंत्री श्री श्रवण कुमार, सांसद श्री कौशलेंद्र कुमार, हिलसा के विधायक श्री कृष्ण मुरारी शरण उर्फ प्रेम मुखिया, विधान पार्षद श्री ललन सर्राफ, विधान पार्षद श्रीमती रीना यादव, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त परामर्शी श्री मनीष कुमार वर्मा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ0 एस0 सिद्धार्थ, पटना के प्रमंडलीय आयुक्त श्री कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, पटना प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक श्री राकेश राठी, पटना जिला के जिलाधिकारी श्री चंद्रशेखर सिंह, नालंदा जिला के जिलाधिकारी श्री शशांक शुभंकर, पटना जिला के वरीय पुलिस अधीक्षक श्री राजीव मिश्रा, नालंदा जिला के पुलिस अधीक्षक श्री अशोक मिश्रा, जैन मुनि श्री पराग जैन, श्री जगदीश जैन, जैन धर्मावलंबी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। ●

# पिपराटांड आदिवासी गांव में स्कूल का उद्घाटन

भगवान बिरसा मुंडा सिद्धो-कान्हु, तिलका मांझी, बुधु भगत, शेख भिखारी, वीर बंधु भागीरथ मांझी अनेक महान, और स्वतंत्रता सेनानियों के पावन भूमि झारखंड के कोडरमा जिले में डोमचांच प्रखंड के पिपराटांड़ आदिवासी ग्राम में एकता परिषद झारखंड के संरक्षक भाई रामस्वरूप जी के प्रयास से शिक्षा की लो जलाने के लिए एक स्वयंसेवी संगठन असीम प्रोजेक्ट के तहत अपना स्कूल खोला गया, अपना स्कूल का उद्घाटन डोमचांच प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी, जिला परिषद सदस्य और उस पंचायत के मुखिया के द्वारा दीप प्रज्वलित कर और नारियल फोड़ कर किया गया, एक उपेक्षित और विकास से वंचित पिपराटांड़ गांव की दशा और दिशा बदलने का संकल्प लिया गया। प्रस्तुत है **अरविंद मिश्रा** की रिपोर्ट :-

1 नवंबर सचमुच पिपराताड़ गांव के लिए अमृत महोत्सव का दिन था, आजादी का दिन था, उस अपेक्षित आदिवासी गांव में ना तो आजादी के बाद बिजली मिली, ना पानी की कोई व्यवस्था, ना इंदिरा आवास ,ना विद्यालय , ना सड़क ,यानी सरकार से मिलने वाले जितने भी योजनाएं हैं, उन तक पहुंच ही नहीं पाई थी, उस घने जंगल में रहने वाले आदिवासी परिवार के लोग अपने मौलिक अधिकारों से पूर्णत: वंचित थे, पानी के लिए कोसों दूर जाना पड़ता था, दूसरे विद्यालय में बच्चों पढ़ने इसलिए नहीं जाते थे , क्योंकि उस घने जंगल में हिंसक पशुओं से डर बना रहता था, बन पट्टा नहीं मिलने के वजह से ग्रामीणों को विकास से वंचित कर दिया गया था, लेकिन अंधकार कितना भी घना क्यों नहीं हो, सूर्योदय होता है, और एक नन्हा सा सूर्य प्रकाशित करने के लिए उसे घने कोहरे गांव में प्रवेश किया एसजीबी फाउंडेशन जो सदैव वंचित वर्ग के लिए उनके बच्चों के उत्थान और शिक्षा के लिए काम करता है, असीम प्रोजेक्ट, एसजीबी फाउंडेशन, जिसकी डायरेक्टर श्रीमती विजया रामचंद्रन हैं, जो भारत के 8वें महामहिम राष्ट्रपति रामास्वामी वेंकेटरमण की पुत्री हैं, उनके हृदय में गरीबों के बच्चे कैसे शिक्षा के मुख्य धारा से जुड़े उसके लिए सदैव प्रयासरत रहती हैं, और वैसे वंचित समुदाय के ग्रामों में अपना स्कूल खोलकर बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का प्रयास संस्था को रहा है इसी क्रम में झारखंड के समाजसेवी एकता परिषद के झारखंड के संरक्षक रामस्वरूप जी और संस्था के कोऑर्डिनेटर प्रदीप भाई के प्रयास से पिपराताड वंचित गांव में 1 नवंबर को अपना स्कूल खोला गया, अपना स्कूल का उद्घाटन डोमचांच प्रखंड के कर्मठ प्रखंड विकास पदाधिकारी सना उस्मानी, शांति प्रिया जिला पार्षद, मसनोडीह पंचायत के मुखिया पुष्पा देवी, एकता परिषद के राज संरक्षक भाई रामस्वरूप जी ,और संस्था के कोऑर्डिनेटर प्रदीप जी द्वारा संयुक्त दीप प्रज्वलित कर और नारियल फोड़कर किया गया, उस क्षेत्र के उपेक्षित गांव के ग्रामीणों में एक उत्साह था, क्योंकि पहली बार एक साथ प्रशासनिक पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि थे, छोटे-छोटे बच्चे बहुत खुश महसूस कर रहे थे क्योंकि उन्हें अब लग रहा था कि हम भी पढ़ेंगे, प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित की, और गांव की दुर्दशा को देखकर उन्होंने विकास के लिए भरसक हर प्रयास करने का आश्वासन ग्रामीणों को दिया, वहीं जिला परिषद शांतिप्रिय ने भी जिला परिषद फंड के द्वारा अधिक से अधिक विकास की बात कही, वही उस पंचायत के मुखिया पुष्पा देवी ने भी अपने फंड से उस गांव के दशा और दिशा बदलने की बात कही, जल्द ही उसे गांव में सोलर लाइट लगाने भरोसा दिलवाया, प्रखंड विकास पदाधिकारी समा उस्मानी ने एकता परिषद के राज्य संरक्षक भाई रामस्वरूप जी के द्वारा उठाए गए सवाल पर बन पट्टा पर, उन्होंने कहा कि जल्द ही जिलाधिकारी महोदय से मिलकर हर गरीबों को उनके मौलिक अधिकारों को दिया जाएगा, प्रखंड विकास पदाधिकारी समा उस्मानी , जिला पार्षद शांति प्रिया, मुखिया पुष्पा देवी और संस्था के प्रदीप जी, रामस्वरूप जी द्वारा बच्चों के

बीच फल, बिस्कुट, चॉकलेट आदि भी वितरित किए, कई घंटे पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि ग्रामीणों के बीच बैठकर उनके सुख-दुख को सुनते रहे, ग्रामीणों द्वारा आए अतिथियों को इस तरह से स्वागत किया जैसे लगा विदुर के घर कृष्णा आए हैं, क्योंकि मूढ़ी (भूंजा) और गुड और बदाम का बना मिष्ठान नाश्ते में दिया गया, जिसे उपस्थित प्रखंड विकास पदाधिकारी से लेकर सभी लोगों ने बड़े प्रेम से खाया, जंगली फूलों से बनाया गया माला महिलाओं ने बड़े प्रेम से प्रखंड विकास पदाधिकारी को पहनाई, अशिक्षित समाज में शिक्षा की लौ का प्रकाश उस गांव के विकास के लिए प्रारंभ हुआ , इस अवसर पर कैलाश हंसदा प्रदुमन जी, केदार यादव, धर्मेंद्र मांझी, मुखिया प्रतिनिधि रामदेव पासवान, पूर्व मुखिया राजेंद्र मेहता सहित काफी संख्या में ग्रामीण भी उपस्थित थे, अब तो समय ही बताएगा की कितना विकास पिपरा ताड़ गांव में होगा, विकास की गंगा तभी बहेगी, जब कोडरमा जिला के बहुत ही कर्मठ और जनप्रिय 2016 बैच की IAS मेघा भारद्वाज ऐसे गांव को चुनौती में ले, और उन गरीबों को हितों के लिए सरकार द्वारा मिलने वाली सारी योजनाओं को पहुंचने के लिए व्यापक रूप से दिशा निर्देश दें, अब तो लगता है कि आदिवासी ग्रामों का विकास और उनके मौलिक अधिकार देने का कोई भी बहाना पदाधिकारी नहीं कर पाएंगे, क्योंकि 17 वर्षों के बाद झारखंड के युवा तुर्क न्याय प्रिय मुख्यमंत्री ने अबुआ वीर.. अबुआ दिशोम अभियान का शुभारंभ कर हमर जंगल, हमर अधिकार के तहत जंगलों में बसे ग्रामीणों को बन पट्टा की शुरुआत की है, ताकि हर गरीब , दलित शोषित, ग्रामों में अधिक से अधिक विकास हो सके, वही जल जंगल जमीन के लिए और बन पट्टा के लिए कई बरसों से संघर्ष करने वाले एकता परिषद के राज संयोजक भाई रामस्वरूप जी ने भी बन पट्टा की सुकृति के लिए झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी को भी बधाई दिए हैं, अब तो लगता है भगवान बिरसा मुंडा तिलकामांझी जैसे सैकड़ो महापुरुषों ने जो अपने तप, त्याग, बलिदान देकर जो झारखंड के गरीब दलित ,शोषित, वंचित वर्गों के जो सपना देखा था, वह सपना लगता है कि झारखंड के युवा तुर्क और जनप्रिय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रयास से होगा, क्योंकि कई मुख्यमंत्री झारखंड में आए, लेकिन वन अधिकार अधिनियम जो 2006 में पारित था, उसे अली जामा पहनाने के लिए कोई जबरदस्त प्रयास नहीं किया गया, अगर उन मुख्यमंत्री के द्वारा प्रयास होता तो पिपराताड़ जैसे सैकड़ो गांव आज विकास से और मौलिक अधिकारों से वंचित नहीं होते, चलिए एक नन्हा सा सूर्योदय का प्रारंभ पिपरा गांव के लिए हुआ, और उसके लिए बधाई के पास प्रखंड विकास पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और स्वयंसेवी संगठन के लोग हैं, जो ऐसे सुदूर जंगलों में आकर निर्भीक होकर अपने कर्तव्यों को पालन कर उन बुझे चेहरे पर मुस्कुराहट देने का प्रयास किया।●


# अभी कलम उठाइये

**आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें**

**सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308**

**ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।**

# रिम्स से फरार इलाजरत कैदी ने किया सरेंडर

● ओम प्रकाश

रिम्स से इलाजरत फरार विचाराधीन बंदी सूरज मुंडा ने शुक्रवार को चुटिया थाना प्रभारी वेंकटेश कुमार के समक्ष सरेंडर कर दिया। वह 31 अक्टूबर को शौच जाने के लिए रात 2.30 बजे अपने बेड से उठा। उसके बाद फरार हो गया था। उसने हथकड़ी अपने हाथ से निकाल ली थी। इसके बाद वह फरार हो गया था। उसकी सुरक्षा में आरक्षी मंगल सिंह पिंगुवा, दिलीप कुमार सिंह और बल चरण उरांव को लगया गया था। जिन्हें घटना के बाद एसएसपी ने सस्पेंड कर दिया है। विचाराधीन कैदी सूरज मुंडा को मेडिसीन के आईसीयू बेड संख्या तीन पर इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। चुटिया थाना की पुलिस ने उसे एक चोरी के मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

बता दे कि रिम्स से फरार कैदी सूरज की तलाश में अलग अलग स्थानों पर पुलिस छापेमारी कर रही थी। सुरक्षा में तैनात आरक्षी चरण उरांव के बयान पर बरियातू थाने में कैदी सूरज मुंडा के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की गई है। चरण की ओर से दिए गए आवेदन में कहा गया है कि नौ अक्तूबर को कैदी सूरज की सुरक्षा में उन्हें लगाया गया था। उनके साथ आरक्षी दिलीप कुमार सिंह और मंगल सिंह पिगुवा की भी तैनाती की गई थी। तीनों ने आपस में कैदी की सुरक्षा के लिए समय बांट लिया था। सुबह छह से दो बजे तक मंगल, दोपहर दो से रात दस तक दिलीप और रात 10 से सुबह छह बजे तक वह सुरक्षा संभालते थे। 31 अक्तूबर को अहले सुबह तीन बजे उसने सूरज के हाथ में हथकड़ी लगाकर बेड में फंसा दिया। इसके बाद वह शौच के लिए गए। 20 मिनट के बाद जब वह लौटे तो देखा कि कैदी बेड पर नहीं है। आसपास में खोजबीन करने के बाद बरियातू पुलिस को मामले की जानकारी दी गई। बरियातू पुलिस ने भी कैदी की काफी तलाश की, लेकिन वह नहीं मिला।इसके बाद उसने बरियातू थाना पहुंचकर कैदी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी। इधर आरोपी सूरज मुंडा रिम्स से भाग कर इधर उधर छिप कर रह रहा था। शुक्रवार को वह अपने घर चुटिया पहुंचा था। जैसे ही इसकी जानकारी चुटिया के दो समाजसेवी रवि गोप और कुलदीप लोहरा को मिली, उन्होंने उसपर दबाव बनाया। दोनों ने सूरज से कहा कि ये गलत है, पहले से जेल में बंद था फिर भागकर और केस दर्ज करवा लिया। ज्यादा दिन पुलिस से बच नहीं पाएगा। कबतक इधर उधर भागता रहेगा। एक तो तबियत खराब है। इसलिए सीधे थाना जाकर सरेंडर करो।वहीं चुटिया थाना के थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर वेंकटेश कुमार ने भी उसपर दबाव बनाया। ताबड़तोड़ छापेमारी कर उसके कई रिश्तेदारों से पूछताछ की।पुलिस के भारी दबाव से और दोनो समाजसेवी की पहल के बाद सूरज मुंडा अपनी पत्नी, भाई और स्थानीय समाजसेवी के साथ शुक्रवार देर शाम थाना पहुंचा और सरेंडर किया। उसने थाना प्रभारी को बताया कि जब पुलिस उसे छोड़कर चली गई थी तब वहां कोई नहीं था। थोड़ी देर इंतजार करने पर भी कोई नहीं आया तो भगाने का मन हुआ और मैं भाग गया।●

# दो करोड़ की रंगदारी मांगने वाला आरोपी गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

नामकुम थाना क्षेत्र अंतर्गत मौलाना आजाद कॉलोनी के रहने वाले बिल्डर सह जमीन कारोबारी मोहम्मद सलीम खान के घर में घुसकर दो करोड़ की रंगदारी मांगने एवं नहीं देने पर पूरे परिवार की हत्या करने की धमकी देने वाला मुख्य आरोपी गुफरान खान उर्फ छोटू खान उर्फ छोटन को पुलिस ने पिस्टल के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस सम्बन्ध में नामकुम थाना में प्रेसवार्ता कर ग्रामीण एसपी मनीष टोप्पो ने बताया कि भुक्तभोगी सलीम खान ने छोटू एवं रिज्जू सहित 15 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस ने पूर्व में रिज्जू को जेल भेज दिया था। फरार हिंदपीढ़ी निवासी छोटू को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके पास से एक देशी कट्टा एवं जिंदा गोली बरामद की गई है। बता दे कि अपराधी छोटू पर विभिन्न थानों में एक दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं।●

# पिस्टल और गोली के साथ गैरेज संचालक गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी राँची के नामकुम थाना क्षेत्र के सदाबहार चौक के पास के एक गैरेज से पिस्टल और गोली के साथ चार लोगों को नामकुम थाना की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में दिलीप रजक,अमरकांत घोष, मोहम्मद शाहबाज अंसारी और मोहम्मद इब्राहिम शामिल है। इनके पास से पुलिस ने एक आठ चक्रीय देसी रिवाल्वर, 315 बोर का चार जिंदा गली एवं 7.65 बोर का 6 जिंदा गोली बरामद किया है। वरीय पुलिस अधीक्षक रांची को गुप्त सूचना मिली थी कि नामकुम थाना क्षेत्र अंतर्गत सदाबहार चौक के पास स्थित हिंद मोटर गैरेज के पास कुछ सामाजिक तत्व अवैध हथियार एवं गोली के साथ बैठे हुए हैं। सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु वरीय पुलिस अधीक्षक रांची के द्वारा पुलिस अधीक्षक ग्रामीण मनीष टोप्पो के निर्देशन में सहायक पुलिस अधीक्षक प्रथम मूमल राजपुरोहित के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सदाबहार चौक स्थित हिंद मोटर गैरेज मैं छापामारी कर चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। वरीय पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए इन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया एवं गिरफ्तार लोगों के पास से पिस्टल, गोली सहित अन्य समान बरामद किया गया। मिली जानकारी के अनुसार, वरीय पुलिस अधिकारी को किसी ने फोटो और वीडियो भेजा।वीडियो में हथियार लहराते दो तीन युवक दिख रहे थे। सूचना देने वाले ने फोटो वीडियो के साथ ये भी बताया कि किस जगह ये सब लोग है। उसके बाद वरीय पुलिस अधिकारी ने तुरन्त नामकुम थाना पुलिस को जांच कर कार्रवाई करने का निर्देश दिए। निर्देश मिलते ही टीम गठित की गई और नामकुम थाना प्रभारी सुनील कुमार तिवारी दलबल के साथ हिन्द मोटर गैरेज पहुंचे जहां पर दो तीन युवक दिखाई दिए। फोटो और वीडियो से मिलान कर दो युवकों को पुलिस ने पहचान लिया। उसके बाद दोनों को पुलिस ने कब्जे में लेकर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उन लोगो के पास से पिस्टल और आधा दर्जन से ज्यादा गोली मिला। जिसके बाद पुलिस ने गैरेज संचालक का बेटा शाहबाज अंसारी और खुशी स्वीट संचालक का बेटा अमरकांत घोष को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पुलिस को दोनो ने बताया कि पिस्टल चाय बागान निवासी दिलीप रजक ने रखने दिया था। उसके बाद पुलिस ने तुरन्त छापेमारी कर दिलीप रजक को भी दबोच लिया। गिरफ्तार अपराध कर्मियों की निशानदेही के आधार पर गैरेज के अंदर अलमीरा में छुपा कर रखा एक आठ चक्रीय देसी रिवाल्वर 315 बोर का चार जिंदा गोली एवं 765 बोर का 6 जिंदा गोली बरामद किया, जिसके बाद पुलिस ने हिन्द मोटर्स गैरेज के संचालक को भी गिरफ्तार कर लिया। वहीं अमरकांत घोष ने बताया कि उसे पिस्टल दिलीप रजक ने दिया था और कहा कि गैरेज में रख देना। उसके बाद वो गैरेज गया और पिस्टल शाहबाज को देने के दौरान वहां एक युवक ने फोटो वीडियो बना लिया। फिलहाल पुलिस में सभी अपराधियों आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज कर जेल भेज दिया है।●

# फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले दो अपराधी गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी राँची के अलग-अलग क्षेत्रों में फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले दो कुख्यात अपराधियों को पुलिस के द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार दोनों अपराधी अभिषेक कुमार सिंह और सोनू सिंह उर्फ सोनू सरदार पुराने अपराधी हैं। दोनों आर्म्स एक्ट और रंगदारी जैसे मामलों में पूर्व में भी जेल जा चुके हैं। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि हाल के दिनों में जगन्नाथपुर और तुपुदाना इलाके में रात के समय जहां तहां अपराधियों के द्वारा फायरिंग की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा था। मामला सामने आने के बाद हटिया डीएसपी राजा कुमार मित्रा के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। इसी बीच पुलिस की टीम को यह सूचना मिली कि जगन्नाथपुर इलाके में ही दो अपराधी लोडेड पिस्तौल के साथ देखे गए हैं। जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम एक्टिव हुई और घेराबंदी कर दोनों अपराधी अभिषेक कुमार सिंह और सोनू सरदार को धर दबोचा। बता दे की पुलिस की टीम अगर दोनों अपराधियों को तत्काल गिरफ्तार नहीं करती तो उस दौरान भी वह फायरिंग कर दहशत फैलाने के लिए ही घर से निकले थे। गिरफ्तार अपराधियों के पास से दो पिस्टल, कारतूस और स्मार्टफोन बरामद किए गए हैं। दोनों अपराधियों का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है। अभिषेक कुमार सिंह रंगदारी और आर्म्स एक्ट के मामले में बिहार से भी जेल जा चुका है। अभिषेक के खिलाफ राँची के कई थानों में मामले दर्ज हैं।वहीं सोनू सरदार आर्म्स के मामले में धुर्वा थाना के द्वारा पूर्व में जेल भेजा गया था। अभिषेक और सोनू पेशेवर अपराधी हैं। जेल से निकलने के बाद भी दोनों आपराधिक वारदातों को लगातार अंजाम देते आए हैं। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस की तफ्तीश में यह बात सामने आई है कि अभिषेक और सोनू इलाके में अपना वर्चस्व कायम करने और रंगदारी वसूलने के लिए फायरिंग की वारदातों को अंजाम दे रहे थे। फायरिंग कर ये दोनों कारोबारियों के मन में दहशत पैदा करना चाह रहे थे, ताकि उन्हें आसानी से रंगदारी मिल सके। इधर जब पुलिस ने इन्हे गिरफ्तार किया तो दोनों अपराधियो को इलाके में सड़क पर पैदल घुमाया और जेल की हवा खिलाई।●

# चाचा-भतीजे की लड़ाई में गयी महिला की जान

● ओम प्रकाश

राँची जिले के रातू थाना क्षेत्र में आपसी विवाद में देवर और भतीजा ने मिलकर महिला की हत्या कर दी। पुलिस इस घटना की जांच कर रही है। फिलहाल दोनों आरोपी मौके से फरार हैं। राजधानी से सटे रातू थाना क्षेत्र के हुरहुरी बाड़ीटोला में आपसी विवाद में देवर टुन्नु उरांव और भतीजा पंकज उरांव ने लकड़ी की बेंत और लात-घूंसे मार-मारकर अपनी चाची बिरसी उरांव (65 वर्ष, पति बिदई उरांव) की जान ले ली। जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात 11 बजे भतीजा पंकज उरांव ने शराब के नशे में अपनी चाची बिरसी उरांव के घर के सामने आकर गाली-गलौज कर संतोष उरांव को जान से मारने की धमकी दे रहा था, तभी संतोष उरांव घर से बाहर निकलकर हल्ला करने से मना करने लग।इसी बीच संतोष की मां बिरसी उरांव भी बाहर निकली तब पंकज के परिवार के टुन्नू उरांव, पैलूस उरांव, धनिया देवी वहां आकर संतोष के साथ मारपीट करने लगे। इसके बाद पंकज उरांव अपने साथ लायी लकड़ी की बेंत से संतोष को मारने के लिए वार किया। पुत्र संतोष को बचाने लिए बिरसी उरांव बीच में आ गयी। जोरदार वार से बिरसी के सिर पर चोट लगी और खून बहने लगा, इससे घबराकर सभी हमलावर वहां से भाग निकले। इसके बाद परिजनों द्वारा बिरसी उरांव को इलाज के लिये रिम्स लाया गया, जहां चिकित्सको ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना की जानकारी होने पर पुलिस ने पंचनामा कर पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया। घटना के बाद से आरोपी पंकज, टुन्नु उरांव, धनिया देवी, पैलूस उरांव फरार हो गये हैं। वहीं रातू थाना प्रभारी सपन कुमार महथा इस पूरे मामले की छानबीन कर रहे हैं। थाना प्रभारी ने आश्वस्त किया है कि आरोपियो की ध रपकड़ के लिये छापामारी की जा रही है, जल्द ही वो कानून की गिरफ्त में होंगे।●

# जनजातीय आदिवासी न्याय रहेगा : नरेंद्र मोदी

● ओम प्रकाश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी झारखंड दौरे पर धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के जन्मस्थली उलियातू पहुंचे और भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया और उनके वंशज से मिले। इसके बाद खुंटी से हुंकार भरे और जनजातीय उत्थान के लिए कई योजनाओं की शुरुआत की। वही राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने परंपरागत शाल ओढ़ाकर प्रधानमंत्री को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी भगवान बिरसा मुंडा की पेंटिंग भेंट की। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने भी सरना शाल भेंट किया। मंच पर पूर्व सांसद कडिया मुंडा, नीलकंठ सिंह मुंडा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और कोचे मुंडा उपस्थित थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड के लोगों को जोहार कहकर संबोधित किया और उन्होंने लोगों को बिरसा मुंडा जयंती की भी बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने 7200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया और पीएम जनजातीय आदिवासी न्याय पर जोर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैंने अंतिम व्यक्ति का नमक खाया है। आज भगवान बिरसा की धरती पर ऋण चुकाने आया हूं। मक्खन पर लकीर तो सभी कोई खींच सकता है। कोई पत्थर पर तो लकीर खींचे। पिछड़े जिलों का ठप्पा लगाकर छोड़ दिया था। इनमें अधिसंख्य आदिवासी जिले। अपने हाल पर छोड़ दिया था। हमारी सरकार ने इस जिलों को आकांक्षी जिलों के रूप में घोषित कर विकसित किया। मोदी ने हेमंत सोरेन के सामने ही पूर्व की सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्ष में 4 स्तंभों पर जितना कार्य हुआ उतना कभी नहीं। पांच वर्ष में 13करोड़ सेअधिक लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। हम सेवा करने के लिए आए हैं। बड़ी आबादी मूलभूत सुविधाओं से वंचित थी। पूर्व की सरकार खुद को माई बाप समझती थी। हमने सेवक

बनकर काम शुरू किया। सरकार खुद चलकर उनके पास पहुंची। मलाई खानेवालों में सारे रसूखदार होते थे। उनकी सरकार में पहुंच रहती थी। मूल सुविधाओं से वंचित लोगों का ध्यान देनेवाला कोई नहीं था, मोदी ने उनकी सुध ली।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अटल जी ने आदिवासियों के लिए नया मंत्रालय बनाया था। मैने बजट छह गुना बढ़ाया। पहली की सरकारों ने अपने फायदों के लिए सिर्फ आंकड़ों को जोड़ने का काम किया। हमें तो सभी के जीवन को जोड़ना है। इस अभियान के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को आभार प्रकट करता हूं। उनकी प्रेरणा से इस महा आभियान आदिवासी न्याय अभियान में सफल होंगे। आगे उन्होंने कहा कि मैं वह दिन देखना चाहता हूं जब हर गरीब के पास राशन कार्ड होगा, सभी के पास बिजली होगी, पांच लाख का मुफ्त इलाज का आयुष्मान कार्ड होगा,। किसानों, गरीबों, युवाओं को मोदी की गारंटी है। मोदी की गारंटी मतलब गारंटी पूरा होने की भी गारंटी। मोदी हिम्मत कर निकला है आदिवासी न्याय अभियान को लेकर। आगे पीएम मोदी ने कहा कि झारखंड की बेटियां खेल में नाम कमा रही हैं। इससे हमारा सीना चौड़ा हो रहा है। यह वर्ष महिलाओं बेटियों का है। कहा आज भाईदूज है, एक भाई का वादा है दो करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बना कर रहूंगा। यह भाई बहनों की हर बाधा दूर करता रहेगा। उनके लिए उनका भाई हमेशा खड़ा रहेगा। मोदी ने कहा कि आज यहां के लोग झारखंड स्थापना दिवस मना रहे हैं। अटल जी के प्रयास से झारखंड का गठन हुआ। झारखंड का कोना कोना महान विभूतियों के योगदानों से भरा है। अनेक वीरों ने इस धरती का गौरव बढ़ाया। विभूतियों को देश आज भी ऋणी है। दुर्भाग्य है कि इनके प्रति न्याय नहीं हुआ। झारखंड आना पुरानी स्मृतियों को याद करने का मुझे अवसर भी प्रदान करता है। यहीं से आयुष्मान भारत योजना की मैने शुरुआत की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अगले 25वर्षों के अमृत काल में दिव्य भारत का

**प्रमुख सरकारी योजनाओं का प्रसार सुनिश्चित करने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ**

☞ प्रधानमंत्री विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह मिशन शुरू की। मिशन में करीब 24 हजार करोड़ व्यय होगा।

☞ प्रधानमंत्री-किसान योजना की 15वीं किस्त जारी की गई।

☞ 7200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास

☞ आईआईएम रांची का नया परिसर, आईआईटी आईएसएम धनबाद का नया छात्रावास, बोकारो में पेट्रोलियम ऑयल और लूब्रिकेंट (पीओएल) डिपो, हटिया-पकरा सेक्शन, तलगरिया-बोकारो सेक्शन और जारंगडीह-पतरातू सेक्शन डबल लेन का पीएम मोदी ने किया उद्घाटन।

☞ एनएच 133 के महगामा-हंसडीहा सेक्शन का फोर लेन कार्य (52 किमी), एनएच 114ए के बासुकीनाथ-देवघर सेक्शन का फोर लेन कार्य (45 किमी), केडीएच-पूर्णाडीह कोल हैंडलिंग प्लांट और आईआईआईटी रांची के नए शैक्षणिक और प्रशासनिक भवन की आधारशिला रखी गई।

☞ 49 हजार करोड़ की जनजातीय कल्याण एवं विकास परियोजनाओं का शुभारम्भ/लोकार्पण/शिलान्यास और विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारम्भ हुआ।

निर्माण करना है तो चार अमृत स्तंभों पर पूरी ताकत लगानी है। उन्होंने कहा कि पहला भारत की महिलाएं और नारी शक्ति हैं, दूसरा किसान पशु पालक और मछली पालक, तीसरा युवा वर्ग और चौथा भारत का मध्यम वर्ग है। वही केंद्रीय जनजातीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हम झारखंड वासी, देश के जनजाति आह्लादित हैं कि इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उलिहातू आकर नया इतिहास रचा। पूरा देश आज भगवान बिरसा मुंडा की धरती से जुड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर एक अद्भुत योजना की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि साढ़े बाइस हजार गांव के लिए जनजातीय न्याय अभियान 24 हजार करोड़ की योजना। 36 हजार आदि ग्राम विकास योजना से आदिवासी बहुल गांवों का विकास होगा। एकलव्य आवासीय विद्यालयों में 38 हजार शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू हुई है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बिरसा मुंडा की जन्म स्थली उलिहातु आगमन एवं कार्यक्रम का आयोजन पूरे देश को जोड़ेगा। उलिहातू की इस पावन भूमि में आप पहली बार आये हैं। आशा और उम्मीद है कि आज के इस कार्यक्रम से आदिवासी समाज आगे बढ़ें। प्रधानमंत्री आपका जो संदेश होगा वह आदिवासियों के लिए मिल का पत्थर साबित होगा। बिरसा मुंडा पूरे देश के आदिवासियों के भगवान हैं। झारखण्ड हमेशा से वीरों की भूमि रही है, इसका प्रत्यक्ष उदाहरण प्रधानमंत्री ने रांची स्थित भगवान बिरसा मुंडा जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय में देखा है। ये बातें मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कही। मुख्यमंत्री धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जयंती एवं जनजातीय गौरव महोत्सव-2023 के अवसर पर खूंटी में आयोजित कार्यक्रम में जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री जी, आदिवासी मुख्यमंत्री होने के नाते ना सिर्फ झारखण्ड, बल्कि पूरे देश के आदिवासियों की तरफ से, आदिवासी धर्म कोड की चिर प्रतीक्षित मांग पर सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह करता हूँ। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपके सहयोग से आने वाले दिनों में आदिवासी सहित समाज के लोगों का गौरव के साथ कल्याण सुनिश्चित हो पाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखण्ड आदिवासी बहुल राज्य है। मैं भी आदिवासी समुदाय से आता हूं और मुझे आदिवासी होने पर गर्व है। आदिवासी हक और अधिकार की लड़ाई लड़ता आया है, फिर वह लड़ाई महाजनों के विरुद्ध हो या अंग्रेजों के। लेकिन

# पीएम की गाड़ी रोकने वाली महिला को पुलिस ने किया गिरफ्तार

राजधानी राँची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गाड़ी के आगे अचानक आ जाने वाली महिला संगीता झा के खिलाफ गुरुवार को कोतवाली थाने एफआईआर दर्ज की गई। उसके बाद महिला को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।एसआई विनोद कुमार पासवान के बयान पर कोतवाली थाना में महिला के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। कांड संख्या 385/23 धारा-186,283,341और 353 के तहत मामला दर्ज हुआ है। महिला पुलिस पदाधिकारियों के द्वारा महिला से कई घण्टे पूछताछ की गई। उसके बाद आरोपी महिला संगीता झा को जेल भेजा गया है। बता दें राजधानी राँची में पीएम मोदी की सुरक्षा में बड़ी चूक हुई थी। 15 नवम्बर की सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजभवन से बिरसा संग्रहालय जा रहे थे, तभी रेडियम रोड में गार्डेन फ्रेश दुकान के ठीक सामने अचानक संगीता झा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गाड़ी के आगे आ गयी। फौरन एसपीजी के तेज तर्रार जवान लाल रंग की शॉल ओढ़े महिला को गाड़ी के सामने से हटा दिया था। पूछताछ के बाद उसे छोड़ दिया गया था।महिला प्रधानमंत्री से मिलने को बेताब थी। इधर इस मामले में कार्रवाई करते हुए मौके पर तैनात एक एएसआई अबु जफर, एक हवलदार छोटेलाल टुडू और एक सिपाही रंजन कुमार को एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने सस्पेंड कर दिया था। महिला को हिरासत में लेने के बाद उससे कड़ाई से पूछताछ की गई। उसके बैकग्राउंड के बारे में भी राँची पुलिस ने पूरी जानकारी इकट्ठा की। बताया जाता है कि महिला का अपने पति से विवाद चल रहा है। महिला के पति भी पुलिस के जवान है। दोनों में कई महीनों से विवाद चल रहा है। वह प्रधानमंत्री से मुलाकात करने दिल्ली भी गई थी। बुधवार को जब उसे जानकारी मिली कि प्रधानमंत्री रेडियम रोड से होकर गुजरने वाले हैं तब वो दौड़ कर उनके काफिले में घुस गई। प्रधानमंत्री के सुरक्षा में चूक को लेकर राँची सांसद संजय सेठ ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। सांसद श्री सेठ ने कहा कि यह सामान्य मामला नहीं है। माननीय प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूक गंभीर विषय है। किसी महिला का सीधे माननीय प्रधानमंत्री के गाड़ी के सामने आ जाना, यह सरकार की चूक है। आखिर कैसे चाक चौबंद सुरक्षा के बीच कोई महिला पीएम की गाड़ी के आगे आ जाती है। इसे हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। मामला चाहे जो भी हो, महिला कोई भी हो, बात पीएम की सुरक्षा का है। यह विशेष सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। यह विशुद्ध रूप से सरकारी और प्रशासनिक लापरवाही है। सांसद श्री सेठ ने कहा कि सरकार को इस मामले की उच्च स्तरीय जांच करवानी चाहिए कि आखिर क्यों प्रधानमंत्री की सुरक्षा में इतनी बड़ी चूक हुई। दोषियों पर कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में इस तरह के घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं हो।

दुर्भाग्य है कि इतिहासकारों ने इन्हें उचित जगह नहीं दिया। विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह सबसे पिछड़ा है। अगर ये नहीं बचे तो अन्य आदिवासी विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह में आ जाएंगे। आज हम चांद में पहुंच चुके हैं, लेकिन समाज के अंदर जो अंतर दिख रहा है, उसे अबतक मिट जाना चाहिए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि प्रधानमंत्री जी, झारखण्ड कई मायनों को लेकर आगे बढ़ा है। चाहे खनिज संपदा हो या किसी अन्य विषय को लेकर हो। प्रधानमंत्री जी आग्रह है, यहाँ बड़े पैमाने पर आदिवासी जो जंगलों में बसते हैं उन्हें विस्थापन का दंश झेलना पड़ता है। खनिज सम्पदाओं को निकालने के लिए बड़े पैमाने में कई वर्षों से इनका विस्थापन होता रहा है। इस क्षेत्र में बसने वाले लोगों के प्रति भी ऐसी विशेष कार्ययोजना तैयार की जाय, जहाँ हमारे आदिवासी भाई-बहन अपने जल-जंगल-जमीन के साथ अपने आप को समग्र विकास की कड़ियों से जोड़ सके।

सनद् रहे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम किसान सम्मान निधि की 15वीं किश्त जारी कर दी है। इससे किसानों के खाते में दो-दो हजार रुपये ट्रांसफर होंगे। पूरे देश के आठ करोड़ किसानों के खाते में राशि हस्तांतरित होगी। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर कई योजनाओं का शुभारंभ और लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह यात्रा 200 कार्यक्रम स्थल की होगी और 22 नवंबर तक चलेगी। इसके साथ ही मोदी ने रांची के भारतीय प्रबंधन संस्थान के नए भवन का उद्घाटन किया। इसके अलावा पीएम मोदी ने रांची में ट्रिपल आइटी के नए भवन का भी शिलान्यास किया। शिक्षा, सड़क, रेल से जुड़ी परियोजनाओं का भी लोकार्पण किया। साथ ही महागामा हंसडीहा फोरलेन का भी शिलान्यास किया, महागामा हंसडीहा फोरलेन का शिलान्यास किया एवं एनएच 1120 ए बासुकीनाथ-देवघर खंड के लिए फोरलन का भी शिलान्यास किया।●

# झारखण्ड आंदोलनकारियों को चिन्हित करने के काम में आयी तेजी

● ओम प्रकाश

झारखंड अपने 23 साल पूरा कर 24 वें साल की ओर आगे बढ़ रहा है। झारखंड अलग राज्य गठन में जिन आंदोलनकारी ने अपनी प्राणों की आहुति दी, जो पुलिस की लाठियां खाई, अपने शरीर में जख्म झेले हैं , जेल में डालें गये, पुलिस की डर से फरार रहे, इसके अलावा ऐसे भी आंदोलनकारी थे जिन्होंने आंदोलन को सफल बनाने में मुख्य रूप से बिहार से छोटानागपुर यानी झारखंड को अलग कराने के लिए झारखंड बिहार बंद बुलाने के लिए लोगों को एकत्रित करते थे, गाड़ियों को क्षतिग्रस्त करना ताकि लोग सड़क पर अपनी वाहन लेकर ना निकले , दुकाने, प्रतिष्ठानों को बंद कराने के साथ साथ अलग राज्य निर्माण के लिए किसी भी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए लोगों के भीड़ जुटाना, फूल-माला ढोने वाले, घर-घर जाकर आमंत्रण देकर कार्यक्रम स्थल तक लेकर आनेवाले, मांदर , ढोल बजाकर, स्थानीय भाषाओं की गीतों को गाकर कार्यक्रम स्थल की भीड़ को घंटों तक जुटाए रखना अपने आप में काबिल ए तारीफ था। ऐसे तमाम लोग, पुरुष , बुजुर्ग, महिलाएं, युवक, बच्चों तक के सहयोग को भूलाया नहीं जा सकता है। ऐसे ही आंदोलनकारियों की जिद से अलग राज्य झारखंड का गठन 15 नवंबर 2000 को हुआ। ऐसे

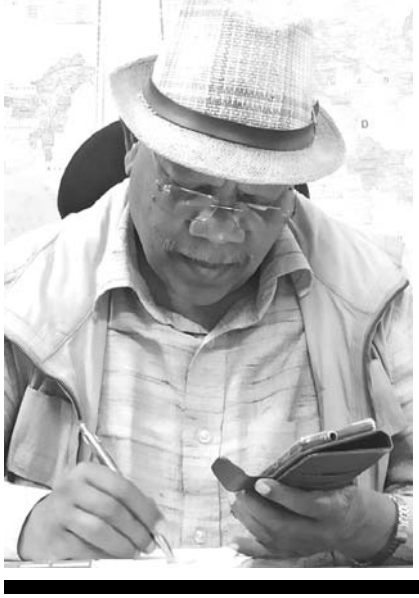

आंदोलनकारियों को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन चिन्हित करने का निर्देश दिए हैं । इसके लिए अलग से झारखंड राज्य आंदोलनकारी चिंहितीकरण आयोग का गठन 2012 में किया गया है। वर्तमान में आयोग के अध्यक्ष सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी रहे दुर्गा उरांव हैं, सदस्य भुनेश्वर महतो, नर्रसिंघ मुर्मू हैं। हिनू चौक के पास इसका एक छोटा सा कार्यालय है। करीब 28 जैप वन और होमगार्ड पुलिस कर्मियों की मदद से चिन्हितीकरण काम हो रही है। 2012 से 2023 तक करीब 80 हजार लोगों ने आवेदन जमा किया है जिसमें अबतक करीब साढ़े दस हजार को ही आंदोलनकारियों की सूची में शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने स्पष्ट कहा है कि अगर अलग राज्य गठन निर्माण में जान गंवाने, पुलिस की लाठी खाने,केस दर्ज होने , फरारी रहने वाले , पुलिस की मार से जख्मी होने वाले सहित अलग राज्य गठन के लिए बंदी बुलाने, सड़क जाम करने, तोड़ फोड़ करने, दुकानें प्रतिष्ठानों को बंद कराने, पुलिस द्वारा छापेमारी के दौरान आंदोलन कारियों को अपने घरों में छिपाने और उसे बचाने का काम किया, पानी पिलाने तक वाले से लेकर रैली कराने वाले, भीड़ बुलाने,घर घर आमंत्रित देने वाले, मांदर ढोल, नगाड़े, डुगडुगी बजाने वाले सभी को चिन्हित करें और आन्दोलन कारी घोषित कर उन्हें सम्मान एवं पेंशन देने का काम करें। वही झारखंड आंदोलनकारी चिंहितीकरण आयोग के अध्यक्ष दुर्गा उरांव बताते हैं कि झारखंड आंदोलनकारियों का प्रदेश रहा है। लेकिन दुख की बात यह है की जो सचमुच आंदोलनकारी थे , उन लोगों के पास सरकार के द्वारा मांगे गए दस्तावेज के अनुरूप उनके पास साक्ष्य नहीं है। अगर जेल गए हो तो उसकी एफआईआर कॉपी, बंदी कराने गए हो तो उसके नाम की सूची, अखबार के कतरन, कार्यक्रम का फोटो इत्यादि अगर उनके पास है या कोई गवाही दें सके कि हां ये आंदोलनकारी रहें हैं। तो ऐसे लोगों को आयोग चिन्हित कर उसके नाम को गृह विभाग में भेज देगा और वहीं से अधिसूचना जारी की जाएगी तब जाकर उसे आंदोलनकारी माना जाएगा। दूसरी तरफ टुंडी विधायक झामुमो सचेतक मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि सरकार का यह महत्वपूर्ण निर्णय स्वागत योग्य है, कि आंदोलनकारी जिन्होंने झारखंड अलग गठन के लिए लड़ाइयां लड़ी है, पुलिस की लाठियां खाई है, कुछ लोगों ने तो जान भी दे दी है, इनके अलावा जो इन आंदोलनकारियों की मदद की है, उन्हें भी आंदोलनकारी माना जाएगा। लेकिन इसमें थोड़ी सी तकनीकी पेंच है इसमें सुधार की आवश्यकता

है, जो जेल गए हैं उसे या जिसकी जान गई है उसके आश्रितों को ही पेंशन राशि सरकार देगी, जबकि आंदोलन में सभी की भूमिका थी इसलिए सरकार को चाहिए कि सभी को सम्मान व सम्मानित राशि देने का काम करें।

झारखंड प्रदेश अध्यक्ष जमीयतुल कुरैश के प्रदेश अध्यक्ष मुजीब कुरैशी कहते हैं कि राज्य सरकार के महत्वपूर्ण योजनाओं से एक है कि आंदोलनकारी को चिन्हित किया जा रहा है। लेकिन लंबे समय से स्वयं गुरुजी शिबू सोरेन और उनके साथी रहे सूरज मंडल के आंदोलन चाहे रैली हो या बंदी इसे सफल बनाने के लिए मैं खुद बुंडू,तमाड़,अड़की से लेकर कांटाटोली का पूरा क्षेत्र डंगरा टोली,कोकर, लालपुर,लोवाडीह, नामकुम बंद के दौरान हम सब सड़कर पर लाठी , डंडे से लैस होकर बंद सफल कराते थे, पुलिस की लाठी की मार तक खानी पड़ी है, हम बंद समर्थकों में पुलिस कई बार उठाकर ले गई है। हमारे कुरैशी मुहल्ला के पंचायत भवन में गुरुजी शिबू सोरेन, सूरज मंडल, बिहार सरकार में खूंटी विधायक जब ग्रामीण विकास मंत्री रही सुशीला केरकेट्टा तक अलग राज्य निर्माण के लिए कार्यक्रम आयोजन कराया। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद दिवंगत ज्ञान रंजन के साथ एक मुठ्ठी अनाज दो हम अलग राज्य देंगे के लिए कांटाटोली चौक से पैदल मार्च करते हुए लोवाडीह तक पदयात्रा की, बोडीबिल्डर मैदान ,चांदनी ग्राउंड में कई बड़े कार्यक्रम नब्बे की दशक में आयोजित कराये बिहार से अलग वनांचल, झारखंड की मांग की। मोराहबादी मैदान से लेकर पटना गोलघर तक में रैली आयोजित हुआ और मैंने बुंडू से लेकर रांची तक हर बार तीस से चालीस बसों में लोगों की भीड़ लेकर पहुंचते थे। लेकिन अभी तक विभाग में मेरा नाम लंबित है, क्यों? मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद इस बात को जानते हैं,कि उनके पिता से मेरे संबंध कितने अच्छे थे तभी 11 मार्च 2021 में मेरे एक अपील पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मेरे निजी कार्यक्रम में शामिल हुए और स्कूल का शिलान्यास किया। वही झारखंड आंदोलनकारी महासभा के केंद्रीय अध्यक्ष राजू महतो ने कहा कि सरकार को चाहिए कि सभी जिलों में एडीएम के नेतृत्व में स्थानीय कार्यकर्ताओं की टीम गठित करा दे यही लोग आंदोलनकारी चिन्हित कर लेंगे।

वहीं आंदोलनकारी चिंहितीकरण आयोग के पूर्व अप्त सचिव रहे पुष्कर महतो ने बताया कि 2012 से शुरू हुआ है और अभी साढ़े दस हजार लोगों को ही चिन्हित किया गया है, इसके लिए हमें लोगों को जागरूक करना पड़ा , तब जाकर हम यहां तक पहुंच सके हैं। जो सही आंदोलनकारी हैं उन्हें सामने आने चाहिए।●

# महिला को कार ने चपेट में लिया और कई मीटर घसीटा

● ओम प्रकाश

झारखंड की राजधानी राँची के मोरहाबादी मैदान से सरईटांड स्थित अपने घर लौट रही एक वृद्ध महिला को कार चालक ने अपनी चपेट में ले लिया। दुर्घटना होने के क्रम में स्थिति ऐसी बनी कि महिला का पैर कार में ही फंस गया। जिसके बाद दिव्यांग कार चालक महिला को बचाने की बजाय तेजी से भागने लगा। इस वजह से महिला काफी दूर तक घसीटती चली गयी। स्थानीय लोगों ने जब देखा कि एक महिला चलती कार के नीचे फांसी है, तब सभी ने मिलकर कार को रूकवाया। इसके बाद पुलिस की सहायता से उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा। घायल महिला का नाम शकुंतला देवी है। इधर दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने कार को रोक कर गाड़ी पलट कर उसमें फंसी महिला को बाहर निकाला। इसके बाद चालक की जम कर पिटाई कर दी। इसी बीच पहुंची पुलिस ने युवक को भीड़ के चंगुल से छुड़ाकर थाने भेजा, तब जाकर उसकी जान बची। बताया जा रहा है कि कार चालक दिव्यांग है। इसके बाद भी वह कार चला रहा था। एक्सीडेंट की घटना के बाद स्थानीय लोग काफी आक्रोशित थे। लोगों का कहना था कि बुजुर्ग महिला सड़क के एकदम किनारे चल रही थी, इसके बावजूद उसे कार चालक ने ठोकर

मारी। स्थानीय लोगों ने बताया कि एक्सीडेंट के बाद महिला का पैर कार में ही फंसा रह गया। लेकिन कार चालक कार रोकने की जगह तेजी से भागने लगा। इस वजह से महिला घिसटने लगी। जब स्थानीय लोगों ने देखा तो कार रूकवाया। कार में महिला इस तरह से फंस गई थी कि स्थानीय लोगों ने कार को पलट दिया जिसके बाद ही महिला को कार के अंदर से निकाला जा सका। फिलहाल रिम्स में उक्त महिला का इलाज चल रहा है। इधर जानकारी मिलने के बाद महिला के परिजन भी रिम्स पहुंचे। बता दे की महिला को बचाने की बजाय उसे अपनी कार से घसीटने वाला कार चालक दिव्यांग है। उसकी हरकत से नाराज लोगों ने उसे पकड़ लिया। उसके साथ मारपीट भी शुरू हो गई थी, लेकिन इसी समय पुलिस मौके पर पहुंच गई और कार चालक को भीड़ से बचाया। अगर पुलिस तुरंत मौके पर नहीं पहुंचती तो बड़ी घटना हो सकती थी। मिली जानकारी के अनुसार कार लॉड्र्स सैलून के संचालक की है। जबकि कार चालक बैंककर्मी बताया जा रहा है।●

# कानून में बदलाव चिंता या जरूरी?

● **गौतम कुमार सिंह**

कानूनों की यातना से अधिक बुरी वेदना नही होती हैं. यह कहना असम्भव है कि कानून कहाँ समाप्त होता है तथा न्याय आरम्भ होता हैं ये कथन एक प्रश्न चिन्ह है इसी कथन को ध्यान में रखकर न्याय प्रणाली में बदलाव जरूरी है, इन बदलावों को क्रांति भी कहा जा सकता है और बदलाव जीवन में हो या न्याय प्रणाली में 'सुधार करना चाहिए' भारत का संविधान, भारत का सर्वोच्च विधान है जो संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बर 1949 को पारित हुआ तथा 26 जनवरी 1950 से प्रभावी हुआ। यह दिन (26 नवम्बर) भारत के संविधान दिवस के रूप में घोषित किया गया है जबकि 26 जनवरी का दिन भारत में गणतन्त्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारतीय संविधान का संशोधन भारत के संविधान में परिवर्तन करने की प्रक्रिया है। एक संशोधन के प्रस्ताव की शुरुआत संसद में होती है जहाँ इसे एक बिल के रूप में पेश किया जाता है। मानसून सत्र का 11 अगस्त को आखिरी दिन था. इन दिन भी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 3 नए बिल, भारतीय न्याय संहिता बिल, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता बिल, भारतीय साक्ष्य अधिनियम बिल पेश किए सद में हंगामे के बीच इस मानसून सत्र में राज्यसभा और लोकसभा में कुल 23 विधेयक पारित हुए.

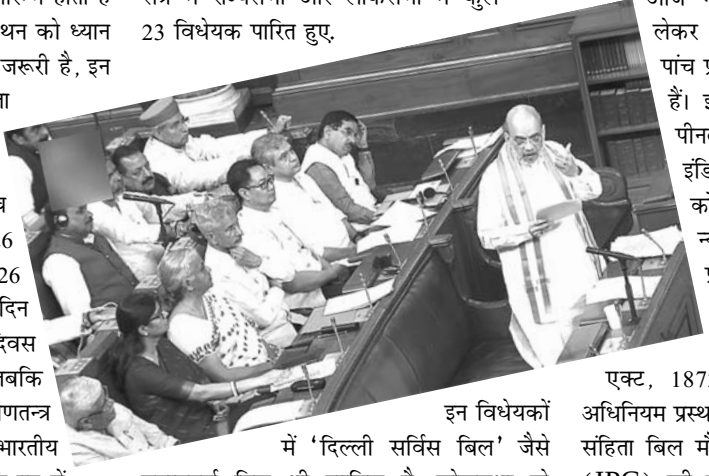

इन विधेयकों में 'दिल्ली सर्विस बिल' जैसे महत्वपूर्ण बिल भी शामिल है. लोकसभा के मानसून सत्र का शुक्रवार यानी 11 अगस्त को आखिरी दिन था. इस दिन भी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 3 नए बिल पेश किए.

केंद्र सरकार अंग्रेजों के जमाने के कुछ कानूनों में संशोधन करने जा रही है। इसके लिए सरकार दंड प्रक्रिया संहिता संशोधन विधेयक 2023 लाएगी। इसकी जानकारी लोकसभा में देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज मैं जो तीन विधेयक एक साथ लेकर आया हूं, वे सभी पीएम मोदी के पांच प्रणों में से एक को पूरा करने वाले हैं। इन तीन विधेयक है :- इंडियन पीनल कोड, क्रिमिनल प्रोसीजर कोड, इंडियन एविडेंस कोड। इंडियन पीनल कोड 1860 की जगह, अब 'भारतीय न्याय संहिता 2023' होगा। क्रिमिनल प्रोसीजर कोड की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 प्रस्थापित होगा और इंडियन एविडेंट एक्ट, 1872 की जगह श्भारतीय साक्ष्य अधिनियम प्रस्थापित होगा। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता बिल मौजूदा इंडियन पीनल कोड 1860 (IPC) की जगह लेगी. भारतीय साक्ष्य बिल मौजूदा एविडेंस एक्ट की जगह लेगी. भारतीय न्याय संहिता विधेयक, 2023 मौजूदा कोड ऑफ क्रिमिनल प्रोसीजर 1898 (CrPC) की जगह

लेगी।

☞ **भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता बिल 2023**

**में कितनी धाराएं बदली?**

:- भारतीय न्याय संहिता IPC की जगह लेगी. आईपीसी में पहले 511 धाराएं थी उसे बदलकर अब सिर्फ 356 धाराएं कर दी गई है. आईपीसी की जगह लेने वाले इस प्रस्तावित बिल में 175 धाराओं में बदलाव किया गया है, 8 नई धाराएं जोड़ी गई हैं और 22 धाराओं को निरस्त किया गया है. इन तीनों बिल के नाम हैं, भारतीय न्याय संहिता बिल, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता बिल 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम बिल. सरकार का कहना है कि इन बिलों को मौजूदा समय के अहमियत के हिसाब से पेश किया गया है. इसमें आईपीसी और सीआरपीसी की कई धाराओं में बदलाव करने का प्रस्ताव रखा गया है. भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता बिल मौजूदा इंडियन पीनल कोड 1860 (IPC) की जगह लेगी भारतीय साक्ष्य बिल मौजूदा एविडेंस एक्ट की जगह लेगी. भारतीय न्याय संहिता विधेयक, 2023 मौजूदा कोड ऑफ क्रिमिनल प्रोसीजर 1898 (CRPC) की जगह लेगी. इन बिलों में बदलाव इसलिए किया गया क्योंकि सरकार गुलामी के दौरान बनाई गई ब्रिटिश के कानूनों में मौजूदा वक्त के हिसाब से परिवर्तन लाना चाहती है. इन तीनों ही बिलों को लोकसभा सत्र के आखिरी दिन संसद की स्थायी समिति को रिव्यू के लिए भेज दिया गया है और इसे कानून बनाने के लिए शीतकालीन सत्र में संसद में पेश किया जाएगा.

☞ **भारतीय न्याय संहिता में क्या बदला?** :- देश की वर्तमान स्थिति को देखते हुए प्रस्तावित भारतीय न्याय संहिता में महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाले अपराधों, हत्याओं को लेकर कानून बनाने को लेकर प्राथमिकता दी गई है. भारतीय नागरिक संहिता बिल CRPC की जगह लेगी. इस बिल में कुल 533 धाराएं रहेंगी. भारतीय नागरिक संहिता बिल में ब्रच्च के 160 धाराओं में बदलाव किए गए हैं , 9 नई धाराएं जोड़ी गई हैं और 9 धाराओं को खत्म कर दिया गया है.

☞ **भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता बिल 2023 में कितनी धाराएं बदली?** :- भारतीय न्याय संहिता IPC की जगह लेगी. आईपीसी में पहले 511 धाराएं थी उसे बदलकर अब सिर्फ 356 धाराएं कर दी गई है. आईपीसी की जगह लेने वाले इस प्रस्तावित बिल में 175 धाराओं में बदलाव किया गया है, 8 नई धाराएं जोड़ी गई हैं और 22 धाराओं को निरस्त किया गया है.

☞ **साक्ष्य बिल, 2023 में कितनी धाराएं बदली?** :- एविडेंट एक्ट की जगह लेने वाले भारतीय साक्ष्य विधेयक में पहले की 167 धाराएं थी लेकिन अब 170 धाराएं होंगी, 23 धाराओं में बदलाव किया गया है, 1 नई धारा जोड़ी गई है और 5 धाराओं को निरस्त कर दिया गया है.

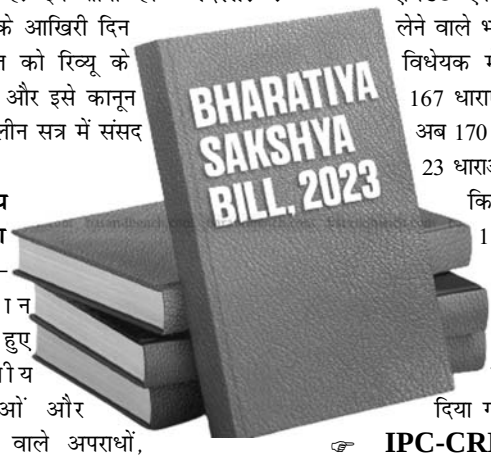


☞ **IPC-CRPC के नए वर्जन क्या-क्या हुए बड़े बदलाव** :- राजद्रोह हटाया गया: बिल के प्रस्ताव को पेश करते हुए केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि देशद्रोह के कानून को रद्द किया जाएगा. कारण ये है कि हमारा देश लोकतांत्रिक देश है और यहां हर किसी को अपनी बात कहने का अधिकार है. हालांकि राजद्रोह हटा दिया गया है लेकिन नए प्रावधान के अनुसार कोई भी व्यक्ति इरादतन या जानबूझकर. अपने बोलने, लिखने, संकेत देने से अलगाववादी गतिविधियों की भावनाओं को उकसाने की कोशिश करता है या देश की संप्रभुता या एकता और अखंडता को खतरे में डालने का प्रयास करता है या उस काम में शामिल होता हो तो ऐसी स्थिति में आरोपी को कम से कम 7 साल और ज्यादा से ज्यादा आजीवन कारावास सजा और जुर्माना भी लगाया जा सकता है. नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म की सजा: अगर यह बिल कानून की शक्ल लेता है तो नाबालिग बच्चे के साथ दुष्कर्म करने पर मौत की सजा देने का प्रावधान है. किसी महिला से गैंगरेप करने पर 20 साल तक की जेल की सजा मिल सकती है.

☞ **प्यार के नाम पर धोखा संगीन जुर्म** :- नए प्रस्तावित बिल के अनुसार किसी भी महिला के साथ प्यार-मोहब्बत के नाम पर धोखेबाजी करना संगीन जुर्म माना जाएगा. अगर कोई भी व्यक्ति अपनी धार्मिक पहचान छुपा कर किसी महिला से शादी करने की कोशिश करता है या शादी करता है तो उसे 10 साल की सजा भुगतनी होगी. इसके अलावा कोई भी पुरुष किसी भी महिला के साथ शादी का वादा कर, प्रमोशन दिलवाने का वादा कर या नौकरी दिलाने का झूठा

वादा कर संभोग करता है तो ऐसी स्थिति में उसे कम से कम 10 साल की सजा होने का प्रावधान है.

☞ **मॉब लिंचिंग पर सजा :-** इस प्रस्तावित विधेयक में मॉब लिंचिंग को हत्या से जोड़ा गया है. विधेयक के अनुसार जब 5 या 5 से ज्यादा लोगों समूह साथ मिलकर किसी का नस्ल, लिंग, जन्म स्थान, भाषा, जाति या समुदाय के आधार पर हत्या करता है, तो ऐसी स्थिति में इस अपराध में शामिल हर व्यक्ति को मौत या कारावास से दंडित किया जाएगा. इसमें न्यूनतम सजा 7 साल और अधिकतम मौत की सजा का प्रावधान किया गया है.

आतंकवाद को किया गया परिभाषित: भारतीय न्याय संहिता के तहत पहली बार आतंकवाद शब्द की परिभाषा बताई गई है जो की वर्तमान में आईपीसी में शामिल नहीं था.

☞ **स्नैचिंग पर सजा :-** भारतीय न्याय संहिता में धारा 302 के अनुसार 'स्नैचिंग' पर को लेकर एक नया प्रावधान किया गया है. इसमें बताया गया है कि जो कोई भी व्यक्ति स्नैचिंग करते हुए पकड़ा जाता है तो उसे तीन साल तक की कैद की सजा और जुर्माना देना होगा.

☞ **रेप पीड़िता की पहचान बताना अपराध :-** नए कानून में किसी भी रेप पीड़िता की पहचान को सबके सामने लाने वालों पर भी सजा का प्रावधान है. दरअसल धारा 72 (1) के तहत कोई भी व्यक्ति रेप पीड़िता का नाम या कोई भी ऐसी चीज सबके सामने लाता है जिससे पीड़िता को पहचाना जाए. ऐसी स्थिति में उस व्यक्ति के खिलाफ धारा 63 से 68 तक सजा दी जा सकती है. आरोपी को किसी भी अवधि के लिए कारावास से दंडित किया जाएगा. जिसे 2 साल तक बढ़ाया जा सकता है और जुर्माना भी लगाया जा सकता है.

☞ **कोर्ट होंगे डिजिटलाइज :-** नए प्रावधानों के अनुसार आने वाले समय में एफआईआर लिखने से जजमेंट तक सभी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी. गृहमंत्री ने इसे पेश करते वक्त कहा कि साल 2027 तक देश के सभी कोर्ट को डिजिटाइज कर दिया जाएगा. ताकि कहीं से भी जीरो एफआईआर रजिस्टर किया जा सके. इसके अलावा किसी की भी गिरफ्तारी के साथ ही उसके परिवार को भी सूचित कर दिया जाएगा. 180 दिन के जांच समाप्त कर ट्रायल के लिए भेजना होगा. ये नए न्याय व्यवस्था लागू करने का आगाज है, लेकिन जहां तक मेरा अनुमान है ये अब नए साल ही लागू होगा। लोकतंत्र में बदलाव या परिवर्तन ही नियम है। ●

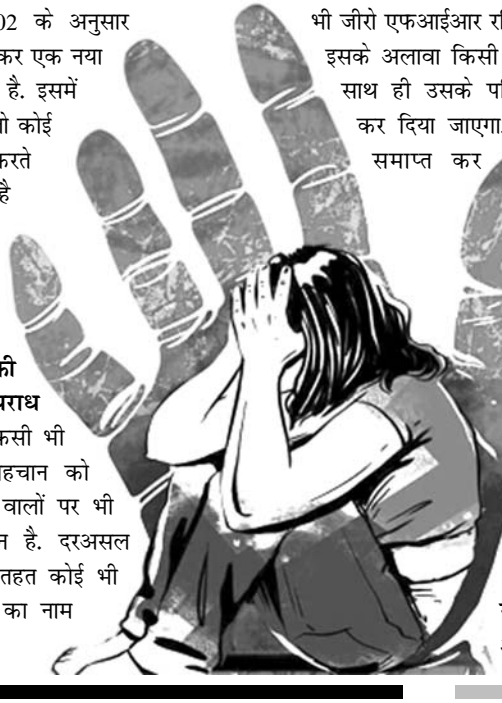

**(लेखक सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता हैं)**

# आपसी प्रतिद्वंद्विता के बावजूद क्या साथ आयेंगे अमेरिका और चीन?

चीन और अमेरिका एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में हैं। वैश्विक समस्याओं से निपटने के लिए आपसी प्रतिस्पर्धा के बावजूद दोनों देशों को साझा जमीन तलाशनी होगी। आज कैलिफोर्निया में राष्ट्रपति जिनपिंग और बाइडेन के बीच मुलाकात होगी। एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) शिखर सम्मेलन 11 से 17 नवंबर तक अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में चल रहा है। इस सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग दोनों मौजूद होंगे। जो व्यक्ति बाइडेन और जिनपिंग की तस्वीर लेगा उस पर काफी जिम्मेदारी होगी। आखिर यह तस्वीर दुनिया के उन 2 बड़े देशों के बीच के संबंधों को दिखाएगी, जो वैश्विक तौर पर आर्थिक और सुरक्षा नीति के मामले में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। अगर ये दोनों देश सहयोग नहीं करते हैं, तो जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों का सामना नहीं किया जा सकता है। मीडिया और आम लोग, दोनों देशों के बीच के संबंधों की व्याख्या करने के लिए दोनों राष्ट्र प्रमुखों के चेहरे के भाव, शारीरिक हाव-भाव और पूरी सेटिंग पर ध्यान देंगे। इस मुलाकात के दौरान वे एक-दूसरे से आमने-सामने आंख से आंख मिलाकर मुलाकात करेंगे। बाइडेन 1.83 मीटर (लगभग 6 फीट) लंबे हैं और शी की लंबाई भी करीब 1.80 मीटर है। हालांकि शी की लंबाई की सटीक जानकारी नहीं है, क्योंकि चीन इस तरह की जानकारी को राजकीय रहस्य की तरह मानता है। दोनों नेताओं के बीच पिछली मुलाकात नवंबर 2022 में इंडोनेशिया के बाली में जी20 शिखर सम्मेलन में हुई थी। तब से राजनीतिक विमर्श होते रहे हैं, लेकिन शी और बाइडेन ने सीधे तौर पर आमने-सामने बातचीत नहीं की है। मर्केटर इंस्टीट्यूट फॉर चाइना स्टडीज (मेरिक्स) की प्रमुख विश्लेषक हेलेना लेगार्डा का कहना है, 'यह बात साफ तौर पर जाहिर है कि शी और बाइडेन मौजूदा मुद्दों पर चर्चा करेंगे। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि वे किसी मुद्दे पर आम सहमति बना पाएंगे या नहीं। यह भी हो सकता है कि इस सम्मेलन से कोई ठोस नतीजा न निकले।'

☞ **राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं अमेरिका और चीन :-** चीन और अमेरिका के संबंध 2 अलग-अलग राजनीतिक प्रणालियों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करते हैं। चीन एक निरंकुश एकदलीय देश है, जो दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। चीन का कहना है कि वह 2050 तक दुनिया का सबसे मजबूत देश बनना चाहता है। इस कम्युनिस्ट देश ने शीतयुद्ध के दौरान दशकों तक पश्चिमी गठबंधन के खिलाफ लड़ाई लड़ी। हालांकि वह कामयाब नहीं हो सका लेकिन अब उसे उम्मीद है कि वह वैश्विक महाशक्ति के तौर पर अमेरिका को पछाड़कर खुद को स्थापित कर पाएगा। वहीं अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और लोकतंत्र है। यह वैश्विक महाशक्ति के तौर पर अपनी जगह बनाए रखना चाहता है। दोनों देश एक-दूसरे से कई स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इनमें से एक है अर्थव्यवस्था। खासकर सेमीकंडक्टर, डिजिटलाइजेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे उच्च-तकनीकी क्षेत्र में दोनों एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में हैं। हालांकि भू-राजनीतिक हित भी दोनों देशों की प्रतिस्पर्धा के बीच अहम भूमिका निभाते हैं। चीन गैर-पश्चिमी देशों के साथ गठबंधन बनाकर अमेरिका के प्रभुत्व वाली वैश्विक व्यवस्था को बदलना चाहता है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि साम्यवादी निरंकुशता या पूंजीवादी लोकतंत्र में से कौन 21वीं सदी का वैचारिक मॉडल बनेगा? इतिहास के पन्नों पर नजर डालें, तो 1972 में राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन के नेतृत्व में अमेरिका ने पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए थे। पिछले कुछ दशकों में यह संबंध तेजी से आगे बढ़ा, खासकर 1978 में चीनी राष्ट्रपति डेंग शियाओपिंग के शासन में सुधार और खुलेपन की नीतियों की शुरुआत के बाद से।

☞ **एक-दूसरे पर आर्थिक निर्भरता :-** चीन अपनी आर्थिक ताकत की बदौलत अन्य देशों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने में सक्षम है। इसके विशाल बाजार ने यूरोप और अमेरिका से कई निवेशकों को आकर्षित किया है, जो पूंजी और तकनीकी जानकारी लेकर यहां आए। उदाहरण के लिए 2022 में जर्मन कार निर्माता कंपनी फॉक्सवैगन, बीएमडब्ल्यू और मर्सिडीज ने अपने रेवेन्यू का औसतन 35 फीसदी हिस्सा चीन से हासिल किया। इस दौरान चीन ने अफ्रीका, मध्य एशिया, लैटिन अमेरिका और हाल ही में अरब दुनिया में निवेश किया है। बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव उसकी एक प्रमुख परियोजना है। इस परियोजना के तहत चीन दुनिया में व्यापार करने के लिए 2 प्रमुख मार्ग बना रहा है जिसमें एक समुद्री मार्ग है और दूसरा सड़क मार्ग। इसे 'न्यू सिल्क रोड' का नाम भी दिया गया है। चीन प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं के समूह ब्रिक्स+ में भी अग्रणी भूमिका निभाता है। मूल रूप से ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका से बने इस समूह का विस्तार करके। इसमें 6 और सदस्यों को शामिल किया जा रहा है। लगभग 40 देशों ने इसमें शामिल होने में दिलचस्पी दिखाई है। डुइसबुर्ग-एसेन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और चीनी मामलों के विशेषज्ञ मार्कुस टाउबे कहते हैं, 'चीन ऐसी शासन प्रणाली चला रहा है जिसके तहत अन्य देशों के साथ संबंधों में राजनीतिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए आर्थिक लाभ का इस्तेमाल किया जाता है।' पिछले सप्ताह डुसेलडॉर्फ में जर्मन-चीन व्यापार सम्मेलन में टाउबे ने कहा, 'चीन वैश्विक व्यवस्था पर अपनी पकड़ मजबूत बनाना चाहता है और ऐसा करने की मांग भी कर रहा है। इसका नतीजा यह हुआ है कि पश्चिमी दुनिया के साथ इसकी तकरार बढ़ती जा रही है। हम यह अनुभव कर रहे हैं कि राष्ट्रीय लक्ष्यों को हासिल करने के लिए 'आर्थिक शासन प्रणाली' का ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है।' अमेरिकी थिंक टैंक अटलांटिक काउंसिल के मुताबिक, 'आर्थिक शासन प्रणाली का मतलब विदेश नीति के उद्देश्यों को हासिल करने के लिए वित्तीय, कानूनी और आर्थिक उपकरणों का इस्तेमाल करना है।'

☞ **व्यापार के जरिए बदलाव की उम्मीद नहीं हुई पूरी :-** विडंबना यह है कि शुरुआत में पश्चिमी देश ही 'आर्थिक शासन प्रणाली' के जरिए बदलाव लाना चाहते थे, खासकर 1990 के दशक में। जर्मन मुहावरा था 'व्यापार के जरिए बदलाव'। टाउबे ने कहा, 'जर्मन सिद्धांतकारों ने सोचा था कि जटिल अर्थव्यवस्थाएं उदार सामाजिक मॉडल के बिना काम नहीं कर सकती हैं। 'व्यापार के जरिए बदलाव' संतुलन बनाने का काम करेगा। आज हम देख सकते हैं कि यह सिद्धांत पूरी तरह सही नहीं है।' चीन ने साबित कर दिया है कि पूंजीवाद और निरंकुशता पूरी तरह मेल खाते हैं। मेरिक्स की लेगार्डा कहती हैं, 'पश्चिमी देशों के लिए बड़ी चुनौती और चिंता यह होगी कि चीन ने मौजूदा वैश्विक व्यवस्था, नियमों, मूल्यों और सिद्धांतों में सुधार करने की महत्वाकांक्षा जताई है ताकि वे उसके हिसाब से हों।' वहीं दूसरी ओर, अमेरिका के नेतृत्व वाले जी7 के 7 औद्योगिक देशों के उदार लोकतांत्रिक समूह ने 'वैश्विक चुनौतियों के साथ-साथ सामान्य हित के मामलों' पर चीन के साथ काम करने की पेशकश की है। जर्मनी भी इस समूह का सदस्य है। 8 नवंबर को जापान में बैठक के बाद जी7 विदेश मंत्रियों के बयान में कहा गया, 'हम चीन के साथ रचनात्मक और स्थिर संबंध बनाने के लिए तैयार हैं। हमें पता है कि स्पष्ट तौर पर बातचीत करने और चिंताओं को जाहिर करने का क्या महत्व होता है।' शी जिनपिंग के अमेरिका दौरे से पहले राष्ट्रपति बाइडेन से चीन सागर और अन्य जगहों पर चीनी उकसावे का निर्णायक रूप से जवाब देने का आह्वान किया गया है। हालांकि आपसी प्रतिद्वंद्विता के बावजूद चीन और अमेरिका के बीच व्यावहारिक गठबंधन होना भी जरूरी है ताकि सामान्य चुनौतियों और चिंताओं को दूर किया जा सके। पश्चिमी देश भी इस प्रतिद्वंद्विता के बीच समान विचारधारा वाले साथी तलाश रहे हैं। जर्मनी की विदेश मंत्री अनालेना बेयरबॉक का कहना है, लोकतांत्रिक देश के तौर पर हम निरंकुश ताकतों का मुकाबला सिर्फ तब कर सकते हैं, जब दुनियाभर में हमारे मित्र महसूस करेंगे कि हम इस मुद्दे पर गंभीर हैं। ●

# 10 नवंबर को प्रीति योग मे मनेगा धनतेरस, 11 को हनुमान जयंती, दीप दान एवं छोटी दीपावली, 12 को सौभाग्य योग मे मनेगी दीपावली

● निलेन्दु झा

ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान, सहरसा के संस्थापक ज्योतिषाचार्य पंडित तरुण झा नें बतलाया है कि मिथिला विश्वविद्यालय पंचांग के अनुसार, धनतेरस के दिन से ही दीपावाली के त्योहार का शुभारंभ हो जाता है,जो की इस वर्ष 10 नवंबर शुक्रवार को प्रीति योग मे मनाई जाएगी,11.57 दिन के बाद पुरे दिन खरीददारी कर सकते है, जो शुभ होगा,हर साल कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को धनतेरस मनाते हैं, शास्त्रों मे वर्णन के अनुसार धनतेरस के दिन लोग कोई भी एक नया धातु की खरीदारी अवश्य करते हैं, धनतेरस पर माता लक्ष्मी और धन के अधिपति कुबेर की पूजा की जाती है, इसके अतिरिक्त 11 नवंबर शनिवार को श्री श्री 108 हनुमान जयंती, दीपदान एवं छोटी दीपावली का शुभ संयोग बन रहा है, तथा 12 नवंबर, रविवार को दीपावली के दिन सौभाग्य योग बन रहा है, इस दिन माता काली,भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की पूजन करने से सुख, वैभव, यश की प्राप्ति होती है, गोवर्धन पूजा का पर्व इस बार 14 नवंबर, मंगलवार को मनाया जायेगा इस पर्व का संबंध भगवान श्री कृष्ण से हैं, हिंदू पंचांग के अनुसार, कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को गोवर्धन पूजा मनाई जाती है, भाई दूज एवं भगवान चित्र गुप्त जी की पूजा 15 नवंबर बुधवार को मनायी जायेगी!

☞ **17 को होगा नहाय खाय,18 को होगा खरना,19 को होगा संध्या अर्घ्य 20 को होगा सवेरे का अर्घ्य!** :- मान्यता के अनुसार छठ देवी सूर्य देव की बहन हैं और उन्हीं को प्रसन्न करने के लिए भगवान सूर्य की आराधना की जाती है. व्रत करने वाले मां गंगा और यमुना या किसी नदी या जलाशयों के किनारे आराधना करते हैं. इस पर्व में स्वच्छता और शुद्धता का विशेष ख्याल रखा जाता है. वहीं, पुराणों में मां दुर्गा के छठे रूप कात्यायनी देवी को भी छठ माता का ही रूप माना जाता है. छठ मईया को संतान देने वाली माता के नाम से भी जाना जाता है. माना जाता है कि ये व्रत संतान प्राप्ति और संतान की मंगलकामना के लिए रखा जाता है. ●

# आपका राशिफल

**पंडित तरुण झा**
**ज्योतिषचार्य**
**( ज्योतिष, वास्तु एवं रत्न विशेषज्ञ )**
**ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान**
**प्रताप चौक, सहरसा-852201,**
**( बिहार )**
**मो० :- 9470480168**

**मेष राशि :-** इस राशि वालों के लिए नवंबर का महीना बेहद सकारात्मक रहने वाला है,मेष राशि पर जो गुरु चांडाल का योग था, वह पहले ही समाप्त हो चुका है. गुरु चांडाल योग समाप्त होते ही मेष राशि जातकों के लिए अच्छे दिन की शुरुआत हो चुकी है!

**वृषभ राशि :-** इस राशि वालों के लिए नवंबर का महीना मिला-जुला रहने वाला है, महीने की शुरुआत में कामकाज की अधिकता रहने के कारण भागदौड़ ज्यादा करनी पड़ सकती है, मन और शरीर दोनों थका-थका रहने वाला है. घर परिवार के लिए जरूरतों और सुख सुविधा के सामान की खरीदारी में जेब ज्यादा ढीली करनी पड़ सकती है!

**मिथुन राशि :-** इस राशि वालों का नवंबर का महीना मिला-जुला रहने वाला है. जो भी कार्य करेंगे उसके फल में आपको थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है. कार्य को पूरा करने के लिए मेहनत ज्यादा करनी पड़ सकती है. बड़ी तो नहीं लेकिन छोटी-मोटी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है!

**कर्क राशि :-** इस राशि वालों के लिए नवंबर का महीना मिला-जुला रहने वाला है. भाग्य स्थान में राहु रहने के कारण बना बनाया काम बिगड़ जाएगा. नवंबर के महीने में आप अपनी वाणी पर संयम बनाए रखें, नहीं तो आपको खास नुकसान उठाना पड़ सकता है!

**सिंह राशि :-** इस वालों के लिए नवंबर का महीना नकारात्मक रहने वाला है, रोजी रोजगार का मंदा रहने वाला है,छोटे-छोटे कार्यों के लिए आपको अधिक परिश्रम करना पड़ सकता है,कार्यों को पूरा करने के लिए आपके परिवार के सदस्य का सहयोग भी ना के बराबर मिलने वाला है!

**कन्या राशि :-** इस राशि वालों के लिए नवंबर का महीना बेहद सकारात्मक रहने वाला है. मन शांत रहने वाला है, तो हर काम में सफलता मिलेगी. आप जिस काम में हाथ लगाएंगे उसी में आपको सफलता हासिल होगी. काम को पूरा करने के लिए मित्र और परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने वाला है!

**तुला राशि :-** इस राशि वालों के लिए नवंबर का महीना मिला-जुला रहने वाला है. किसी कारणवश आपका मन बहुत परेशान रहने वाला है. इसके चलते आपको अनिद्रा का भी सामना करना पड़ सकता है!

**वृश्चिक राशि :-** इस राशि वालों के लिए यह महीना नवंबर का महीना बहुत सकारात्मक करने वाला है. नौकरीपेशा लोगों के लिए तरक्की की नई अवसर प्रदान होंगे. यदि आप नौकरी में बदलाव की सोच रहे हैं, तो यह महीना आपके लिए बिल्कुल अनुकूल रहने वाला है!

**धनु राशि :-** इस राशि वालों के लिए नवंबर का महीना बेहद सकरात्मक रहने वाला है. जिस भी कार्य में आप अपने हाथ लगाएंगे उसमें आपको सफलता हासिल होगी. किसी को दिया हुआ उधार धन वापस मिल सकता है.

**मकर राशि :-** इस राशि वालों के लिए नवंबर का माह मिला-जुला रहने वाला है. नवंबर के महीने में काम के चलते छोटी यात्रा करनी पड़ सकती हैं. वह यात्रा काफी हानिकारक रहने वाली है. खर्च भी बढ़ने वाला है. परिवार के किसी सदस्य के साथ वाद विवाद होने का भी योग है.

**कुंभ राशि :-** इस राशि वालों के लिए नवंबर का महीना बेहद नकारात्मक रहने वाला है. घर परिवार के किसी सदस्य के साथ लड़ाई झगड़ा होने का योग है. कार्यक्षेत्र से जुड़ी तमाम चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है.

**मीन राशि :-** इस राशि वालों के लिए नवंबर का महीना बेहद नकरात्मक रहने वाला है. राहु आपको परेशान कर सकता है, क्योंकि राहु मीन राशि में ही विराजमान है. किसी भी कार्य को पूरा होने में आपको थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है.

**★ विधिक सेवा प्राधिकार अधिनियम 1987 के बारे में प्रमुख जानकारी देने की कृपा करें ?**

आज मैं आप सभी को विधिक सेवा प्राधिकार अधिनियम 1987 के कुछ प्रमुख प्रावधानों के बारे में बतलाऊंगा। भाईयों और बहनों जिस प्रकार से हमारे देश की आबादी बढ़ती जा रही है उसी प्रकार से न्यायालयों में मुकदमों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। इसका प्रमुख कारण हमारे देश की जटिल कानूनी की प्रक्रिया है जिसमें उलझ कर आवेदक एवं विपक्षी का कीमती समय एवं धन बर्बाद होता है। साधारण बोलचाल की भाषा में कहा जाता है कि न्यायालय में सिर्फ तारीख पर तारीख मिलता है परंतु न्याय नहीं मिलता है अर्थात इंसान के मर जाने के बाद ही उसका मुकदमा समाप्त होता है। मुकदमा लड़ने में कितनों के खेत खलिहान मकान बैंकों में जमा रुपए महिलाओं के गहने, जेवर तक बिक जाते हैं फिर भी समय से उन्हें न्याय नहीं मिल पाता है। इन्हीं सब समस्याओं को देखते हुए सरकार ने विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 का गठन किया। इस विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम में कुल 6 अध्याय एवं 30 धाराएं हैं। इस अधिनियम समाज के कमजोर वर्गों को मुक्त एवं सक्षम विधिक सेवाओं को प्रदान करती है, कोई भी नागरिक आर्थिक या किसी भी अन्य कारण से न्याय प्राप्त करने से वंचित न रह जाए यह सुनिश्चित करने के लिए तथा लोक अदालत का आयोजन करने के लिए ताकि न्यायिक व्यवस्था समान अवसर के आधार पर सबके लिए न्याय सुगम बना सके इस पर कार्य करती हैद्य इस प्राधिकरण के अध्याय 2 धारा 3 में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण का गठन के बारे में बतलाया गया है। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण अर्थात नेशनल लीगल सर्विस अथॉरिटी का गठन केंद्र स्तर पर होता है, जिसके मुख्य संरक्षक भारत के चीफ जस्टिस होते हैं इसके अलावे राष्ट्रपति द्वारा भारत के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से उच्चतम न्यायालय का एक सेवारत या सेवानिवृत न्यायाधीश को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया जाता है। इस प्रकार विधिक सेवा प्राधिकरण का गठन कुल चार स्तरों पर किया गया है-प्रथम केंद्र स्तर, द्वितीय राज्य स्तर, तृतीय जिला स्तर एवं चतुर्थ तालुका स्तर पर। विधिक सेवा प्राधिकार आम जनता तक निशुल्क कानूनी सहायता पहचाने का कार्य करती है। राज स्तर पर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण का गठन इस अधिनियम की धारा 6 में किया गया है। राज्य स्तर पर बिहार में बालसा अर्थात् बिहार स्टेट लीगल सर्विस अथॉरिटी कार्य करती है, जिसके अध्यक्ष चीफ जस्टिस ऑफ बिहार होते हैं एवं जिला स्तर पर डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विस अथॉरिटी अर्थात् जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का गठन का प्रावधान धारा 9 में किया गया है। डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विस अथॉरिटी के अध्यक्ष जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा सचिव अतिरिक्त जिला जज होते हैं द्य जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की धारा 12 में विधिक सेवा देने के लिए मानदंड का प्रावधान है। अर्थात वैसे व्यक्तियों को निशुल्क विधिक सहायता मिल सकती है जो अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के सदस्य हैं सभी जातियों के महिलाएं एवं बच्चे, मानसिक रोगी एवं विकलांग, किन्नर, वरीय नागरिक, तेजाब पीड़ित या पीड़िता अनापेक्षित प्रभाव जैसे जनजातीय हिंसा ,जातीय अत्याचार बाढ़ ,भूकंप या औद्योगिक विनाश की दशाओं के अधीन सताए हुए व्यक्ति, औद्योगिक श्रमिक, अंडर ट्रायल प्रिजनर (बंदी) एवं ऐसे सभी व्यक्ति जिनकी वार्षिक आमदनी 1,50000 रुपए से कम है वे सभी निशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने के पात्र होते हैं। निशुल्क विधिक सहायता में वैसे व्यक्ति को सरकारी खर्च पर अधिवक्ता उपलब्ध कराए जाते हैं। उनके मुकदमे की कोर्ट फीस माफ कर दी जाती है। न्यायालय के समक्ष विचार अधीन मामलों में कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाती है। उन्हें कानून की प्रमुख जानकारी दी जाती है। इस प्राधिकरण के अधिनियम 19 में लोक अदालतों के बारे में बताया गया है, जिसमें एक सेवारत या सेवा निवृत्त न्यायिक अधिकारी एक पैनल अधिवक्ता एवं एक सामाजिक कार्यकर्ता होते हैंद्य लोक अदालतें साधारण तौर पर प्रत्येक 3 महीने के अंतराल पर आयोजित किए जाते हैं। यह राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया जाता है। इसमें वैसे अपराधिक सभी सुलहनीय मामले जिनका सीआरपीसी की धारा 320 में सुलहनीय मामलों के रूप में दर्शाया गया है। इसके अलावे दीवानी, यातायात, विद्युत, बैंक लोन, मेट्रोमोनियल (डाइवोर्स को छोड़कर) मेंटेनेंस, नापतोल, क्लेम केश इत्यादि कई प्रकार के मामलों का निपटारा आपसी सुलह एवं समझौता से लोक अदालत में कराया जाता है।

**शिवानंद गिरि**
**( अधिवक्ता )**
**Ph.- 9308454485**
**7004408851**
**E-mail :-shivanandgiri5@gmail.com**

इसमें केवल वैसे मामले ही लिये जाते हैं जो सुलहनीय होते हैं तथा जो पहले से न्यायालयों में विचाराधीन है तथा जिसमें दोनों पक्षकार आपसी मर्जी से सुलह एवं समझौता करने को तैयार हैं। विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम के तहत विभिन्न प्रकार के अदालतें लगाई जाती हैं- जैसे राष्ट्रीय लोक अदालत, निरंतर लोक अदालत, चलंत अदालत। इसके अलावे इस प्राधिकरण अधिनियम की धारा 22 के तहत स्थाई लोक अदालत भी कार्य करती है। निरंतर लोक अदालत सालों भर कार्य करती है। इसमें भी आपसी सुलह समझौता से ही मुकदमों का निपटारा कराया जाता है। इसके अलावे अस्थाई लोक अदालत में पब्लिक यूटिलिटी, डाक-तार, हवाई सेवा, बस सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य इत्यादि कई प्रकार के मामलों से संबंधित विवादों की सुनवाई करती है। इस अस्थाई लोक अदालत की प्रमुख व्यवस्था यह है कि इसमें गुण-दोष के आधार पर मामले का निपटारा कराया जाता है। अर्थात् अगर इसमें दोनों पक्षों के बीच सुलह समझौता नहीं होता है तो फिर भी गुण दोष के आधार पर न्यायालय अपना फैसला दे सकता है और उसे फैसले को खिलाफ अपील में कोई पक्ष नहीं जा सकते हैं जिस प्रकार से राष्ट्रीय लोक अदालत एवं निरंतर लोक अदालत में दिए गए फैसले जिसे अवार्ड अर्थात पंचाट भी कहते हैं के खिलाफ दोनों में से कोई भी पक्ष अपील में नहीं जा सकता है। लोक अदालत के द्वारा मुकदमों के निपटारा करने के कुछ प्रमुख फायदे हैं जैसे लोक अदालत में वकील पर खर्च नहीं होता है तथा कोर्ट फीस भी नहीं लगता है पुराने मुकदमोनों की कोर्ट फीस वापस हो जाती है इसमें किसी पक्ष को सजा नहीं होती है। मामले को बातचीत के द्वारा सफाई से हल कर लिया जाता है। मुआवजा और हर्जाना तुरंत मिल जाता है। सभी को आसानी से न्याय मिल जाता है। इसका फैसला अंतिम होता है। लोक अदालत के फैसला के विरुद्ध कहीं अपील नहीं होती हैद्य आप सभी लोक अदालत का लाभ कैसे उठा सकते हैं तो इसके बारे में आपको बता दूं कि कोई मुकदमा किसी दीवानी अदालत में हो और दोनों पक्ष इसे जल्द खत्म करना चाहते हो तो संबंधित अदालत को एक आवेदन दें उसमें लिखा कि हम सब इस लोक अदालत में ले जाना चाहते हैं तो आपके आवेदन पर न्यायाधीश इसे तुरंत लोक अदालत में भेज देंगे किसी फौजदारी मुकदमे में जो गंभीर न हो और सुलहनीय मामले हो इसमें अगर दोनों पक्ष समझौता करना चाहते हो तो मिलकर आवेदन देने पर मामला लोक अदालत में भेज दिया जाएगा। अगर एक पक्ष भी अपने चल रहे मुकदमे को लोक अदालत में ले जाना चाहते हैं तो भी आप आवेदन दे सकते हैं। न्यायाधीश या पदाधिकारी अगर ठीक समझते हैं तो इसे लोक अदालत में भेज सकते हैं। अगर संबंधित न्यायाधीश या पदाधिकारी चाहे तो अपनी मर्जी से भी मुकदमे को लोकअदालत में भेज सकते हैं। इसके अलावे विधिक सेवा प्राधिकरण डोर टू डोर एवं कुछ प्रमुख जगह पर जैसे ग्रामीण क्षेत्र एवं शहरी क्षेत्र में समय-समय पर विधिक जागरूकता शिविर का भी आयोजन करती है। साथ ही विक्टिम कंपनसेशन स्कीम के तहत पीड़ित एवं पीड़िता को सरकार से मुआवजा दिलवाले में प्रमुख भूमिका निभाती है, इसके अलावा विधिक सेवा प्राधिकार विभिन्न लॉ कॉलेज में लीगल सर्विस क्लिनिक चलती है। साथ ही डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विस अथॉरिटी अपने कार्यालय में एक फ्रंट ऑफिस चलाती है एवं स्टेट लीगल सर्विस अथॉरिटी के कार्यालय में टेली लॉ के माध्यम से न्याय समाधान केंद्र की भी स्थापना की गई है, जिसमें आम जनता को निशुल्क विधिक सहायता कानूनी सलाह एवं विक्टिम कंपनसेशन स्कीम के तहत मिलने वाले मुआवजा को दिलवाने में अपनी प्रमुख भूमिका निभाती है।

# सागरमल ज्वेलर्स

Legacy of Trust

शुभ धनतेरस ऑफर

FLAT 9%* MAKING CHARGES ON GOLD JEWELLERY

FLAT 20%* OFF ON DIAMOND VALUE OF DIAMOND JEWELLERY

115 वर्षों का विश्वास

100%* वापसी

*IMPORTED, ANTIQUE AND STUDDED JEWELLERY ARE NOT INCLUDED

*T&C APPLY

BRAND AMBASSADOR RAVEENA TANDON

VALID TILL 13 NOV, 2023*

SABJI MARKET, NAWADA

CONTACT US ON : +91 9771648833

ALSO AT KANKARBAG, MAIN ROAD, PATNA, CONTACT US ON : +91 91024 20046, 72941 54204

OPENING SHORTLY - ANISHABAD (PATNA)

ROYAL KINGDOM

Good Living made Easy

2BKH/3BHP APARTMENT

BOOKING OPENS

6204 734 151

RERA

BRERAP05656-3/166/R-1467/2022

ROYAL KINGDOM CONSTRUCTION Pvt. Ltd.

Royal Heights Akauna, Nawada

# JEEVAN JYOTI PUBLIC SCHOOL

Affiliated 10+2 C.B.S.E., New Delhi

Nawada, Hisua, Patwasarai

Admission Open For Class - XI th

Contact For Admission 2023-24

9431227067, 7870662824

Hostel Facility Available at Nawada

Bravo, Congratulations For Success in 10th &12th

Our Star Performers of Class X Session 2022-23 (100% Result) Appeared - 225, More Than 90% :- 40 Student, More Than 80% :- 71

DIRECTOR RASHMI GUPTA 7870662824

Managing Director R.P. SAHU 9431227067

Hero

# डीवी मोटर

हिसुआ ( नवादा )

दीपावली एवं छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएँ।

## उमेश कुमार

प्रमंडलीय अध्यक्ष,

लोहार आदिवासी संघर्ष मंच

सह प्रोपराइटर-डीवी मोटर

महानंदा डेवलपर्स प्रा. लिमिटेड, हिसुआ

# होटल किंग पैलेस

पार नवादा

एहतेशाम कैसर

प्रोपराईटर

आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध।

# केशव कपूर मेमोरियल हॉस्पिटल

तीन नम्बर बस स्टैंड के समीप, नवादा

मो० :-9473142221

इमरजेंसी सेवा 24X7

:- हमारी सुविधाएं :-

OPD

जेनरल सर्जरी

एंडुलेंस

AC सुविधा

ECG

मेडिकल स्टोर

मूत्र एवं गुर्दा रोग विशेषज्ञ

आँथों सर्जरी (हड्डी रोग)

मानसिक रोग विशेषज्ञ

स्त्री एवं प्रसुति रोग विशेषज्ञ

दंत रोग विशेषज्ञ

कैंसर रोग विशेषज्ञ

पेट एवं छाती विशेषज्ञ

आँख, कान, नाक एवं गला रोग विशेषज्ञ

बसन्त प्रसाद

# WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.

## (Serving nation since 1990)

WESTOCITRON
WESTOCLAV
WESTOFERON
WESTOPLEX
QNEMIC

AOJ
AZIWEST
DAULER
MUCULENT
AOJ-D
BESTARYL-M
GAS-40
MUCULENT-D

SEVIPROT
WESTOMOL
WESTO ENZYME
ZEBRIL

---

**WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.**
Industrial area, Fatuha-803201
E-mail- westerlindrugsprivatelimited@gmail.com
Phone No.:0162-3500233/2950008